Government of Rajasthan

संभावनाओं का शनिवार

नो बैग डे

शिक्षक निर्देशिका

2025-26

कक्षा 1 से 5

अंकुर
कक्षा 1 से 2

प्रवेश
कक्षा 3 से 5

संरक्षक

शासन सचिव

स्कूल शिक्षा एवं भाषा विभाग राजस्थान, जयपुर

मार्गदर्शक

राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त
राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्,
जयपुर

निदेशक
राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्
उदयपुर

समन्वयक

....

प्रभागाध्यक्ष

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्

उदयपुर

संपादक एवं प्रभारी अधिकारी

डॉ. नवनीत शर्मा

असिस्टेंट प्रोफेसर

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्

उदयपुर

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्,

उदयपुर

विकास समूह –

1. श्री थान सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, आईएएसई अजमेर
2. श्रीमती इंदिरा शर्मा, व्याख्याता, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हट्टीपुरा, बूंदी
3. श्रीमती मोनिका लोधा, व्याख्याता, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जयस्थल, केशवरायपाटन, बूंदी
4. श्री आनंद कुमार पारीक, वरिष्ठ अध्यापक, राजकीय नेत्रहीन छात्रावासित उच्च माध्यमिक विद्यालय, बीकानेर
5. श्री छत्रपाल सिंह चारण, वरिष्ठ अध्यापक, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बुचेटी, बावड़ी, जोधपुर
6. श्री नौरत्न शर्मा, वरिष्ठ अध्यापक, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय झरना, मौजमाबाद, जयपुर
7. डॉ. दिपेन उपाध्याय, वरिष्ठ अध्यापक, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सेरा, झाडोल, उदयपुर
8. श्री विक्रम सिंह झाला, वरिष्ठ अध्यापक, महात्मा गाँधी राजकीय विद्यालय कुराबड़, उदयपुर
9. श्री दीक्षित दवे, अध्यापक, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बिछावाड़ा , सज्जनगढ़, बाँसवाड़ा
10. श्री जाग्रत सिंह परमार, अध्यापक, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय टिम्बागामड़ी, घाटोल, बाँसवाड़ा
11. श्री रोहित पाटीदार, अध्यापक, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय मैयावत, सज्जनगढ़, बाँसवाड़ा
12. श्री रणवीर सिंह राणावत, शा.शिक्षक, महात्मा गाँधी राजकीय विद्यालय सुखदेवी नगर, बेदला, उदयपुर

सहयोगी संस्थाएँ

1. अंतरंग फाउंडेशन
2. क्षमतालय फाउंडेशन

सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटो प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग पद्धति द्वारा संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

दिशा बोध

शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार विद्यालयीय शिक्षा में संपोषित शैक्षिक विकास एवं समावेशी शिक्षा की आवश्यकता की पूर्ति हेतु विद्यार्थी हित में निरंतर नवाचार करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी एवं विख्यात है।

यशपाल कमेटी (1993) के लक्ष्य 'Learning without Burden' एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मूल मंशा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की संकल्पना को प्रभावी रूप से प्राप्त करने के लिए 'नो बैग डे' कार्यक्रम वर्ष 2020 से राजस्थान में सफलतापूर्वक सतत् गतिमान है। शिक्षा विभाग राजस्थान ने इस कार्यक्रम की सफल क्रियान्विति एवं प्रभावी संपादन हेतु संस्था प्रधानों एवं शिक्षकों की सहायतार्थ 'नो बैग डे' निर्देशिका का पूर्व में निर्माण किया था। वर्तमान सत्र में इसे परिष्कृत कर प्रत्येक विद्यालय को निर्देशिका वितरित किया जानी है। 'नो बैग डे' कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पुस्तकों के बोझ से मुक्तकर रचनात्मक, व्यावहारिक और आनंददायक गतिविधियों के माध्यम से सीखने के अवसर प्रदान करना है।

इस निर्देशिका में 'नो बैग डे' की गतिविधियों हेतु कक्षानुसार पाँच समूह एवं थीम निर्धारित की गई हैं। विगत वर्षों के अनुभव, वर्तमान आवश्यकताओं तथा विद्यार्थियों के समग्र (360°) विकास की संकल्पना के परिप्रेक्ष्य में इस निर्देशिका में प्रासंगिक थीम आधारित गतिविधियों- हरियालो राजस्थान, नागरिक शिष्टाचार, सामाजिक सरोकार, कुटुम्ब शिक्षा एवं प्रबोधन, मानसिक तनाव और प्रबंधन, कचरा प्रबंधन, जल संरक्षण आदि को सम्मिलित किया गया है।

विद्यार्थियों को विद्यालय स्तर पर व्यक्तिगत विकास के विभिन्न आयामों - प्रभावी संप्रेषण कौशल, नैतिक एवं मानवीय मूल्यों का निर्माण, नेतृत्व क्षमता का विकास, समय प्रबंधन की समझ आदि से अवगत कराना है जो उनके स्वर्णिम एवं सफल भविष्य की दृष्टि से श्रेयस्कर रहेगा।

आप सभी को 'नो बैग डे' कार्यक्रम की सफल एवं वांछित क्रियान्विति हेतु कोटिशः शुभकामनाएँ।

शासन सचिव

स्कूल शिक्षा एवं भाषा विभाग राजस्थान,

जयपुर

प्राक्कथन

'नो बैग डे' कार्यक्रम राजस्थान सरकार की अनूठी पहल है जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लक्ष्य के साथ आनंददायी अधिगम की संभावनाओं को साकार करने के लिए वर्ष 2020 से लागू किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मंशा विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के दबाव, परीक्षा के भय, गृहकार्य आदि से मुक्त रखते हुए अधिगम की सकारात्मक, आनंददायी परिस्थितियाँ उपलब्ध करवाकर विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना है। इसी परिप्रेक्ष्य में राजस्थान में **'नो बैग डे'** कार्यक्रम लागू किया गया जो राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय रहा है। पूर्व में प्रकाशित 'नो बैग डे' निर्देशिका में वर्णित थीम के अतिरिक्त थीम आधारित गतिविधियाँ यथा – **हरियालो राजस्थान, नागरिक शिष्टाचार, सामाजिक सरोकार, कुटुंब शिक्षा एवं प्रबोधन, मानसिक तनाव एवं प्रबंधन, कचरा प्रबंधन, जल संरक्षण** आदि का समावेश कर निर्देशिका को अद्यतन करना प्रासंगिक एवं समीचीन है।

नवीन संदर्शिका में जोड़ी गई थीम आधारित गतिविधियाँ विद्यार्थियों को अपने परिवेश के प्रति जागरुक करने के साथ -साथ उनमें दायित्व बोध बढ़ाने, सभ्य एवं उत्तरदायी नागरिक बनाने की दिशा में प्रभावी कदम सिद्ध होगा। आनंददायी एवं दबाव मुक्त शिक्षण गतिविधियों के माध्यम से अनौपचारिक परिवेश में सहजता से सीखा हुआ ज्ञान स्थायी एवं सुदृढ़ रहता है। अतः यह कार्यक्रम बाल मनोविज्ञान एवं राज्य की शिक्षा व्यवस्था को नवीन दिशा प्रदान करेगा।

विद्यालयीय शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं है अपितु यह जीवन मूल्यों, रचनात्मकता और व्यावहारिक ज्ञान के संवर्धन का माध्यम भी है। इसी सोच को साकार करने के उद्देश्य से **'नो बैग डे'** की संकल्पना को अपनाया गया है।

निदेशक

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्

उदयपुर

'नो बैग डे' कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में दिशा निर्देश-

संस्था प्रधान हेतु -

1. शिविरा पंचांग 2025-26 के निर्देशानुसार प्रत्येक माह के शनिवार को 'नो बैग डे' कार्यक्रम मनाया जाना है। इस संदर्भ में विभिन्न अपेक्षित गतिविधियों का संग्रह इस निर्देशिका में किया गया है। समस्त संस्था प्रधान, 'नो बैग डे' प्रभारी एवं शिक्षकों के माध्यम से उक्त गतिविधियों का सदुपयोग 'नो बैग डे' कार्यक्रम के प्रभावी एवं रोचक संपादन हेतु करें।
2. 'नो बैग डे' कार्यक्रम की निर्देशिका का आवश्यक रूप से अध्ययन करें एवं 'नो बैग डे' कार्यक्रम की गतिविधियाँ शिविरा पंचांग के अनुसार आयोजित की जाएँ। यदि पंचांग में किसी विशेष गतिविधि का उल्लेख है तो उसे प्राथमिकता देते हुए संबंधित शनिवार को सम्मिलित किया जाए। शिविरा पंचांग में दिए गए विशेष उत्सव, जयंती व पर्व का आयोजन उस सप्ताह के शनिवार को आयोजित 'नो बैग डे' कार्यक्रम की गतिविधियों में समाहित करते हुए किया जाए।
3. 'नो बैग डे' कार्यक्रम हेतु स्टाफ मींटिग का आयोजन जुलाई माह के प्रथम सप्ताह में करें।
4. **'नो बैग डे' कार्यक्रम हेतु प्रभारियों की नियुक्ति -**
   - संस्था प्रधान 'नो बैग डे' कार्यक्रम प्रभारी एवं सह प्रभारी नियुक्त करें जो 'नो बैग डे' कार्यक्रम की समस्त गतिविधियों का समन्वय करेंगे एवं गतिविधि आयोजन के समस्त उत्तरदायित्वों का निर्वहन करेंगे।
   - थीम प्रभारी - 'नो बैग डे' कार्यक्रम की पाँच थीम हैं। प्रत्येक थीम हेतु एक थीम प्रभारी नियुक्त करें जो संबंधित थीम में रूचि रखता हो या थीम विशेषज्ञ हो।
   - समूह प्रभारी की नियुक्ति- 'नो बैग डे' कार्यक्रम निर्देशिका के अनुसार पाँच समूह है- 1. अंकुर 2. प्रवेश 3. दिशा 4. क्षितिज 5. उन्नति। प्रत्येक समूह हेतु एक समूह प्रभारी और एक सह समूह प्रभारी नियुक्त करें जो संबंधित कक्षाओं के कक्षाध्यापक हो। यदि शिक्षकों की पर्याप्त उपलब्धता है तो 'नो बैग डे' कार्यक्रम प्रभारी एवं थीम प्रभारी को समूह प्रभारी एवं सह समूह प्रभारी नियुक्त नहीं करें।
5. सप्ताह के प्रारंभ में ही शनिवार को आयोजित होने वाली 'नो बैग डे' कार्यक्रम की गतिविधियों के बारे में समस्त विद्यार्थियों एवं स्टॉफ को प्रार्थना सभा में ही अवगत करवाएं। 'नो बैग डे' कार्यक्रम गतिविधियों के वार्षिक योजना का फलेक्स तैयार कर विद्यालय परिसर में चस्पा करवाएँ।
6. 'नो बैग डे' कार्यक्रम की गतिविधियों में श्रेष्ठ कार्य करने वाले शिक्षक और विद्यार्थियों को 'नो बैग डे' कार्यक्रम प्रभारी की अनुशंसा पर शनिवारीय कार्यक्रम, प्रार्थना सभा या वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में सम्मानित करें।

'नो बैग डे' कार्यक्रम प्रभारी, सह प्रभारी, थीम प्रभारी, समूह प्रभारी एवं सह समूह प्रभारी हेतु -

1. कार्यक्रम प्रभारी इनकी सूचना प्रपत्र-अ के रूप में 'नो बैग डे' कार्यक्रम के रजिस्टर में संधारित करेंगे। 'नो बैग डे' कार्यक्रम प्रभारी थीम प्रभारियों के सहयोग से जुलाई के द्वितीय सप्ताह के प्रथम कार्य दिवस तक 'नो बैग डे' कार्यक्रम की वार्षिक कार्य योजना तैयार करेंगे, जिसका संस्था प्रधान द्वारा अनुमोदन करवाएँ। प्रत्येक माह के प्रथम सोमवार को वार्षिक कार्ययोजना के अनुरूप मासिक कार्ययोजना प्रपत्र-ब में तैयार करवाएँ।
2. शनिवार को आयोजित होने वाली 'नो बैग डे' कार्यक्रम की गतिविधियों के बारे में उस सप्ताह के प्रारंभ में ही समस्त विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को प्रार्थना सभा में अवगत करवा दें।
3. थीम प्रभारी एवं समूह प्रभारी के सहयोग से 'नो बैग डे' कार्यक्रम के आयोजन के बाद प्रतिवेदन तैयार करवाकर थीमवार पोर्टफोलियो तैयार करें, जिसे सत्रांत कार्यालय में जमा करवाएँ। प्रतिवेदन में गतिविधियों के आयोजन से संबंधित सुझाव लिखें जिससे आगामी गतिविधियों को श्रेष्ठ बनाया जा सके।

4. मासिक योजना में निर्धारित कालांश, समय एवं स्थान के अनुसार गतिविधियों का आयोजन कर समूह प्रभारी एवं थीम प्रभारी संयुक्त रूप से प्रतिवेदन तैयार कर 'नो बैग डे' प्रभारी को प्रस्तुत करें। 'नो बैग डे' कार्यक्रम प्रभारी संकलित प्रतिवेदन के आधार पर गतिविधि का संख्यात्मक डाटा तैयार कर शाला दर्पण मॉड्यूल में अपडेट करेंगे। संबंधित थीम प्रभारी थीम के अनुसार पोर्टफोलियो का निर्माण करेंगे, प्रत्येक पोर्टफोलियो थीम आधारित होगा। कार्यक्रम प्रभारी समस्त प्रतिवेदनों को संबंधित थीम के पोर्टफोलियो में संधारित करेंगे एवं सभी गतिविधियों से प्राप्त चार्ट/मॉडल/सर्वेक्षण प्रपत्र/वीडियो/फोटोग्राफ्स आदि जो गतिविधि के होने को प्रमाणित करें की सॉफ्ट या हार्ड कॉपी सत्र पर्यन्त संरक्षित व सुरक्षित रखी जाए।
5. 'नो बैग डे' कार्यक्रम की गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के नाम संस्था प्रधान को प्रस्तावित करें।
6. गतिविधियों के आयोजन के बाद विद्यालय के शिक्षकों से फीडबैक लेना सुनिश्चित करें एवं आयोजित गतिविधियों को शिक्षण कार्य से जोड़ें।
7. 'नो बैग डे' कार्यक्रम के आयोजन के बाद आयोजन की सूचना शालादर्पण पोर्टल पर अपलोड करें।
8. गतिविधि प्रारंभ करने से पूर्व विद्यार्थियों के ध्यानाकर्षण हेतु छोटी-छोटी ऊर्जावान गतिविधि करवाया जाना सुनिश्चित करेंगे जैसे-
   - शिक्षक नमस्कार बोलेगा तो विद्यार्थी नमस्ते कहेंगे (2–3 बार पुनरावृति)।
   - ताली अथवा चुटकी बजाना।
   - व्यायाम करवाना। जैसे- हाथ ऊपर उठाकर दाएँ-बाएँ हिलाना, सिर को दाएँ अथवा बाएँ तरफ झुकाना आदि।

'नो बैग डे' कार्यक्रम की गतिविधियों को आयोजित करने हेतु सामान्य जानकारी-

- 'नो बैग डे' कार्यक्रम निर्देशिका में दी गई गतिविधियों के लिंक/क्यूआर कोड को स्कैन कर सहायता ली जा सकती है। इस निर्देशिका में दी गई गतिविधियाँ आधार मात्र हैं। इसके अतिरिक्त गतिविधियों का चयन शिक्षक अपने स्व-विवेक या ऑनलाइन सर्च करके भी सुनिश्चित कर सकते हैं। गतिविधि के चयन के पश्चात् एवं सम्मिलित करने से पूर्व शिक्षक विद्यालय के संस्था प्रधान से अनुमोदन अवश्य करवा लें।
- गतिविधियों में मानवीय मूल्यों जैसे- करुणा, दया, प्रेम एवं सहयोग आदि के साथ-साथ नैतिक मूल्यों जैसे - ईमानदारी, सहिष्णुता, सदाचार, देशप्रेम, राष्ट्रभक्ति आदि को भी विकसित किए जाने के उद्देश्यों को समाहित करें।
- गतिविधियों का आयोजन करते समय गतिविधि की विषयवस्तु में स्थानीय रीति-रिवाज, कुरीति उन्मूलन, उत्सव एवं सांस्कृतिक धरोहर आदि को समाहित करें।
- 'नो बैग डे' कार्यक्रम को रोचक बनाने हेतु नवीन गतिविधियों को समय, स्थान एवं परिस्थितियों के अनुकूल जोड़ें।
- पाठ्यपुस्तकों में दी गई गतिविधियाँ भी सम्मिलित की जा सकती हैं।
- गतिविधियों के लिए समूह अथवा उपसमूह लिंग या कक्षा-स्तर के आधार पर नही बनाएँ।
- 'नो बैग डे' कार्यक्रम के दौरान निर्मित श्रेष्ठ कलाकृतियाँ/मॉडल/पोस्टर/क्राफ्ट को प्रदर्शित करने हेतु 3H Corner बनाए जाएँ।
- **निर्देशिका की समस्त गतिविधियाँ अपनी सुविधा एवं स्थानीय परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए पूर्ण करवानी है साथ ही गतिविधियों से संबंधित दस्तावेज का संधारण करना अनिवार्य है।**

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	नो बैग डे गतिविधियाँ	पृष्ठ संख्या
1	जुलाई, 2025	1
2	अगस्त, 2025	13
3	सितंबर, 2025	28
4	अक्टूबर, 2025	39
5	नवंबर, 2025	45
6	दिसंबर, 2025	60
7	जनवरी, 2026	69
8	फरवरी, 2026	80
9	मार्च, 2026	94
10	अप्रेल, 2026	106
11	संलग्नक 1 (आउटडोर खेल गतिविधियाँ)	122
12	संलग्नक 2 (मॉनिटरिंग प्रपत्र)	125

जुलाई 2025

थीम - आओ राजस्थान को जानें

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'रंग भरो गतिविधि' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों को गतिविधि के माध्यम से राजस्थान के भौतिक प्रदेशों से परिचित करवाना।

आवश्यक सामग्री - राजस्थान का प्राकृतिक मानचित्र/मॉडल, मानचित्र (रिक्त), रंग आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक गतिविधि से पूर्व राजस्थान के प्राकृतिक मानचित्र के बारे में अच्छे से अध्ययन कर लें जिससें गतिविधि के समय विद्यार्थियों को निर्देशित करने में समस्या न हो।
- विद्यार्थियों की संख्यानुसार मानचित्र अवश्य रखें।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक सर्वप्रथम राजस्थान के प्राकृतिक मानचित्र/मॉडल को दीवार पर प्रदर्शित करेंगे तथा विद्यार्थियों के साथ राजस्थान के भौतिक प्रदेश के बारे में चर्चा करेंगे।
- तत्पश्चात् शिक्षक विद्यार्थियों को भौतिक प्रदेशों के बारे में बताएँगे तथा राजस्थान का मानचित्र प्रदान करेंगे।
- अब विद्यार्थी राजस्थान के मानचित्र में भौतिक प्रदेश के अनुरूप रंग भरेंगे।
- गतिविधि के अंत में शिक्षक विद्यार्थियों से राजस्थान के प्राकृतिक मानचित्र के बारे में चर्चा करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों की राजस्थान के भौतिक प्रदेशों के बारे में समझ बन सकेगी।

अन्य गतिविधि

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम – 'बूँद-बूँद से सागर: संसाधन बचाओ, समाज सजाओ' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य –

- विद्यार्थियों को संसाधनों (जैसे -जल, बिजली, कागज) की महत्ता समझाना।
- विद्यार्थियों को संसाधनों की बचत नागरिक शिष्टाचार का एक रूप बताना।

आवश्यक सामग्री- सूखी पत्तियाँ, कागज, संसाधन की बचत के कुछ चित्र, पुराने समाचार पत्र या कागज, रंगीन पेंसिल/क्रेयॉन, चार्ट पेपर, गोंद, कैंची (यदि उपलब्ध हो), मिट्टी या पत्तियाँ (स्थानीय पर्यावरण से) आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- शिक्षक ध्यान दे कि सभी विद्यार्थी इस गतिविधि में अच्छे से भागीदारी कर रहे है या नहीं और साथ ही संवाद को बढ़ावा दें।
- कोलाज में उपयोग होने वाली सभी सामग्री को पहले से एकत्र कर लें।

- स्थानीय उदाहरण (जैसे – नदी का सूखना, बिजली बंद हो जाना, स्कूल में पानी का दुरुपयोग) देकर विषय को जोड़ें।

गतिविधि के चरण-

- शिक्षक विद्यार्थियों से अलग-अलग संसाधनों की बात करें जैसे - बिजली, पानी और प्रकृति।
- शिक्षक विद्यार्थियों के साथ इनके महत्त्व पर बात करें और पूछें यदि हमारे गाँव में बिजली, पानी या प्रकृति नहीं होते तो क्या होता ?
- शिक्षक बड़े समूह में इस पर चर्चा करें और कुछ उदाहरण साझा करें।
- इसके पश्चात् शिक्षक विद्यार्थियों को छोटे छोटे समूह में बाँट दें और प्रत्येक समूह को एक थीम दें जैसे-
  1. पानी नहीं होता तो क्या होता ?
  2. बिजली नहीं होती तो क्या होता ?
  3. पेड़ - पौधे नहीं होते तो क्या होता ?
- प्रत्येक समूह को उनके थीम पर एक चित्र कोलाज बनाने के लिए कहें।
- कक्षा 1-2 के लिए विद्यार्थियों को कहें कि वे चित्र बनाएँ, पत्तियाँ चिपकाएँ, पुराने कागज से चीजे बनाएँ।
- जैसे सूखे पेड़ का चित्र चिपकाएँ, खाली बाल्टी बनाएँ, अंधेरा घर दिखाएँ। शिक्षक सहायता करें, किंतु विद्यार्थियों को सोचने दें।
- विद्यार्थियों को पुराने कागजों, सूखी पत्तियों, चित्रों से एक कोलाज बनाना है जो दिखाए कि यदि यह संसाधन नहीं होते तो गाँव कैसे दिखते ?
- प्रत्येक समूह से एक प्रस्तुतीकरण करवाएँ एवं बताएँ कि वह ये संसाधनों की बचत कैसे कर सकते हैं ?
- शिक्षक गतिविधि का समापन एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका को स्पष्ट रूप से बताते हुए करें और एक चार्ट पेपर पर संसाधनों की बचत कैसे करें इसकी सूची बनाएँ।

सीखने के प्रतिफल-

- विद्यार्थी संसाधनों की बचत के महत्त्व को समझ पाएँगे।
- रचनात्मक अभिव्यक्ति और समूह में कार्य करने की क्षमता में वृद्धि हो पाएगी।
- विद्यार्थियों में आलोचनात्मक सोच - क्यों बचाना आवश्यक है को विकसित किया जा सकेगा।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम – 'क्या कहता है हमारा शरीर' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य –

- विद्यार्थियों में शरीर की संवेदनाओं की पहचान बनाना।
- विद्यार्थियों में आत्म-जागरुकता और आत्म-अन्वेषण को प्रोत्साहित करना।

आवश्यक सामग्री - ब्लैक बोर्ड, संवेदनाओ की एक सूची या चार्ट, रंगीन पेंसिल आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक उदाहरण या परिस्थितियों की सूची तैयार कर लें जो गतिविधि में सहायक हो।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक सभी विद्यार्थियों को एक गोल घेरे में बैठाकर ध्यान की स्थिति में पीठ और गर्दन सीधी करने तथा साँसों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए निर्देश देंगे।
- इसके पश्चात् शिक्षक विद्यार्थियों से पूछेंगे कि उन्हें साँस का नाक से अंदर जाना और मुँह से छोड़ना ये कैसी संवेदनाएँ पैदा कर रहा है - ठंडा, गर्म, गुदगुदी आदि।
- कुछ उदाहरण के साथ शिक्षक संवेदनाओं और भावनाओं पर संवाद से समझ विकसित करेंगे जैसे - चोट लगने पर कैसा लगता है, बाहर धूप में कैसा लगता है आदि।
- शिक्षक सभी संवेदनाएँ और भावनाएँ बोर्ड पर लिख देंगे।
- शिक्षक विद्यार्थियों को छोटे समूह में अभ्यास के दौरान हुए अनुभव पर चिंतन करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। जैसे नींद आने पर, भूख लगने पर, तेज आवाज सुनके, खेल खेलने पर कौन सी संवेदनाएँ और भावनाएँ अनुभव होती हैं ?
- गतिविधि के अंत में शिक्षक चर्चा करेंगे कि विद्यार्थियों ने अपने शरीर के बारे में क्या सीखा और उन्हें क्या नया लगा ?

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में विभिन्न संवेदनाओं और भावनाओं को पहचान करने की दक्षता का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थी संवेदनाओं को व्यक्त करने और साझा करने में सक्षम हो सकेंगे।

थीम - भाषाई समझ से अभिव्यक्ति की ओर

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2)

गतिविधि का नाम - 'कहानी वाचन और चित्र निर्माण' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में सुनकर समझने की क्षमता एवं रचनात्मकता का विकास करना।
- विद्यार्थियों में गतिविधि के माध्यम से पुस्तकों से जुड़ाव बढ़ाना।

आवश्यक सामग्री - चित्र कहानी, पुस्तक, पेंसिल, पेपर, रंग आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक सर्वप्रथम कहानी का वाचन कर कहानी का भावार्थ विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत करें।
- शिक्षक स्वयं पेड़-पौधों एवं पक्षियों का चित्र बनाकर विद्यार्थियों को गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रेरित करें।

गतिविधि के चरण -

- सभी विद्यार्थियों को गोल घेरे में बैठाकर शिक्षक पुस्तकालय से किसी एक कहानी की पुस्तक को चित्रों एवं हाव-भाव के साथ सुनाएगा।
- शिक्षक कहानी सुनाने के बाद बातचीत के माध्यम से सभी विद्यार्थियों के निजी अनुभवों को कहानी की घटनाओं से जोड़ेगा।

- इसके बाद शिक्षक प्रत्येक विद्यार्थी को पुस्तकालय से एक चित्रात्मक कहानी की पुस्तक देकर उन्हें उस पुस्तक से अपनी पसंद का कोई भी एक चित्र बनाने का निर्देश देगा।
- गतिविधि के अंत में सभी विद्यार्थी अपने द्वारा बनाए गए चित्र के बारे में कक्षा में बताएँगे।

सीखने के प्रतिफल

- विद्यार्थियों में सुनकर समझने की क्षमता एवं रचनात्मकता का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में पुस्तकों के प्रति जुड़ाव बढ़ सकेगा।

समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'जंगल की कहानी' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में सुनकर समझने की क्षमता एवं रचनात्मक विकास करना।
- विद्यार्थियों का पुस्तकों से जुड़ाव बढ़ाना।

आवश्यक सामग्री - जंगली जानवरों के मुखौटे/कुछ पेपर, रंग एवं कैंची आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक सर्वप्रथम कहानी का वाचन कर कहानी का भावार्थ विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत करें तथा विभिन्न जानवरों के मुखौटें बनाकर भी रख सकते हैं।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक एवं विद्यार्थी मिलकर अलग-अलग जानवरों जैसे - शेर, खरगोश, बंदर, भालू तथा कुछ अन्य जानवरों के मुखौटे तैयार करेंगे। (यह मुखौटे ABL-Kit में भी उपलब्ध हैं।)
- शिक्षक विद्यार्थियों को जंगली जानवरों के मुखौटें पहनाकर अभिनय करवाएँगे।
- **कहानी -** जंगल का राजा शेर सभी जानवरों की सभा बुलाता है और कहता है कि रामू खरगोश के बच्चे दो दिन से लापता हैं। शेर लापता जानवरों की तलाश सभी जानवरों को मिलकर करने के लिए कहता है। जानवर जंगल में चारो तरफ बच्चों की तलाश करते है। कालू कौए को बच्चे मिल जाते हैं। भूख प्यास के मारे उनका बुरा हाल था। हिरण बच्चों को घास खिलाता है और पानी पिलाता है। रामू खरगोश अपने बच्चों को देखकर खुश हो जाता है और सभी जंगलवासियों को धन्यवाद देता है।

- शिक्षक प्रश्न - उत्तर द्वारा गतिविधि को आगे बढ़ाता है।
    a. जंगल के कौन-कौन से जानवरों एवं पक्षियों ने खरगोश के बच्चों को खोजा होगा ?
    b. यदि सभी जानवर एवं पक्षी खरगोश के बच्चों को नहीं खोजते तो क्या हो सकता था ?
    c. सहभागिता के साथ काम करने के क्या -क्या लाभ हैं ?

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में सुनकर समझने के कौशल का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में पुस्तकों के प्रति जुड़ाव बढ़ने से पढ़ने में रुचि का विकास हो सकेगा।

अन्य गतिविधि (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'खिलौनों की दुनिया' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में खिलौनों के माध्यम से कृत्रिम बुद्धिमत्ता की समझ बनाना।
- विद्यार्थियों में गतिविधि के माध्यम से कृत्रिम बुद्धिमत्ता की दैनिक जीवन में उपयोगिता समझाना।

आवश्यक सामग्री - रिमोट से चलने वाले खिलौनें (यदि उपलब्ध हो तो), रिमोट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले उपकरण के चित्र, कागज, पेंसिल, रबर, रंग इत्यादि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक रिमोट से चलने वाले खिलौनें (यदि उपलब्ध हो तो), रिमोट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले उपकरण के चित्र का संकलन कर लें।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित उपकरणों के चित्र, वीडियो, रिमोट से चलने वाले खिलौनें (यदि उपलब्ध हो तो) इत्यादि दिखाते हुए आपस में चर्चा करेंगे।

जैसे - आपने इनको कहाँ देखा हैं।

- इसके पश्चात् शिक्षक विद्यार्थियों को कागज, पेंसिल, रबर, रंग इत्यादि सामग्री प्रदान करें तथा विद्यार्थी को चित्र दिखाते हुए वैसे चित्र बनवाएँगे।
- विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए चित्रों को कक्षा-कक्ष में प्रदर्शित करवाएगा।
- गतिविधि के अंत में शिक्षक चित्रों के माध्यम से विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित वस्तुओं के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले खिलौनों के बारे में समझ का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में दैनिक जीवन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की उपयोगिता को समझने का कौशल विकसित हो सकेगा।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'आसपास के स्पर्श से शांति' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में स्पर्श के माध्यम से संवेदनाओं की समझ विकसित करना।
- विद्यार्थियों में स्पर्श के माध्यम से शरीर और दिमाग को मुश्किल स्थिति में शांत करने का कौशल विकसित करना।

आवश्यक सामग्री - ब्लैक बोर्ड, चार्ट, कागज, पेंसिल आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक कुछ उदाहरण या परिस्थितियों की सूची तैयार कर लें जो गतिविधि में सहायक हो।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों को स्पर्श से शांत होने की कुछ प्रक्रिया साथ में करने का निर्देश देंगे। जैसे जमीन को छूना, टेबल को छूना, खड़े होकर जमीन को स्पर्श करना, पत्ते को छूना, घास को स्पर्श करना आदि।

नोट – शिक्षक विद्यार्थियों को अनुशासित रखें।

- इसके पश्चात् शिक्षक निम्नलिखित प्रश्न पूछे -
  आपको प्रत्येक प्रक्रिया में कौनसी संवेदना अनुभव हुई ?
  कौनसी प्रक्रिया आपको रोचक लगी और कौनसी नहीं ?
- विद्यार्थी एक कागज पर रोचक लगने और न लगने वाली प्रक्रियाओं चित्र बना लेंगे या उसे लिख लेंगे।
- शिक्षक विद्यार्थियों को रोचक लगने वाली प्रक्रियाएँ करने और निम्नलिखित प्रश्न पर साझा करने का निर्देश देंगे -
  - क्या उन्हें अच्छी लगने वाली प्रक्रिया (स्पर्श) से शांति लग रही है ?
  - कौनसी संवेदना अनुभव हो रही है ?
  - इसके अतिरिक्त क्या कोई और वस्तु है जो विद्यार्थियों को शांति प्रदान करती है ?
- गतिविधि के अंत में शिक्षक विद्यार्थी को जो स्पर्श उन्हें रोचक लगा उसका अवलोकन करने और निजी जीवन में उसे उपयोग करने का निर्देश देंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में स्पर्श से शांति प्रदान की तकनीकों की पहचान एवं उन्हें अपनी दिनचर्या में सम्मिलित करने की समझ विकसित हो सकेगी।
- विद्यार्थियों में आत्म-नियंत्रण को बढ़ाने का तकनिकी कौशल विकसित हो सकेगा।

थीम- स्वस्थ राजस्थान-सशक्त राजस्थान

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'साथ मिलकर बनाएँ' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

- विद्यार्थियों की रचनात्मकता को बढ़ावा देना।

- विद्यार्थियों में टीम वर्क और सहयोग की भावना विकसित करना।
- विद्यार्थियों में व्यावहारिक निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ावा देना।

आवश्यक सामग्री - (प्रत्येक समूह के लिए)- चार्ट पेपर या A3 शीट, रंगीन पेंसिल / क्रेयॉन / स्केच पेन, ग्लू, कैंची, स्क्रैप पेपर, पुरानी पत्र-पत्रिकाएँ, स्टीकर, बटन, रिबन आदि सजावटी वस्तुएँ

शिक्षक हेतु निर्देश -

- विद्यार्थियों को 4 से 5 समूह में बाँटे।
- विद्यार्थियों के प्रत्येक समूह को एक विषय एवं उससे संबंधित सामग्री दें।
- विद्यार्थियों को समूह में कार्य करने हेतु प्रेरित करें।
- शिक्षक विद्यार्थियों को रचनात्मक विचार देकर प्रोत्साहित करें।

गतिविधि के चरण -

- विद्यार्थियों को 4 से 5 समूह में बाँटकर प्रत्येक समूह को उनके विषय से संबंधित सामग्री देंगे।
- विद्यार्थी मिलकर एक चित्र, कोलाज या चार्ट पेपर तैयार करेंगे।
- प्रत्येक समूह से एक विद्यार्थी अपनी टीम के कार्य को प्रस्तुत करेगा।
- शिक्षक सभी समूहों की सराहना करते हुए मुख्य बातों को समझाएँगे।
- शिक्षक प्रत्येक समूह के विद्यार्थियों को अपने प्रदर्शन के लिए उचित पारितोषिक प्रदान करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों को आत्म-अभिव्यक्ति के अवसर प्राप्त हो सकेंगे।
- विद्यार्थियों में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित हो सकेगी।
- विद्यार्थियों में नेतृत्व, समन्वय कौशल के गुण परिलक्षित हो सकेंगे।
- विद्यार्थी सहभागिता के साथ आनन्ददायी शिक्षण प्राप्त कर सकेंगे।

एक भारत श्रेष्ठ भारत

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'राजस्थान और असम के स्थानीय खेल' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को राजस्थान एवं असम राज्य के स्थानीय खेलों के बारे में जानकारी प्रदान करना।
- विद्यार्थियों को खेलों के महत्त्व के बारे में समझाना।

आवश्यक सामग्री - सतोलिया- सात गोल चपटे पत्थर, एक कपड़े की गेंद आदि।

टेकली भोंगा - लकड़ी की छडी, अनुपयोगी मिट्टी के बर्तन, आँख पर बाँधने के लिए पट्टी आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- सर्वप्रथम शिक्षक राजस्थान एवं असम राज्य के स्थानीय खेलों के इतिहास एवं महत्त्व के संबंध में अध्ययन कर लें एवं इन खेलों की सूची बना लें।
- स्थानीय खेलों से संबंधित नियमावली एवं खेलने के तरीकों के बारे में जानकारी प्राप्त कर लें तथा आवश्यकतानुसार खेलों का एक बार स्वयं अभ्यास कर लें।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक सर्वप्रथम उपलब्धतानुसार प्रोजेक्टर, कंप्यूटर, टेलीविजन, मोबाइल आदि के माध्यम से विद्यार्थियों को दोनों खेलों के वीडियो दिखाएँगे। यदि उक्त सामग्री ना हो तो शिक्षक स्वयं करके दिखा सकते है।
- वीडियो देखने के पश्चात् सतोलिया और टेकली भोंगा की विशेषताओं को बताएँगे तथा इन्हें किस प्रकार खेला जाता है स्पष्ट करेंगे।
- विद्यार्थियों की सभी प्रकार की जिज्ञासा को शांत करने के पश्चात् उनको दोनों खेलों को बारी-बारी से खेल मैदान में खिलाएँगे।
- गतिविधि के अंत में शिक्षक खेलों के महत्त्व के संबंध में चर्चा करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी दोनों राज्यों के लोक खेलों के बारे में जानकारी से अवगत हो सकेंगे।
- विद्यार्थियों में विविधता में एकता की भावना का विकास हो सकेगा।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'पहचाने अपनी ऊर्जा' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों को ऊर्जा के तीन स्तर (कम ऊर्जा, ठीक-ठीक ऊर्जा, और ज्यादा ऊर्जा) के बारे में जागरुक करना।

आवश्यक सामग्री - ब्लैक बोर्ड, तीनों स्तर का चार्ट, रंगीन पेंसिल आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक गतिविधि से पहले कविता को नोटबुक में नोट कर लें।
- शिक्षक कुछ उदाहरण या परिस्थितियों की सूची तैयार कर लें जो गतिविधि में सहायक हो।
- गतिविधि से पूर्व शिक्षक एक चार्ट बना लें जिसमें तीन स्तर - कम ऊर्जा, ठीक-ठीक ऊर्जा और ज्यादा ऊर्जा लिखे हो।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक रेल की पटरी के उदाहरण से तीन स्तर की समझ विकसित करेंगे। जैसे रेल की पटरी से ट्रेन यदि रास्ता भटक जाए तो दुर्घटना हो सकती है वैसे ही हमारी ऊर्जा को पटरी यानि (ठीक स्तर) में रखना आवश्यक है।
- शिक्षक कविता को हाव-भाव के साथ पढ़ेंगे और प्रत्येक कविता के अंश के पश्चात् निम्नलिखित प्रश्न पूछेंगे -
  चुलबुली की ऊर्जा कैसी है- कम, ज्यादा या ठीक-ठीक ?
- इसके पश्चात् किसी विद्यार्थी को बुलाकर उसे ऊर्जा के चार्ट पर एक बिंदी चिपका कर दिखाने को कहेंगे जो चुलबुली कि ऊर्जा दर्शाता है। बाकी सभी विद्यार्थी से भी पूछेंगे कि क्या वे इससे सहमत है या कुछ बदलना चाहते है ?

चलो चलो देखो चुलबुली
हँसती खेलती खुशी में डूबी
अचानक से किसी ने उसे बुलाया
दौड़ के गयी चुलबुली
साँस हुई तेज, थक गयी चुलबुली

चलो चलो देखो चुलबुली
आगे उसे जामुन दिखे
20 जामुन पेट में गए
खूब मजे में देखो चुलबुली

आगे उसे साँप दिखा
बल से चिल्लाई, डर गयी चुलबुली
देखो कैसे धड़कन बड़ी
चलो चलो देखो चुलबुली
मित्र के घर गयी पता चला
मित्र तो कही दूर गया
उदास हो गयी चुलबुली

घर पहुँची उसे भूख थी लगी
झट झट खाना खाकर लेट गयी
पेट भरा मन मस्त हुआ
देखो कैसे चली चुलबुली

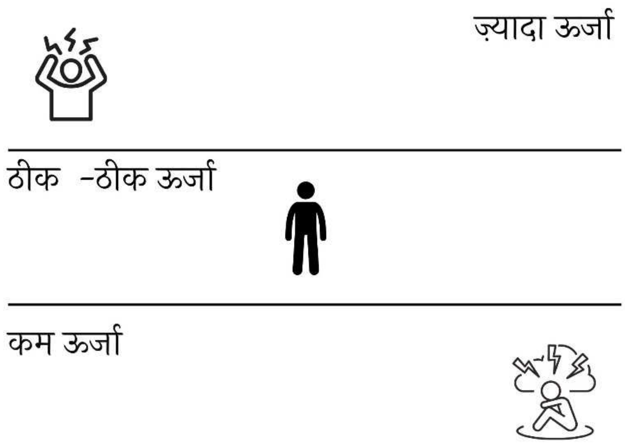

- गतिविधि के अंत में शिक्षक चर्चा करेंगे कि कैसे हम अलग-अलग ऊर्जा पूरे दिन में अनुभव करते हैं।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी ऊर्जा के तीन स्तरों को पहचानने और उन्हें वर्गीकृत करने में सक्षम हो सकेंगे।

थीम - खेल-खेल में विज्ञान

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1 -2)

गतिविधि का नाम - 'कबाड़ से जुगाड़' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में कागज के कचरे का निस्तारण एवं उससे उपयोगी सामग्री बनाने के संबंध में समझ बनाना।
- विद्यार्थियों में रचनात्मकता बढ़ाना।

आवश्यक सामग्री - कागज, अखबार, पुरानी रद्दी, जल, मेथी पाउडर, मुल्तानी मिट्टी आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक विद्यार्थियों को एक सप्ताह पूर्व से पुराने अखबार-रद्दी आदि को एकत्र कर एक पात्र में रखकर पानी से भिगोने के लिए कहें।

- शिक्षक विद्यार्थियों को यह बताएँ कि हमारे आसपास मिट्टी से क्या-क्या वस्तुएँ बना सकते हैं।

गतिविधि के चरण -

- सर्वप्रथम विद्यार्थी भीगे हुए कागज को निकाल कर उसमें कुछ गेहूँ का भूसा, मेथी पाउडर एवं मुल्तानी मिट्टी डालकर अच्छी तरह से मथ या गुथ लें।
- इसके बाद बनी लुगदी से वे शिक्षक के निर्देशानुसार एवं सहायता से विभिन्न प्रकार के पात्र/ खिलौने आदि बनाएँगे।
- गतिविधि के अंत में शिक्षक बनाए गए पात्रो के बारे में चर्चा करेंगे तथा उनके उपयोग पर बातचीत करेंगे।
- सभी विद्यार्थियों के द्वारा बनाए गए खिलौनों एवं वस्तुओं को कक्षा में प्रदर्शित करेंगे।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थियों में कागज के कचरे से उपयोगी सामग्री निर्माण के कौशल का विकास हो सकेगा।

समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3 -5)

गतिविधि का नाम - 'बीजों की पहचान' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों में विभिन्न फसलों के बीजों के बारे में समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री - विभिन्न प्रकार के बीज (गेहूँ, चना, मक्का, बाजरा, मूंग, जौ, मूँगफली) इत्यादि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

शिक्षक गतिविधि से पूर्व प्रमुख फसलों के बीज एकत्र कर लें तथा गतिविधि एक बार विद्यार्थियों को करके जरुर दिखाएँ जिससें विद्यार्थी गतिविधि अच्छे से कर पाएँ।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों को सर्वप्रथम बीज उपलब्ध करवाकर उन्हें स्वयं तोड़कर बताएँगा कि उनमें से कौनसी एक भाग वाली फसल है और कौनसी दो भाग वाली (दलहनी) फसल हैं।
- इसके पश्चात् शिक्षक विद्यार्थियों को समूह में बीज देकर उन्हें एक भाग वाली और दो भाग वाली फसल में वर्गीकृत करने को कहेगा।
- विद्यार्थी समूह में प्राप्त बीजों को कुछ देर पानी में भीगो देंगे उसके बाद उन्हें लेकर उनके भागों को अलग करने का प्रयास करेंगे और एक भाग वाले और दो भाग वाले बीजों को अलग करके शिक्षक के सामने प्रस्तुत करेंगे।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी एक भाग वाली और दो भाग वाली फसलों के बीजों को पहचान सकेंगे और उनमें अंतर कर सकेंगे।

अन्य/विशिष्ट गतिविधि (निपुण भारत)

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम – 'कहानी का खजाना: ढूँढो, पढ़ो और बताओ!' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य –

- विद्यार्थियों में पुस्तकों के प्रति रुचि विकसित करना।
- विद्यार्थियों को कहानी, कविता और चित्र-पुस्तकों से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों को समूह में मिलकर पढ़ना, सुनना और समझना सिखाना।
- विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति कौशल को बढ़ाना।

आवश्यक सामग्री – चित्रों वाली छोटी कहानियाँ, कविताएँ और बाल पुस्तकों का संग्रह, रंगीन टोकरियाँ/बॉक्स जिन पर टैग लगे हों, कहानी, कविता, जानवरों की बातें, परियों की दुनिया, कहानी के पात्रों के मुखौटे या चित्र, चार्ट पेपर, स्केच पेन, रंगीन कागज आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश –

- विद्यार्थियों को रंगीन किताबें दिखाकर पुस्तकालय का परिचय देंवे।
- सरल भाषा में प्रश्न पूछें:
  आपको कौन-कौन सी कहानियाँ पसंद हैं ?
  क्या आपने कभी परियों की कहानियाँ सुनी है ?
- कहानी और कविता में अंतर समझाएँ (चित्रों और हावभाव से)।
- बच्चों को बताएँ कि पुस्तकें हमारी मित्र हैं जो हमें नई बातें सिखाती हैं।

गतिविधि के चरण –

- विद्यार्थियों को विभिन्न समूहों में विभाजित करें।
- प्रत्येक समूह को एक पर्ची दी जाएगी जिसमें एक कहानी या कविता का नाम लिखा होगा (जैसे: ढूँढो वह पुस्तक जिसमें खरगोश है, या परी उड़ रही है नीले आसमान में)
- बच्चे पुस्तकालय में उस पुस्तक को ढूँढेंगे और संबंधित बॉक्स में रखें।
- प्रत्येक समूह संबंधित पुस्तक की कहानी/कविता को कक्षा में मातृ भाषा मे प्रस्तुत करे और अपने सहपाठियों को बताएँ कि -
  इस कहानी/कविता में मुझे सबसे अच्छा क्या लगा।
  अगर मैं वह जानवर/परी होता/होती, तो क्या करता/करती।

सीखने के प्रतिफल –

- विद्यार्थी किताबों से मित्रता कर पाएँगे।
- विद्यार्थियों में चित्रों, कहानियों और कविताओं के माध्यम से भाषा और कल्पना शक्ति विकसित हो पाएगी।

- विद्यार्थियों में सुनने, समझने और बोलने की क्षमता का विकास हो पाएगा।
- विद्यार्थियों में समूह में कार्य करने और विचार साझा करने की आदत को बढ़ावा मिल सकेगा।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - '5, 4, 3, 2, 1'   60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में ध्यान देने के कौशल को विकसित करना।
- ज्ञानेन्द्रियों की समझ विकसित करना।

आवश्यक सामग्री - ब्लैक बोर्ड, पेंसिल आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक कुछ उदाहरण या परिस्थितियों की सूची तैयार कर लें जो गतिविधि में सहायक हो।

गतिविधि के चरण -

- सर्वप्रथम शिक्षक ध्यान देना और अवलोकन करना क्या होता है उसकी समझ एक उदाहरण के माध्यम से बनाएँगे। जैसे ये दीवार है - ये सफेद दीवार है, ये खुरदरी दीवार है आदि।

- इसी तरह प्रत्येक विद्यार्थी सभी ज्ञानेन्द्रियों की सहायता से आसपास की चीजो का अवलोकन करेंगे।

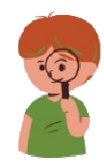

- विद्यार्थी क्लास के बाहर जाकर कोई पाँच चीजो को देखेंगे (पेड़, आसमान), कोई चार वस्तुओं का स्पर्श करेंगे (घास, जमीन), कोई तीन आवाज को सुनेंगे (पक्षी, घंटी), कोई दो चीजे सूँघेंगे (मिट्टी, रबर) और कोई एक वस्तु को चखेंगे (पानी)।
- नोट- 1.शिक्षक प्रत्येक प्रक्रिया के बाद छोटे समूह में चिंतन करने और कोई उदाहरण देकर विद्यार्थियों को प्रेरित करेंगे। कक्षा 1-2 के विद्यार्थियों पर शिक्षक सूँघने एवं चखने की प्रकिया के दौरान विशेष ध्यान देंगे।
- गतिविधि के अंत में शिक्षक पाँच ज्ञानेन्द्रियों- आँख, कान, नाक, त्वचा और जिह्वा। इन सभी पर समझ विकसित करेंगे और अवलोकन करने में ये कैसे सहायक होते है, इस पर चर्चा करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में इस गतिविधि के माध्यम से ध्यान का कौशल विकसित हो सकेगा।
- विद्यार्थी ज्ञानेन्द्रियों की समझ और अवलोकन में अनुप्रयोग की समझ बना सकेंगे।

अगस्त 2025

थीम- आओ राजस्थान को जानें

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2)

गतिविधि का नाम - 'पहचानो कौन ? (पशु-पक्षी)' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को स्थानीय परिवेश के संदर्भ से राजस्थान के विभिन्न पशु-पक्षियों (जैसे- ऊँट, चिंकारा, गाय, बकरी, गोडावन इत्यादि) के बारे में पहचान करवाना।

आवश्यक सामग्री - प्रोजेक्टर, स्थानीय परिवेश में पाए जाने वाले पशु-पक्षियों के चित्र आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक गतिविधि पूर्व प्रोजेक्टर अथवा स्थानीय परिवेश में पाए जाने वाले पशु-पक्षियों के चित्र का संकलन सभी विद्यार्थियों को स्पष्ट रूप से दिखाएगा।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों से स्थानीय परिवेश में देखे गए पशु-पक्षियों पर चर्चा करेंगे।
- शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों को अपने आसपास पाए जाने वाले पशु-पक्षियों के अलग-अलग चित्रों को दिखाया जाएगा।
- शिक्षक पशु-पक्षियों की आवाज निकालकर या अभिनय करेंगे।
  (शिक्षक विद्यार्थियों को भी मंच पर बुलाकर उनके द्वारा भी अभिनय या आवाज निकलने की गतिविधि करवा सकते हैं)
- शिक्षक प्रत्येक अभिनय या आवाज की प्रस्तुति के बाद पशु-पक्षी का नाम विद्यार्थियों से पूछेंगे साथ ही यह भी पूछेंगे कि आपने इन्हें कहाँ देखा हैं ?
- गतिविधि के अंत में शिक्षक महत्त्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों का राजस्थान के संदर्भ में विभिन्न पशु-पक्षियों की पहचान करने का कौशल विकसित हो सकेगा।
- विद्यार्थियों की राजस्थान के संदर्भ में विभिन्न पशु-पक्षियों के बारे में अपनी समझ विकसित हो सकेगी।

समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'चित्र बनाओ-रंग भरो (पशु-पक्षी)' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्याथियों को स्थानीय परिवेश के संदर्भ से राजस्थान के विभिन्न पशु-पक्षियों (जैसे -ऊँट, चिंकारा, गाय, बकरी, गोडावन इत्यादि) के बारे में और उनकी उपयोगिता/विशेषताओं के बारे में जानकारी प्रदान करना।

आवश्यक सामग्री – सफेद कागज, पेंसिल, स्केच पेन/ पेंसिल कलर/ मोम कलर इत्यादि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक गतिविधि से पूर्व विद्यार्थियों के नामांकन अनुरूप सफेद कागज के साथ उनमें रंग भरने के लिए आवश्यक सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों को पशु-पक्षियों के चित्र बनाने के लिए सफेद कागज देंगे।
- विद्यार्थी पेंसिल के माध्यम से पशु-पक्षियों के चित्र बनाएँगे तथा चित्रों में रंग भरेंगे।
- शिक्षक विद्यार्थी द्वारा बनाए गए चित्रों पर चर्चा करेंगे।
  (जैसे- उनकी विशेषताएँ और हमारे लिए उनकी उपयोगिता)

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों की राजस्थान के संदर्भ में विभिन्न पशु -पक्षियों की पहचान का कौशल विकसित हो सकेगी।
- विद्यार्थियों की राजस्थान के संदर्भ में विभिन्न पशु-पक्षियों की उपयोगिता/ विशेषताओं के बारे में समझ विकसित हो सकेगी।

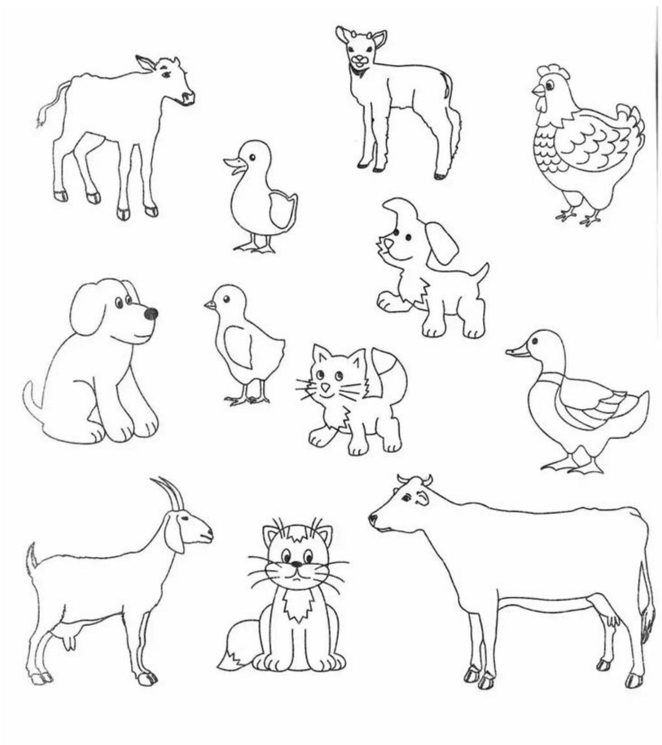
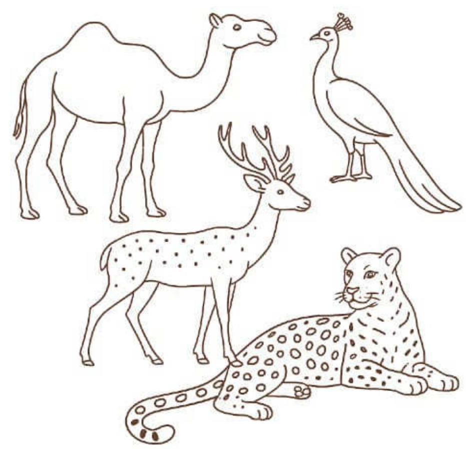

अन्य गतिविधियाँ (निपुण भारत)

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - ज्यादा क्या ?   🕒 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में कम-ज्यादा के बारे में समझ बनाना।
- विद्यार्थियों में संख्या पूर्व अवधारणाओं के बारे में जानना।

आवश्यक सामग्री - कुछ छोटे-बड़े कंकड़ तथा कुछ पत्तियाँ आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक गतिविधि से पूर्व संबंधित आवश्यक जानकारी विद्यार्थी को देंगे।
- शिक्षक स्थानीय परिवेश के अनुसार आवश्यक सामग्री एवं गतिविधि का आयोजन करावें।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों को विद्यालय परिसर से कुछ कंकड़ एवं पत्तियाँ एकत्र करके लाने को कहेंगे और इस कार्य के लिए 10 मिनट का समय देंगे।
- इन पत्तियों एवं कंकड़ों को लाने के बाद सभी विद्यार्थियों से अंदाजा लगाने को कहेंगे कि वे कितने पत्थर लाए हैं। इस बीच कुछ पत्तियों एवं कुछ पत्थरों का ढेर लगा देंगे और विद्यार्थियों से पूछेंगे कि दोनों में से क्या ज्यादा लग रहा है।
- इसके बाद सभी विद्यार्थी अपने-अपने द्वारा लाए गए पत्थरों को गिनेंगे और अपने अनुमान से उसका मिलान करेंगे।
- इस गतिविधि के पश्चात् शिक्षक विद्यार्थियों से उनका उत्तर जानेंगे।
- तत्पश्चात् शिक्षक विद्यार्थियों के बीच एक पत्ती पर एक पत्थर रखते जाएँगे और विद्यार्थियों को सामूहिक रूप से गिनती गिनने को कहेंगे। अंत में पत्थर या पत्ती जो बचेगी वहीं ज्यादा मानी जाएगी।

सीखने के प्रतिफल-

- विद्यार्थियों में पूर्व संख्या अवधारणाओं (एक-एक की संगति) का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में कम-ज्यादा के बारे में समझ बन सकेगी।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'शांत होने के आठ तरीकें' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को विभिन्न तरीकों से स्व-जागरुकता और आत्म -नियंत्रण की सीख देना।
- विद्यार्थियों को शरीर और दिमाग को शांत करने के विभिन्न तरीकों की समझ विकसित करना।

आवश्यक सामग्री - ब्लैक बोर्ड, संवेदनाओ की सूची, चार्ट, रंगीन पेंसिल, बिंदी का पैकेट (एक रंग) आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक कुछ उदाहरण या परिस्थितियों की सूची तैयार कर लें जो गतिविधि में सहायक हो।
- आठ तरीकों का चार्ट-तकनीक और उसका चित्र तैयार कर लें।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों को निम्नलिखित तरीकों के एक-एक अनुभव करने का निर्देश देंगे।
- सभी विद्यार्थी एक बार अनुभव करेंगे-
  - एक गिलास पानी धीरे-धीरे पिएँ। (गीला, ठंडा)
  - कोई भी छः रंगों को देखें।

- 10 तक विपरीत गिनती गिनें।
- अपने आस पास कोई दीवार, टेबल या किसी वस्तु की सतह को छूए और तापमान का अवलोकन करें।
- एक हाथ से दूसरे हाथ को दबाएँ या रगड़े।
- धीरे-धीरे चलें, अपने पैरों के नीचे की संवेदना अनुभव करें।
- कोई एक वस्तु पर ध्यान दें जो आपका ध्यान आकर्षित करता है किसी दीवार का सहारा लेकर खड़े हो जाए।

➢ प्रत्येक अनुभव के पश्चात् शिक्षक इन प्रश्नों पर चर्चा करेंगे।

➢ आपको अनुभव के दौरान कौनसी संवेदना अनुभव हो रही है ? (ठंडा, गर्म, गुदगुदी, कंपन)।

➢ आपको अनुभव के पश्चात् कैसा लग रहा है- अच्छा, ठीक-ठीक या अच्छा नहीं ? इन तीनो में अपने अनुभव का वर्गीकरण करें।

➢ गतिविधि के अंत में शिक्षक विद्यार्थियों को स्टेशन चार्ट पर बिंदी चिपकाने का निर्देश देंगे जो उनके शरीर और दिमाग को शांत करने में लाभदायक है।

सीखने के प्रतिफल -

➢ विद्यार्थी विभिन्न संवेदनाओं को पहचानने और उन्हें वर्गीकृत करने में सक्षम होंगे।

➢ विद्यार्थी समझ पाएँगे कि कौन-सा तरीका उनके शरीर और दिमाग को शांत करने में लाभदायक हैं।

थीम- भाषाई समझ से अभिव्यक्ति की ओर

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'लेबलिंग' (नामांकित करना) 🕒 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

➢ विद्यार्थियों को अंग्रेजी के शब्दों से परिचित होना।

➢ विद्यार्थियों द्वारा दैनिक जीवन में अंग्रेजी के शब्दों का प्रयोग करना।

आवश्यक सामग्री - चॉक, चार्ट पेपर, स्केच पेन, टेप आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक कक्षा-कक्ष में उपलब्ध वस्तुएँ जैसे- दरवाजा, खिड़की, टेबल, कुर्सी, बोर्ड आदि वस्तुओं को रिम पेपर या चार्ट शीट पर लिखकर तैयार कर लें।

गतिविधि के चरण -

➢ गतिविधि की आरंभ में शिक्षक प्रत्येक विद्यार्थी को कागज की छोटी-छोटी पर्चियाँ देंगे।

➢ शिक्षक विद्यार्थियों से उनके आसपास की किसी एक वस्तु जैसे- टेबल, कुर्सी, बोर्ड या बैग का नाम बताने के लिए कहेंगे।

➢ शिक्षक इन वस्तुओं के नाम अंग्रेजी में बोर्ड पर लिखते रहेंगे। प्रत्येक विद्यार्थियों को यह याद रखने का निर्देश दिया जाएगा कि उनकी वस्तु कहाँ लिखी है।

- विद्यार्थियों को लेबल बनाने के लिए दी गई कागज की पर्ची पर उस वस्तु का नाम लिखने के लिए कहा जाएगा जिसे उन्होंने सूचीबद्ध किया है।
- शिक्षक और विद्यार्थी इन लेबलों को कक्षा की वस्तुओं पर चिपकाएँगे तथा विद्यार्थी उनको पढ़ते रहेंगे।

सीखने के प्रतिफल

- विद्यार्थी अपने आसपास की वस्तुओं के अंग्रेजी शब्दों को पहचान सकेंगे।
- विद्यार्थियों में अंग्रेजी के शब्दों के उपयोग करने की क्षमता का विकास हो सकेगा।

विशिष्ट गतिविधि

जीवन है अनमोल (सड़क सुरक्षा हेतु एक सकारात्मक पहल)

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'सड़क सुरक्षा' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों को सड़क पर चलते समय सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी प्रदान करना।

आवश्यक सामग्री - चालक, सवार, यातायात पुलिस, पैदल यात्री इत्यादि की भूमिकाओं में विद्यार्थी।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक यातायात से संबंधित चार्ट तैयार करें।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यालय में निम्नलिखित विषयों पर विद्यार्थियों से रोल प्ले करवाएँगे -
  - दुर्घटना से रखनी दूरी है, हेलमेट सबसे आवश्यक है।
  - सड़क पर एक लापरवाही, पूरे परिवार की तबाही।
  - ट्रैफिक नियमों को मत समझो लगाम, यह तुम्हारे जीवन की सुरक्षा का है पैगाम।
  - जहाँ भी हो ट्रैफिक का जंजाल, कभी न करें मोबाइल का उपयोग।
  - सड़क पर रखना शिष्टाचार, सुखी-सुरक्षित जीवन का है आधार।
- शिक्षक रोल प्ले में बताएँ गए सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने हेतु विद्यार्थियों को जागरुक करेंगे।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी सड़क सुरक्षा के नियमों से परिचित होंगे तथा उनके प्रति जागरुक हो सकेंगे।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'स्पर्श गतिविधि वस्तुओं के साथ' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को वस्तुओं की विभिन्न गुणवत्ता को समझने में सहायता प्रदान करना।
- विद्यार्थियों की स्पर्श संवेदनशीलता को बढ़ाना और उनके संवेदनात्मक अनुभवों को पहचानना।

आवश्यक सामग्री -

- कपड़े, गद्दे, खिलौने।
- पेड़ या पौधे की टहनी और कक्षा के बाहर की वस्तुएँ।
- रेत का कागज, दीवार, ब्लैक बोर्ड का डस्टर, बैठने की दरी, कील और काँटा।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- सभी आवश्यक सामग्री को एकत्र करें और इन वस्तुओं के अलावा भी उपयुक्त वस्तु आप चुन सकते हैं।
- ध्यान रखें कि कक्षा 1 एवं 2 के समूह में ये गतिविधि शिक्षक की उपस्थिति में हो जिससें विद्यार्थियों को कोई हानि न पहुंचे।

गतिविधि के चरण -

- **स्पर्श द्वारा वस्तुओं की पहचान**
  - विद्यार्थियों को मुलायम कपड़े, गद्देदार सतह और खिलौनों को छूने दें और उनसे पूछें कि यह स्पर्श कैसा अनुभव हो रहा है: मुलायम, चिकना, कठोर, आरामदायक।
  - विद्यार्थियों को बाहर की चीजे जैसे पेड़, पौधे, पत्ते, टहनी, मिटटी, पत्थर को छूने दें और उनसे पूछें कि यह स्पर्श कैसा अनुभव हो रहा है: सामान्य, कठोर, तटस्थ।
  - विद्यार्थियों को खुरदरी या नुकीली वस्तुएँ, ठंडी या गर्म धातु को छूने के लिए कहें ओर उनसे पूछें कि यह स्पर्श कैसा अनुभव हो रहा है ?
- **स्पर्श गुणवत्ता द्वारा वस्तुओं का वर्गीकरण** - विद्यार्थियों से कहें कि वे सभी वस्तुओं को उनकी स्पर्श गुणवत्ता के आधार पर निम्नलिखित तीन स्पर्श में व्यवस्थित करें |
  - **सुखद स्पर्श:** मुलायम और आरामदायक वस्तुएँ।
  - **तटस्थ स्पर्श:** सामान्य और कठोर वस्तुएँ।
  - **असुविधाजनक स्पर्श** : खुरदरी, ठंडी, गर्म या नुकीली वस्तुएँ।

नोट- यह कुछ उदाहरण है, हो सकता है कुछ विद्यार्थियों को खुरदरा स्पर्श सुखद या तटस्थ लगे।

- **स्पर्श संवेदनाओं का विश्लेषण**
  - विद्यार्थियों से प्रत्येक वस्तुओं को छूने के बाद उनके अनुभव साझा करने के लिए कहें।
  - विद्यार्थियों से पूछें कि उनके लिए कौन सी वस्तुएँ कैसा अनुभव करवा रहे थे ?

- विद्यार्थियों को यह समझाने में सहायता करें कि विभिन्न स्पर्श संवेदनाएँ किस प्रकार से अलग-अलग होती हैं और उनका क्या प्रभाव होता है ?

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों की संवेदनशीलता, ज्ञान और समझ में वृद्धि हो सकेगी।
- विद्यार्थी विभिन्न स्पर्श संवेदनाओं और उनके प्रभावों को समझने में सक्षम हो सकेंगे।

थीम- स्वस्थ राजस्थान-सशक्त राजस्थान

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम – चित्रों से सीखें-अच्छा और बुरा व्यवहार 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को अच्छे और बुरे नागरिक शिष्टाचार की पहचान कराना।
- विद्यार्थियों में व्यावहारिक निर्णय लेने की क्षमता को बढा□वा देना।
- सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों को सरल भाषा एवं चित्रों के माध्यम से सिखाना।

आवश्यक सामग्री - ABL किट , अच्छे और बुरे व्यवहार दिखाने वाले चित्रों के कार्डस, प्रिंटेड पिक्चर्स, हरे और लाल रंग के फ्लेशकार्डस (बच्चों के उत्तर के लिए), व्हाइट बोर्ड, चार्ट पेपर, पेंसिल और आवश्यकतानुसार चित्रों के उदाहरण।

शिक्षकों हेतु निर्देश-

- शिक्षक एक-एक चित्र का प्रदर्शन विद्यार्थियों के सम्मुख करें।
- शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों से पूछा जाए कि कौनसा व्यवहार अच्छा है और कौनसा बुरा ?
- शिक्षक विद्यार्थियों से उनके उत्तर का कारण भी पूछे।

गतिविधि के चरण-

- शिक्षक ABL किट के माध्यम से एक-एक चित्र को कक्षा में विद्यार्थियों को दिखाएँगे।
- ABL किट से अच्छे और बुरे व्यवहार के कार्ड का प्रदर्शन यादृच्छिक रूप से करेंगे।
- शिक्षक द्वारा प्रत्येक विद्यार्थी से उत्तर जानने का प्रयास किया जाएगा।
- प्रत्येक सही उत्तर पर शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों की प्रशंसा की जाएगी।
- शिक्षक द्वारा अंत में अच्छा व्यवहार अपनाना, शिष्टाचार से घर, स्कूल, देश को सुन्दर बनाने का संदेश दिया जाएगा।

सीखने के प्रतिफल

- विद्यार्थियों में शिष्ट व्यवहार अपनाने के गुण विकसित हो पाएँगे।
- विद्यार्थियों में सहभागिता की भावना का विकास हो पाएगा।
- विद्यार्थियों में अपनापन, मानवीय मूल्यों का विकास हो सकेगा।

विशिष्ट गतिविधि

सुरक्षित स्कूल, सुरक्षित राजस्थान (असुरक्षित स्पर्श के विरुद्ध जागरुकता)

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2)

गतिविधि का नाम - 'स्पर्श की पहचान' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों में स्पर्श की समझ विकसित करना।

आवश्यक सामग्री - गुलाब के फूल, टहनी, साफ और गंदा कपड़ा एवं अन्य सामग्री आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक सर्वप्रथम विद्यार्थियों को कोमल एवं खुरदरी स्पर्श वाली वस्तुओं को बोर्ड पर अलग-अलग लिखे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों को कविता सुनाएँगे और विद्यार्थी भी शिक्षक के साथ कविता का दोहरान करेंगे।
- शिक्षक विद्यार्थियों से निम्नलिखित संवाद करेंगे -

  आपको गर्मी के दिनों में कूलर और AC की हवा अच्छी लगती है मगर जैसे ही आप बाहर निकलते हैं तो गर्म हवा आपको अच्छी नहीं लगती। उसी तरह कुछ वस्तुओं का स्पर्श आपको अच्छा लगता है और कुछ का बुरा, आप बताइए आपको किस वस्तु को छूना अच्छा लगता है और आप किस वस्तु को बार-बार छूना पसंद करते हैं ?
- शिक्षक विद्यार्थियों द्वारा बताई गई वस्तुओं, व्यक्तियों, जानवरों आदि के नाम बोर्ड पर लिखते जाएँगे और बताने वाले विद्यार्थियों के नाम लिखेंगे।
- शिक्षक उन विद्यार्थियों को अपने पास बुलाएँगे जिन्होंने अभी तक कुछ भी नहीं बताया। अब उन्हें दो समूह में बाँटेंगे। एक समूह को बुलाकर फूल का स्पर्श करवाएँगे और दूसरे को गुलाब की टहनी का स्पर्श करवाएँगे। फिर दोनों समूहों की प्रतिक्रिया को जानेंगे।
- इसी प्रकार एक समूह को साफ कपड़े और दूसरे समूह को गंदे कपड़े का स्पर्श करवाकर उनकी प्रतिक्रिया जानेंगे।
- गतिविधि के आधार पर शिक्षक विद्यार्थियों से यह बात करेंगे कि कुछ स्पर्श हमें अच्छे लगते हैं वहीं कुछ स्पर्श हमें अच्छे नहीं लगते। ऐसे किसी भी असहज स्पर्श की स्थिति में उन्हें अपने माता-पिता या शिक्षक से बात करनी चाहिए।

सीखने के प्रतिफल -विद्यार्थी सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्श की पहचान करने में समर्थ हो सकेंगे।

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'फीलिंग गेम' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में स्पर्श की समझ विकसित करना।
- विद्यार्थियों में सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श की समझ को विकसित करना।

आवश्यक सामग्री - पेपर एवं पेंसिल आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक सर्वप्रथम विद्यार्थियों को प्रोजेक्टर के माध्यम से सुरक्षित स्पर्श एवं असुरक्षित स्पर्श में अंतर को समझाएँ।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों को दो पेपर दिए जाएँगे जिस पर विद्यार्थी दो प्रकार के चेहरें बनाएँगे-हँसता हुआ और दु:खी दिखता हुआ।
- शिक्षक कुछ अच्छे लगने वाले और कुछ बुरे लगने वाले अनुभवों की सूची बनाएँगे और विद्यार्थियों से एक-एक कर साझा करेंगे। अच्छे वाक्य लगने पर विद्यार्थी हँसता हुआ दिखाएँगे और बुरा लगने पर दु◌ः:खी वाला।
  जैसे -
  a. आज मम्मी आपके लिए चॉकलेट ल◌ेकर आई।
  b. आपके मित्र से आपकी लड़ाई हो गई।
- शिक्षक विद्यार्थियों को फिर बताएँगे की जैसे कुछ होने पर अच्छा-बुरा अनुभव होता है वैसे ही किसी स्पर्श पर भी हमें अच्छा या बुरा अनुभव हो सकता है।

पूरे सत्र के पश्चात् याद रखने योग्य बिंदू --

- सुरक्षित स्पर्श की जानकारी।
- असुरक्षित स्पर्श को कैसे पहचाने ?
- असुरक्षित स्पर्श से सावधान रहने के गुर (टिप्स)।
- यदि आप असुरक्षित अनुभव कर रहे हैं तो क्या करें ?
- इस पूरे विषय से संबंधित महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ।

नोट-- इस दिन पूरे राजस्थान में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक कक्षाओं हेतु प्रशिक्षित राजकीय शिक्षकों/अधिकारियों एवं अन्य स्वयं सेवकों द्वारा एक साथ कार्यक्रम आयोजित किये जाएँगे। आप अपने यहाँ प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षक भी तैयार रखें।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'खास तरह का भोजन' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य – विद्यार्थियों में भोजन के समय सजगता को विकसित करना।

आवश्यक सामग्री - बिस्किट्, खाने की वस्तुएँ जो आसानी से उपलब्ध हो, ब्लैक बोर्ड आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक ये सुनिश्चित कर लें कि खाने की वस्तु सभी के लिए उपलब्ध हो और वे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नहीं हो।
- वर्तमान क्षण में आने के कुछ तरीकें गतिविधि से पूर्व सोच लें।

गतिविधि के चरण -

- विद्यार्थियों को 'ध्यानपूर्वक' कार्य करने का अर्थ और महत्त्व समझाएँ जैसे– कोई भी कार्य करते समय उस पर अपना पूरा ध्यान लगाने से हम वर्तमान क्षण में रहते है और वो कार्य उत्कृष्टता से पूर्ण कर पाते है।
- इसके पश्चात् भोजन का अभ्यास शुरू करें और निम्नलिखित निर्देश विद्यार्थियों को दें -

बिस्किट्ो को अपने मुँह के पास रखें, लेकिन अभी इसे न खाएँ। बस इसे देखें। इसे सूँघें।

बिस्किट्ो का एक छोटा सा टुकड़ा लें। इसे तुरंत निगलें नहीं। यह कैसा लगता है ? स्वाद कैसा है ? आवाज कैसी है ?

भावना का वर्णन करें -

स्वाद का वर्णन करें -

ध्वनि का वर्णन करें -

- शिक्षक बीच-बीच में खाने और इस अनुभव पर ध्यान लगाने के लिए कहेंगे।
- इसके पश्चात् शिक्षक संवेदना पर चर्चा कर सकते है, विद्यार्थी सुखद या तटस्थ अनुभव कर रहे है या कोई और संवेदना अनुभव कर रहे है ?

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी अपनी इंद्रियों का अधिकतम उपयोग करके अपने अनुभवों को गहराई से अनुभव कर सकेंगे।
- इस अभ्यास से विद्यार्थियों में ध्यान केंद्रित करने की क्षमता, आत्म-नियंत्रण और मानसिक स्पष्टता में सुधार हो सकेगा।

थीम- खेल-खेल में विज्ञान

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2)

गतिविधि का नाम - 'पेड़ के विभिन्न भाग' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों को पेड़ के विभिन्न भागों की पहचान करवाना।

आवश्यक सामग्री - कुछ पौधे।

शिक्षक हेतु निर्देश- शिक्षक कुछ पौधों को उखाड़ कर समूह में विद्याथियों को उपलब्ध करवाकर उसके भागों को अलग करने को कहें। उदाप्रत्येकणार्थ- जड़, तना, पत्तियाँ, फूल, फल आदि।

गतिविधि के चरण -

- विद्यार्थी समूह में प्राप्त पौधे के भागों को अलग करेंगे।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी पौधों के विभिन्न भागों को पहचान सकेंगे और उनमें अंतर कर सकेंगे।

समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - पेड़ के विभिन्न भाग (अभिनय) 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य - विद्यार्थियों को पेड़ के विभिन्न भागों की पहचान करवाना।

आवश्यक सामग्री - पौधे के विभिन्न भागों को प्रदर्शित करती फेंसी ड्रेस/फल, फूल, जड़, तना, पत्ती लगी ड्रेस आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश- विद्यार्थी पौधे के विभिन्न भागों के अनुसार तैयार होकर मंच पर आकर अपने बारे में बताएँ। जैसे- मैं हूँ जड़। मैं पौधे के सभी भागों को पानी और खनिज लवण उपलब्ध करवाती हूँ और पौधे को सीधा खड़ा रखती हूँ।

गतिविधि के चरण -

- सर्वप्रथम विद्यार्थी शिक्षक के निर्देशानुसार पौधे के विभिन्न भागों के नाम से तैयार होंगे।
- विद्यार्थी मंच पर आकर अपने बारे में विस्तार से बताएँगे।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी पौधों के विभिन्न भागों को पहचान सकेंगे और उनके कार्यों के बारे में विस्तार से जान सकेंगे।

विशिष्ट गतिविधि (निपुण भारत)

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - चुटकी-ताली (आओ संख्याओं को जानें) 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- इकाई-दहाई की समझ से संख्या का ज्ञान होना।
- बोली गई संख्या नाम को पहचान के साथ ज्ञान होना।
- संख्या निर्माण की समझ का ज्ञान होना।

आवश्यक सामग्री -

- 1 से 50 तक संख्या कार्ड, अक्रमिक तरीके से 1 से 50 तक संख्या चार्ट आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश-

- शिक्षक बच्चों को दो समूह में विभाजित कर लें।
- 1 से 50 तक संख्या कार्ड ABL किट से लेकर रख लें।
- चार्ट शीट पर अक्रमिक तरीके से 1 से 50 तक संख्या लिखकर कक्ष में प्रदर्शित कर लें।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक सभी बच्चों को गोल घेरे में बैठाकर बातचीत करें कि हम आज संख्याओं का खेल खेलेंगे।
- खेल खेलने के लिए बच्चों को दो समूह में विभाजित करेंगे।
- विद्यार्थियों को खेल का नाम (चुटकी-ताली) बताते हुए नियमों कि जानकारी देंगे कि एक चुटकी बजाने का अर्थ एक इकाई एवं एक ताली बजाने का अर्थ एक दहाई यानि 10 इकाई।
- शिक्षक दो-तीन संख्या के कार्ड उठाएँगे एवं कार्ड में आई संख्या को चुटकी-ताली खेल के द्वारा निर्माण करके बताएँगे एवं विद्यार्थी उस संख्या के नाम को बताएँगे।

- बच्चों को निर्देश दें कि एक समूह चुटकी-ताली बजाते हुए संख्या निर्माण करें एवं दूसरा समूह संख्या नाम बताते हुये चार्ट में संख्या पहचान कर बताएँगे।
- शिक्षक श्यामपट्ट पर दोनों समूह के लिए पॉइंट टेबल बना कर अंक देते रहेंगे।
- शिक्षक खेल को लेकर बच्चों के अनुभव जानते हुए समेकन करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में संख्याओं का दैनिक जीवन में उपयोग करने की क्षमता का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में संख्या निर्माण की समझ बन पाएँगी।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'शरीर के अंगो को पहचाने' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को शारीरिक तनाव की पहचान और प्रबंधन करना सिखाना।
- विद्यार्थियों में शरीर के विभिन्न हिस्सों में संवेदनाओं को अनुभव करने और उन्हें व्यक्त करने की क्षमता विकसित करना।

आवश्यक सामग्री - कागज, रंगीन पेंसिल, संवेदना की सूची आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक गतिविधि पूर्ण संवेदनाओं की सूची चित्र के साथ तैयार कर लेंगे और उसे चार्ट या ब्लैक बोर्ड पर लिख देंगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक ये अभ्यास किसी मैदान में या कक्षा के बाहर करवा सकते है।
- इसके पश्चात् सभी विद्यार्थी पहले अपने हाथ ऊपर की ओर खीचेंगे, फिर नीचे झुकेंगे और शरीर को नीचे की ओर खीचेंगे और अंत में शरीर ढीला छोड़ देंगे। शिक्षक ऐसे और अभ्यास करा सकते हैं।
  नोट - कक्षा 1-2 के विद्यार्थियों पर शिक्षक शारीरिक अभ्यास के दौरान विशेष ध्यान देवें।
- विद्यार्थी अब शरीर के उस अंग को देखने को कहेंगे जहाँ उन्हें अभ्यास के दौरान तनाव अनुभव हो रहा है। जैसे– घुटने के नीचे, कंधों में आदि।

शिक्षक निम्नलिखित बिंदुओं का उपयोग कर निर्देश दे सकते है -

- तनाव वाले उस क्षेत्र को चुनें, जहाँ आप खिंचाव या मालिश करना चाहते हैं।
- आपको अपने शरीर में क्या संवेदनाएँ अनुभव होती हैं ? (खिचाव, भारीपन, कंपन)
- शिक्षक अब विद्यार्थियों को उस शरीर के भाग को खीचने या हल्के से मालिश करने के लिए कहेंगे।
- शिक्षक विद्यार्थियों से निम्नलिखित प्रश्नों से समझ बना सकते है -
  - अब कैसी संवेदना अनुभव हो रही है ?
  - क्या कोई अंतर अनुभव हुआ ? (हल्का, ढीला, ठंडा)
- विद्यार्थी मानव शरीर का चित्र बनाएँगे और उस भाग में रंग भरेंगे या निशान लगा सकते है जहाँ उन्हें संवेदना अनुभव हुई।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में स्वयं देखभाल की भावना बढ़ सकेगी।
- विद्यार्थियों में आत्म-जागरुकता और शारीरिक तनाव की पहचान एवं प्रबंध करना सीख सकेंगे।

बाल सभा - मेरे अपनों के संग

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'समस्या-समाधान '

गतिविधि के उद्देश्य - अपनी कक्षा की समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया को जानना।

आवश्यक सामग्री - पेन, पेंसिल, चार्ट आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक गतिविधि का अभ्यास एक बार स्वयं करके दिखाएँ।

गतिविधि के चरण -

- विद्यार्थी अपनी कक्षा की किसी बड़ी समस्या की खोज करेंगे जिससे अधिकांश विद्यार्थी प्रभावित हैं, उनकी सूची बनाएँगे।
- विद्यार्थी खोजी गई समस्या को दो तरह से वर्गीकृत करेंगे। (स्वयं के प्रयासों द्वारा समाधान) (विद्यालय प्रशासन द्वारा समाधान) समाधानों पर विचार विमर्श कर उसके कारणों एवं प्रभावों को जानते हुए उचित समाधानों को ढूँढ़ेंगे। इस चरण में समाधान ढूँढ़ने के बाद विद्यार्थी शिक्षक से उस समाधान पर विचार-विमर्श कर सकते हैं।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी अपने आसपास की समस्याओं की पहचान कर पाएँगे।
- विद्यार्थी शिक्षक के साथ विमर्श करते हुए समस्याओं को हल करने की समझ विकसित कर पाएँगे।

अन्य गतिविधि (एक भारत श्रेष्ठ भारत)

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम – राजस्थान और असम के पर्यटन स्थल 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

- विद्यार्थी राजस्थान और असम राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों, पर्यटन उद्योग, प्राकृतिक संसाधनों के बारे में जान सकेंगे।
- विद्यार्थी पर्यटन के क्षेत्र में करियर विकल्पों के बारे में जान सकेंगे।

आवश्यक सामग्री - पर्यटन स्थलों की जानकारी वाली पुस्तकें एवं लेख, वीडियो, चित्र आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- सर्वप्रथम शिक्षक राजस्थान एवं असम राज्य के ऐतिहासिक स्थलों, सांस्कृतिक धरोहरों, प्राकतिक स्थलों एवं स्थानीय साहित्य की जानकारी प्राप्त कर लेंगे।

- शिक्षक गतिविधि से पूर्व दोनों राज्यों के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सूची बना लेंगे एवं आवश्यकतानुसार चित्र एवं वीडियो का संग्रह कर लेंगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक सर्वप्रथम उपलब्धतानुसार प्रोजेक्टर, कंप्यूटर, टेलीविजन, मोबाइल आदि के माध्यम से विद्यार्थियों को दोनों राज्यों के प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में वीडियो दिखाएँगे।
- वीडियो देखने के पश्चात् राजस्थान (हवामहल, अल्बर्ट हॉल, आमेर महल, मेंहरानगढ़, सोनार किला, उदयपुर, जयपुर आदि) और असम के प्रमुख पर्यटन स्थलों (कामख्या मंदिर, माजुली द्वीप, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान आदि) की विशेषताओं को बताएँगे।
- विद्यार्थियों की सभी प्रकार की जिज्ञासा को शांत करने के पश्चात् विद्यार्थियों को दोनों राज्यों के प्रमुख स्थलों की सूची बनाने के लिए तथा उनसे संबंधित बिंदु लिखने के लिए कहेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी दोनों राज्यों के सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक स्थलों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- विद्यार्थी में विविधता में एकता की भावना का विकास हो सकेगा।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - भावनाओं का चित्र बनाएँ 🕒 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों में विभिन्न भावनाओं को पहचानने की क्षमता विकसित करना।

आवश्यक सामग्री - भावनाओं का चार्ट (भावना का नाम और चित्र), कागज, रंगीन पेंसिल आदि।

भावनाओं के नाम
खुशी
दुःख
दया
डर
गुस्सा

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक गतिविधि से पूर्व भावनाओं का चार्ट चित्रों के साथ तैयार कर लेंगे।
- शिक्षक कुछ उदाहरण या परिस्थितियों की सूची तैयार कर लेंगे जो गतिविधि में सहायक हो।

- गतिविधि के लिए सभी भावनाओं (खुशी, उदासी, गुस्सा, डर, दया) से जुड़ी परिस्थितियों सोच लें जो विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त और लाभदायक हो।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक सभी विद्यार्थियों के साथ कुछ स्थिति और उदाहरण के माध्यम से भावनाओं पर समझ बनाएँगे। जैसे- उपकार मिलने पर खुशी होती है, चोट लगने पर उदासी होती है, कुछ न मिले तो गुस्सा आता है आदि।
- इसके पश्चात् सभी विद्यार्थी प्रत्येक भावना से संबंधित एक चित्र बनाएँगे।
- शिक्षक विद्यार्थी को चेहरे और शरीर दोनों की अभिव्यक्ति बनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे - आपका चेहरा और शरीर इस भावना को अनुभव करते समय कैसा दिखता है ?

- गतिविधि के अंत में शिक्षक भावनाओं के चार्ट के माध्यम से विद्यार्थियों के साथ साझा करेंगे कि उन्हें इस समय कैसा अनुभव हो रहा है और क्यों ? खुशी, उदासी, गुस्सा, डर एवं दया।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता में सुधार होगा, जिससे वे श्रेष्ठतर ढंग से अपनी और दूसरों की भावनाओं को समझेंगे।
- विद्यार्थियों में विभिन्न परिस्थितियों में भावनात्मक प्रबंधन की समझ का विकास हो सकेगा।

सितंबर 2025

थीम- आओ राजस्थान को जानें

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'चित्र बनाओ, रंग भरो (तीज, त्योहार और मेले)' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को राजस्थान की संस्कृति तीज-त्योहार और मेलों की समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री - कागज, पेंसिल, रबर, रंग आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक विद्यार्थियों को एकल/सामूहिक रूप से सृजनात्मक प्रस्तुति के अवसर प्रदान करें।
- शिक्षक अवलोकन करें और जहाँ आवश्यक हो विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करें।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों से स्थानीय त्योहार और मेलों के बारे में चर्चा करेंगे।
- विद्यार्थियों को त्योहार और मेलों के चित्र बनाने और उनमे रंग भरने के लिए कहेंगे।
- शिक्षक विद्यार्थियों से उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर चर्चा करते हुए बात करेंगे कि आपने त्योहार के चित्रों में रंग किस आधार पर भरा हैं। विद्यार्थियों से त्योहारों पर अनुभवों को जोड़ते हुए बात करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- राजस्थान की संस्कृति के संदर्भ में त्योहारों और मेलों के महत्त्व के विषय में विद्यार्थियों की समझ विकसित हो सकेगी।

विशिष्ट गतिविधि

(Say No to Tobacco - तंबाकू से बचाव की मुहिम)

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'तंबाकू सेवन के दुष्परिणाम ' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य - कविता के माध्यम से तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्परिणाम की समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री - तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्परिणाम का चार्ट, शीट, स्केच कलर , पेन्सिल आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक सर्वप्रथम तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्परिणाम की विद्यार्थियों को सामान्य जानकारी देंगे।

गतिविधि के चरण –

- शिक्षक विद्यार्थियों को कविता के माध्यम से तंबाकू से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे –

रोकनी होगी नशे की आदत,
सबको आगे हैं आना।
नशा है एक बहुत बुरी लत,
हमें नशा मुक्त भारत है बनाना।
हम सबका हैं यही सपना,
नशा मुक्त हो भारत अपना।
जीवन में अगर स्वस्थ है रहना,
तो नशे से हमें दूर हैं रहना।
अब हम सबने यह है ठाना,
नशे को जड़ से है मिटाना।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थियों में तंबाकू सेवन के दुष्परिणामों के प्रति जागरुकता उत्पन्न हो सकेंगी।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - आवश्यकताएँ और भावनाएँ 🕒 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में भावनाओं के बारे में समझ बनाना और उनका हमारी आवश्यकताओं के साथ संबंध जानना।
- विद्यार्थियों का दूसरों की आवश्यकताओं को समझना और उन्हें पूरा करने के तरीके सोचना।

आवश्यक सामग्री - कागज, पेंसिल, रंगीन पेंसिल आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक कुछ उदाहरण या परिस्थितियों की सूची तैयार कर लें जो गतिविधि में सहायक हो।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक निम्नलिखित प्रश्न से आरंभ करेंगे-
  - ❖ आपको खुश और सुरक्षित रहने के लिए किन वस्तुओं या लोगो की जरूरत पड़ती हैं ? (परिवार, खिलौने, पुस्तक, मित्र)
  - ❖ ऐसी कौनसी आवश्यकताएँ है जो हम सभी को चाहिए ? (खाना, पेड़, पानी)
- इसके पश्चात् शिक्षक स्वयं और दूसरों की आवश्यकताओं के उदाहरण के माध्यम से समझ बनाएँगे।
- विद्यार्थी छोटे समूह में स्वयं और दूसरों आवश्यकताओं को वर्गीकृत कर चित्र बनाएँगे।
- इसके पश्चात् शिक्षक भावना और जरूरत के संबंध पर समझ बनाएँगे-
  - ❖ यदि आपकी कोई आवश्यकता पूरी ना हो तो कैसा लगता है ? (भूख लगने पर खाना न मिले, खेलते समय मित्र न आए आदि।)
  - ❖ आपकी आवश्यकता कोई पूरी कर दें तो कैसा लगता है ? (माता-पिता कपड़े लाए, स्कूल में नई पुस्तकें मिलें आदि)

- गतिविधि के अंत में शिक्षक विद्यार्थियों को किसी परिवार या मित्र की एक आवश्यकता पूरा करने और भावनाओं का अवलोकन करने का निर्देश देंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में भावनाओं और आवश्यकताओं की समझ का निर्माण हो सकेगा।
- विद्यार्थी स्वयं और दूसरों की भावनाएँ समझ पाएँगे।

थीम- भाषाई समझ से अभिव्यक्ति की ओर

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2)

गतिविधि का नाम - 'थम्स अप - थम्स डाउन' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों में गतिविधि के माध्यम से सुनने के कौशल का विकास करना।

आवश्यक सामग्री - फ्लैश कार्ड, चार्ट, पेंसिल आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक गतिविधि से पूर्व आवश्यक प्रश्नों की सूची बना लेंगे।
- शिक्षक गतिविधि का एक बार अभ्यास कर लेंगे तथा गतिविधि की तैयारी कर लेंगे।

गतिविधि के चरण -

- सर्वप्रथम शिक्षक विद्यार्थियों को गोल घेरे में बैठाकर गतिविधि से संबंधित आवश्यक निर्देश देंगे तथा सही एवं गलत कथनों की सूची पढ़ेंगें। विद्यार्थी कथन को ध्यान से सुनेंगे और कथन की वैधता पर निर्णय लेंगे।
  यदि यह सच है, तो वे इसकी सराहना करेंगे, यदि यह गलत है, तो वे इसे अस्वीकार करेंगे।
  भाग्य श्री दुनिया की सर्वश्रेष्ठ शिक्षिका हैं- अंगूठे ऊपर (मैं केवल आशा कर सकता हूँ)।
- इस खेल को बड़े विद्यार्थियों के अनुरूप बदला जा सकता है - जिस पाठ्यक्रम या विषय पर आप काम करेंगे, उसके बारे में सही और गलत कथन पढ़ेंगे।
- गतिविधि के अंत में सभी विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को शांत करते हुए गतिविधि के महत्त्व पर चर्चा करेंगे।

सीखने के प्रतिफल - समझने के कौशल के साथ, सुनने के कौशल का भी विकास हो सकेगा।

समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - न्यूज चार्ट बनाना 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में रचनात्मक एवं मौखिक अभिव्यक्ति का विकास करना।

- विद्यार्थियों से समाचार एकत्र करवाना तथा प्रस्तुत करने का कौशल विकसित करना।

आवश्यक सामग्री - चार्ट पेपर, समाचार पत्र, पुरानी पत्रिकाएँ आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक अखबार एवं पत्रिकाओं की कुछ कटिंग एकत्र करके रखेंगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक कक्षा के सभी विद्यार्थियों को पाँच समूहों में विभाजित करेंगे तथा विद्यार्थियों को निर्देश देंगे कि हम अलग-अलग समाचारों को एक जगह रखकर बातचीत करेंगे।
- शिक्षक विद्यार्थियों को एक थीम (जैसे पानी/पृथ्वी/घाटी) के साथ चार्ट पेपर देंगे तथा विद्यार्थियों को निर्देश देंगे कि आप सभी को समूह में चार्ट शीट पर अलग-अलग समाचार को चिपकाना हैं।
- सभी समूह दी गई थीम पर एक रेखाचित्र बनाएँगे तथा उसे अलग-अलग रंगों के अखबार और पत्रिकाओं के छोटे-छोटे टुकड़ों का उपयोग करके भरेंगे।
- अंत में विद्यार्थी अपने समूह के कार्य को बड़े समूह में प्रस्तुत करेंगे तथा कुछ विद्यार्थी अपने-अपने घर या गाँव के किसी समाचार को लिखेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में विचार प्रस्तुतीकरण की कला विकसित होगी तथा मौखिक अभिव्यक्ति का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में समाचार सुनाने तथा समाचार लिखने के कौशल का विकास हो सकेगा।

विशिष्ट गतिविधि
(Be Smart - विद्यालयों में व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम)

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - स्टेज फ्राइट (मंच भय) को दूर करना 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में मंच पर जाने संबंधी भय को दूर करना।
- विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति में सुधार एवं प्रतिभाओं की खोज करना।

आवश्यक सामग्री - माइक एवं स्पीकर, कुछ स्क्रिप्ट आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक विद्यार्थियों को स्वेच्छा से प्रतियोगिता , गीत, नृत्य इत्यादि के माध्यम से मंच पर जाने के लिए प्रेरित करेंगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों से प्रार्थना सभा या किसी अन्य विद्यालयीय आयोजन में मंच पर प्रस्तुति करवाएँगे। मंच पर प्रस्तुतीकरण हेतु निम्नलिखित विषय उपयोग में लिए जा सकते हैं -
  a. कविता
  b. कहानी
  c. गीत/बाल गीत/ अभियान गीत/ देशभक्ति गीत
  d. नृत्य
  e. एकाभिनय/ रोल प्ले/ मूकाभिनय इत्यादि

➢ शिक्षक मंच पर प्रस्तुति देने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देंगे तथा अभी तक प्रस्तुति नहीं देने वाले विद्यार्थियों को आगामी प्रस्तुति हेतु अभिप्रेरित एवं तैयार करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

➢ विद्यार्थियों में मंच पर प्रस्तुतीकरण संबंधी भय दूर हो सकेगा।

➢ विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा।

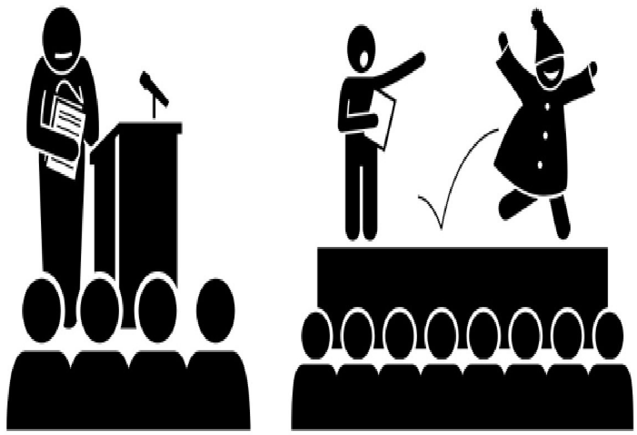

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - भावनाओं का परिवार 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -विद्यार्थियो में भावनाओं की समझ बनाना और उनसे संबंधित शरीर के बदलाव को पहचान पाना।

आवश्यक सामग्री - भावनाओं का चार्ट, सभी भावनाओं के नाम लिखी हुई पाँच पर्चियाँ आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

➢ शिक्षक कुछ उदाहरण या परिस्थितियों की सूची तैयार कर लें जो गतिविधि में सहायक हो।

➢ सभी भावना से जुड़े कुछ शब्द और व्यवहार की सूची पहले से तैयार रखें।

मुख्य भावना	व्यवहार
खुशी	उत्साह , सुख, तुष्टि, शांति, प्रसन्न
दु:ख	अकेलापन, उदास, लाचार, निराश
दया	प्यार, करुणा, देखभाल, मित्रता
डर	घबराहट, भयानक, डरावना, बेचैन, चिंता,
गुस्सा	चिड़चिड़ा, क्रोध, उतावला, झींकझींक, खटर-पटर

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक कक्षा को पाँच समूह में बाँटेगे और प्रत्येक समूह को एक भावना को अभिव्यक्त करने का निर्देश देंगे।
- विद्यार्थी भावना का प्रदर्शन मूर्ति बनके करेंगे और भावना से जुड़ी अभिव्यक्ति चेहरे और शरीर के द्वारा प्रदर्शित करेंगे।
    - जैसे – दुःख में नीचे बैठ जाना और शरीर को सिकुड़ लेना।
- शिक्षक यह कुछ उदाहरण देकर विद्यार्थियों को सर्जनात्मक तरीके से सोचने के लिए प्रेरित करेंगे।
- इसके पश्चात् शिक्षक सभी भावनाएँ कैसे दिखती है, इस पर चर्चा करेंगे और प्रत्येक भावना की समझ गहराई में बनाएँगे।
- शिक्षक अब विद्यार्थी को एक भावना की पर्ची चुनने के लिए कहेंगे।
- जोड़े में विद्यार्थी जो भावना पर्ची में लिखी है उसे अभिव्यक्त करेंगे, चेहरे और शरीर के माध्यम से और उनके साथी उस भावना का अनुमान लगाएँगे।
- शिक्षक कक्षा के अंत में विद्यार्थियो को कैसा लगा और उन्होंने क्या नया सीखा इसे साझा करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करने तथा उनसे जुड़े शरीर के बदलाव को पहचान सकेंगे।

थीम- स्वस्थ राजस्थान-सशक्त राजस्थान

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2)

गतिविधि का नाम - 'Brush, brush, brush' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

- विद्यार्थी कविता के माध्यम से सरल एवं मजेदार तरीके से दाँतो को ब्रश से साफ करने की समझ विकसित करना।
- विद्यार्थियों को लय से कविता गायन, दोहरान और तुकबंदी के उपयोग में सक्षम बनाना।

आवश्यक सामग्री - पोस्टर, चित्र आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक सर्वप्रथम अपनी सुविधानुसार स्थान (कक्षा - कक्ष या मैदान) का चुनाव करें।
- शिक्षक कविता को अच्छी लय एवं त ाल से याद कर लें जिससे विद्यार्थियों के समक्ष गायन के समय समस्या न हो।

गतिविधि के चरण - शिक्षक कविता सुनाएँगे

Brush, brush, brush
Brush your teeth
Wash, wash, wash
Wash your hands
Cut, cut, cut

Cut your nails
Go, go, go
Go to school

- कविता को हावभाव के साथ प्रस्तुत करेंगे एवं दोहरान करेंगे।
- कविता में आई विभिन्न क्रियाओं पर बातचीत करते हुए शिक्षक अंग्रेजी भाषा में दैनिक गतिविधियों के लिए प्रयुक्त होने वाले शब्दों का हाव भाव के साथ उपयोग करके बातचीत करते हुए विद्यार्थियों में निजी स्वच्छता के प्रति समझ विकसित करेंगे।
- कविता के बारे में अधिक जानने के लिए दिए गए लिंक पर क्लिक करें -

https -//youtu.be/w -Ov6HwbZfI ?si=c76kAT4EQdWnv5p4

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में स्वस्थ आदतों का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थी दैनिक जीवन से जुड़ी क्रियाओं को अंग्रेजी में व्यक्त कर सकेंगे।

समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3 -5)

गतिविधि का नाम - नेता – नेता चाल बदल 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को शारीरिक रूप से सक्रिय रहने, सामाजिक कौशल विकसित करने, रचनात्मकता और कल्पना शक्ति को बढा□वा देना।

आवश्यक सामग्री - पेंसिल, कटर, रबर आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक सर्वप्रथम विद्यार्थियों को गतिविधि से संबंधित निर्देश स्पष्ट रूप से देंगे तथा एक बार गतिविधि स्वयं करके देखेंगे जिससें विद्यार्थी ठीक से समझ बना पाएँगे।

गतिविधि के चरण -

- सभी विद्यार्थियों को गोल घेरे में खड़ा किया जाएगा। खेल के आरंभ में एक विद्यार्थी को खेल स्थल से बाहर भेजा जाएगा। इस विद्यार्थी की अनुपस्थिति में गोल घेरे में खड़े विद्यार्थियों के द्वारा एक नेता का चयन किया जाएगा तथा चुने गए नेता को कोई वस्तु (पेंसिल, कटर, रबर) देकर अपने पास छुपाने के लिए कहेंगे और उसी समय शिक्षक विद्यार्थियों को यह समझा देंगे कि जैसा तुम्हारा नेता करता है वैसा ही तुम्हे◌ं करना है।
- अन्य विद्यार्थी इस नेता के द्वारा की जा रही क्रियाओं का अनुसरण करेंगे।
- विद्यार्थियों के द्वारा नेता का चयन कर लेने के बाद बाहर गए विद्यार्थी को अंदर बुलाया जाएगा। यह विद्यार्थी गोल घेरे में खड़े विद्यार्थियों के बीच में खड़ा होकर उस नेता को पकड़ने का प्रयास करेगा जो चाल बदल रहा है। सभी विद्यार्थियों के द्वारा नेता जैसे हाव-भाव करते हुए -'नेता नेता चाल बदल, जल्दी बदल भई जल्दी बदल' लगातार बोला जाएगा।
- इस वाक्य के अनुसार नेता बना विद्यार्थी दाम देने वाले की नजर से बचकर चाल बदले◌ं (यहाँ चाल बदलने का अर्थ अलग तरह की तालियाँ बजाने से है) शेष विद्यार्थी भी अपने नेता के अनुसार अपनी चाल बदल लेंगे और दाम देने वाला विद्यार्थी गोले में घूम-घूमकर नेता को पकड़ने की कोशिश करेंगे।
- गोल घेरे के बीच में खड़े विद्यार्थी द्वारा नेता पकड़ लिए जाने पर बाहर भेजा जाएगा। इस बार फिर एक नया नेता चुना जाएगा और खेल आगे बढ़ेगा।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थियों में खेल के माध्यम से एकाग्रता विकसित हो सकेगी।

अन्य गतिविधि (निपुण भारत)

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'Teacher Says..........' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को गतिविधि से संबंधित शब्दावली से परिचित करना।
- विद्यार्थियों में बुनियादी साक्षरता के बारे में समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री - फ्लैश कार्ड, पेन, चार्ट, बोर्ड आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक गतिविधि से पूर्व गतिविधि से संबंधित आवश्यक जानकारी विद्यार्थी को देंगे।
- शिक्षक स्थानीय परिवेश के अनुसार गतिविधि का आयोजन करेंगे।

गतिविधि के चरण -

- इस गतिविधि में शिक्षक विद्यार्थियों को घेरे में खड़ा करके कई प्रकार के क्रियात्मक शब्द (Action Words) बोलेंगे किंतु विद्यार्थियों को सिर्फ उन्ही निर्देशों की पालना करना हैं जो "Teacher says..." के बाद बोले जाएँगे।
- उदाहरण के तौर पर यदि शिक्षक कहता है "Jump!" तो jump नहीं करना है पर यदि शिक्षक कहता है "Teacher says…jump!" तो jump करना है।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में क्रियात्मक शब्दों से संबंधित शब्दकोश का विकास हो सकेगा।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - खोज हमारी भावनाओं की 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों में भावनाओं की तीव्रता की प्रक्रिया की समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री - मुख्य भावनाओं का एक चार्ट, ब्लैक बोर्ड, रंगीन कागज, पेंसिल आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक कुछ उदाहरण या परिस्थितियों की सूची तैयार कर लें जो गतिविधि में सहायक होंगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक निम्नलिखित प्रश्नों के माध्यम से तीव्रता पर समझ बनाएँगे -
  - यदि आपको कोई बड़ी आग बुझानी हो या एक चिंगारी को बुझाना हो तो दोनों में से कौनसा आसान होगा ?

- इसी प्रकार यदि नकारात्मक भावनाएँ बढ़ जाएँ तो वे खतरनाक हो सकती हैं।

➢ शिक्षक तीव्र और शांत भावनाओं के अंतर को अभिनय से समझाएँगे -
- जैसे – उदासी तीव्र होने पर हम तेज रोते है, शरीर भारी होता है वैसे ही गुस्सा तीव्र होने पर हम चिल्लाते हैं, कुछ फेंकते है आदि।
- शिक्षक शांत भावनाओं को भी समझाएँगे जैसे– गुस्सा आने पर मुट्ठी बंद कर लेना, श्वास तेज होना, शरीर गरम होना आदि।

➢ शिक्षक तीव्र भावना के नुकसान निम्नलिखित प्रश्नों के माध्यम से बताएँगे -
- क्या होगा अगर हम बहुत ज़्यादा अनुभव करे ?
- भावना ज्यादा होने पर कौनसे तरीके अपनाने चाहिए ? (स्पर्श से शांत होना, उलटी गिनती गिनना आदि।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थियों में भावनाओं को अभिव्यक्त करने और संतुलन बनाने का कौशल का विकास हो सकेगा।

थीम- खेल-खेल में विज्ञान

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2)

गतिविधि का नाम - कागज की विभिन्न आकृतियाँ बनाना 🕒 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य - विद्यार्थियों में रचनात्मकता विकसित करना।

आवश्यक सामग्री - कागज की शीट, खाली पेपर आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक अपनी पसंद की एक आकृति बनाएँ। जैसे - नाव, हवाई जहाज, कैमरा, कमल का फूल, टोपी, पक्षी की चोंच आदि।

गतिविधि के चरण -

➢ सर्वप्रथम शिक्षक स्वयं कागज से कोई आकृति बनाकर विद्यार्थियों को दिखाएँगे।

➢ सभी विद्यार्थी शिक्षक द्वारा बनाई गई आकृति को पुनः बनाएँगे या स्वयं अपने मन से कोई आकृति बनाकर दिखाएँगे।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थियों में रचनात्मकता का विकास हो सकेगा।

समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'विभिन्न प्रकार के व्यवसाय' 🕒 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य - विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के व्यवसायों के बारे में जानकारी देना।

आवश्यक सामग्री - विभिन्न व्यवसायों की ड्रेस या सामग्री आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक किसी एक व्यवसाय से संबंधित ड्रेस-अप करके स्वयं गतिविधि का गतिविधि का अभ्यास करके दिखाएँ जिससें विद्यार्थियों को गतिविधि अच्छी तरह से समझ आ जाए।

गतिविधि के चरण -

➢ विद्यार्थी घर से विभिन्न प्रकार के व्यवसाय से संबंधित ड्रेस-अप करके विद्यालय आएँगे। (जैसे - शिक्षक, सैनिक, वकील, डॉक्टर, प ुलिस मेन, किसान, लोहार, बढ़ाई आदि।)

- सर्वप्रथम विद्यार्थी शिक्षक के निर्देशानुसार फेंसी ड्रेस में मंच पर आएँगे।
- विद्यार्थी मंच पर आकर अपने व्यवसाय से संबंधित मूकाभिनय करेंगे।
- मंच के सामने बैठे विद्यार्थी व्यवसाय के बारे में बताएँगे।
- गतिविधि के अंत में शिक्षक महत्त्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा करेंगे।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी विभिन्न प्रकार के व्यवसाय को पहचान सकेंगे और उनके कार्यों के बारे में जानकारी हो सकेगी।

अन्य गतिविधि – (एक भारत श्रेष्ठ भारत)

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - राजस्थान एवं असम के प्रमुख खानपान 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों में राजस्थान और असम राज्य के प्रमुख खानपान के बारे में समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री - प्रमुख खानपान की सूची, वीडियो, चित्र आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- सर्वप्रथम शिक्षक राजस्थान एवं असम राज्य के प्रमुख खानपान (व्यंजनों) की जानकारी प्राप्त कर एकत्र कर लेंगे।
- शिक्षक को गतिविधि से पूर्व दोनों राज्यों के प्रमुख व्यजनों की सूची बना लेंगे एवं आवश्यकतानुसार चित्र एवं वीडियो का संग्रह कर लेंगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक सर्वप्रथम उपलब्धता अनुसार प्रोजेक्टर, कंप्यूटर, टेलीविजन, मोबाइल आदि के माध्यम से विद्यार्थियों को दोनों राज्यों के प्रमुख व्यंजनों के बारे में वीडियो दिखाएँगे।
- वीडियो देखने के पश्चात् राजस्थान के प्रमुख पकवान दाल, बाटी, चूरमा, घेवर, असम के प्रमुख पकवान जाक, अरु, भाजी, असमी चाय की विशेषताओं को बताएँगे तथा स्पष्ट करेंगे।
- इसके पश्चात् शिक्षक विद्यार्थियों के स्थानीय खानपान और व्यंजनों के बारे में चर्चा करते हुए एक समझ बनाने का प्रयास करें।
- विद्यार्थियों की सभी प्रकार की जिज्ञासा को शांत करने के पश्चात् विद्यार्थियों को दोनों राज्यों के प्रमुख व्यंजनों की सूची के साथ अपनी पसंद के व्यंजनों की सूची बनाने के लिए कहेंगे तथा उनसे संबंधित एक बिंदू लिखेंगे।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थियों को दोनों राज्यों के प्रमुख खानपान (व्यंजनों) के बारे में जानकारी प्राप्त हो सकेगी।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - कितने अलग ? कितने एक जैसे हम। 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में विभिन्न संदर्भ और अनुभव की समझ बनाना।
- विद्यार्थियों में दयालुता और करुणा की आदत विकसित करना।

आवश्यक सामग्री - ब्लैक बोर्ड, चार्ट , पेंसिल आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक गतिविधि से संबंधित पर्ची बना लेंगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक सभी विद्यार्थियों को छोटे गोल घेरे में खड़े होने का निर्देश देंगे।
- इसके पश्चात् वे निम्नलिखित प्रश्न पूछेंगे।

नोट - प्रश्न के बाद विद्यार्थी गोले के अंदर या बाहर ही रहेंगे, दूसरा प्रश्न पूछने से पहले सभी फिर से गोले में आ जाएँगे।

  - यदि आपको चित्र बनाना पसंद है तो गोले के अंदर आए।
  - यदि आपको पालतु पशु पसंद है तो गोले के अंदर आए।
  - यदि आपको खुश रहना पसदं है तो गोले के अंदर आए।
  - यदि आपको आइसक्रीम पसंद है तो गोले के अंदर आए।
  - यदि आपके परिवार में एक से अधिक भाषा बोलते है तो गोले के अंदर आए।
  - यदि आपको जीने के लिए भोजन की आवश्यकता है तो गोले के अंदर आए।

- विद्यार्थी इस गतिविधि के समाप्त होने के बाद चिंतन करेंगे कि कब हम सब मित्र एक साथ रहे और कब अलग रहे ?

  गतिविधि के अंत में शिक्षक सभी की अलग-अलग पसंद का आदर करना और दया की भावना दिखाना, इसकी गहराई की समझ बनाएँगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी दूसरे को प्रति दया और समानुभूति की समझ विकसित कर पाएँगे।
- विद्यार्थी अपनी कक्षा के सहपाठियों की भावनाओं को और गहराई से समझ पाएँगे।

अक्टूबर 2025

थीम- आओ राजस्थान को जानें

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - हमारा पहनावा-हमारी पहचान 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य - विद्यार्थियों को स्थानीय परिवेश के पहनावे के माध्यम से राजस्थानी वेशभूषा एवं आभूषण से परिचित करवाना।

आवश्यक सामग्री - कागज, पेंसिल, रबर, रंग, राजस्थानी वेशभूषा में महिला और पुरुष का चित्र (यदि उपलब्ध हो) आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक गतिविधि से पूर्व राजस्थानी वेशभूषा और आभूषणों के नाम की सूची बना लेंगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक स्थानीय परिवेश में पहने जाने वाले वस्त्रों और आभूषणों की विद्यार्थियों से चर्चा करेंगे तथा संबंधित चित्र (महिला और पुरुष यदि उपलब्ध हो) विद्यार्थियों को दिखाएँगे।
- अब विद्यार्थियों से कागज पर स्थानीय परिवेश या राजस्थानी वेशभूषा पहने हुए महिला और पुरुष का चित्र बनवाएँगे साथ ही चित्र में रंग भी भरेंगे।
- शिक्षक विद्यार्थियों को राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में पहने जाने वाले वस्त्रों और आभूषणों की जानकारी प्रदान करेंगे।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थियों में राजस्थान की विभिन्न वेशभूषा और आभूषणों के विषय में समझ का विकास हो सकेगा।

अन्य गतिविधि (निपुण भारत)

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - कहानी निर्माण 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य –

- विद्यार्थियों को कहानी बनाने की प्रक्रिया से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों द्वारा कहानी बनाने क◌ा आरंभ, घटनाक्रम, समस्या, समाधान तथा कहानी के अंत पर समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री -पेपर, पेंसिल,रंग , चार्ट आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक गतिविधि करने से पूर्व कोई भी थीम सोचकर रखेंगे जिस पर कहानी का निर्माण करवाना हैं।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक सभी विद्यार्थियों को गोल घेरे में बैठाकर निर्देश देंगे कि आज हम सब मिलकर एक कहानी का निर्माण करेंगे इसलिए आप सभी को इसमें अपनी पूर्ण भागीदारी निभानी हैं।
- तत्पश्चात् शिक्षक विद्यार्थियों को निर्देश दे कि आप सभी को एक-एक सार्थक शब्द/वाक्य बोलना हैं ध्यान रखें कि एक के बाद एक विद्यार्थियों का नंबर आए। शिक्षक विद्यार्थियों को बताएँ कि एक-एक वाक्य से हम पूरी कहानी बनाएँगे तो आपको पहल ा शब्द या वाक्य से जुड़ते हुए वाक्य ही बोलना हैं जिससे एक कहानी बनती हुए दिखें।
- इस दौरान ध्यान रखें कि विद्यार्थियों द्वारा बोले गए सभी वाक्य कहानी का निर्माण कर रहे हो जैसे- कहानी की आरंभ, समस्या तथा अंत में कहानी में समाधान आदि।
- अंत में शिक्षक सभी विद्यार्थियों के द्वारा बनाई गई कहानी को सार्थकता देते हुए कहानी को बोर्ड पर लिखें तथा बच्चों को पढ़कर सुनाएँगे।
- शिक्षक विद्यार्थियों को इस तरह से कहानी बनाने के लिए प्रेरित करेंगे।

सीखने के प्रतिफल –

- विद्यार्थियों में कहानी निर्माण करने की पूरी प्रक्रिया को समझने का कौशल विकसित हो सकेगा।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - सुन सुन सुन 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में दूसरों से जुड़ने की समझ बनाना, सजगता से सुनना और दयालुता, करुणा और समानुभूति की भावना विकसित करने में सहायता करना।

आवश्यक सामग्री - कागज, पेंसिल आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक कुछ उदाहरण या परिस्थितियों की सूची तैयार कर लेंगे जो गतिविधि में सहायक हो ।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक कक्षा के सभी विद्यार्थियों को समूह में बाँटेंगे।
- विद्यार्थी पहले अपनी मन पसंद वस्तुओं का चित्र बनाएँगे और उसके बारे में अपने साथी के साथ साझा करेंगे।
- शिक्षक सभी विद्यार्थियों को निम्नलिखित निर्देश देंगे -
  - जब आपका साथी आपको इस बारे में बताएँ तो सुनने वाले को -
    आपको उनकी आँखों में देखना है।
    उन्हें अपनी पूरी बात कहने देना है और बीच-बीच में नहीं टोकना है।
  - जब वो अपनी बात पूरी कर लेंगे तो एक क्षण विराम लेकर उन्हें धन्यवाद कहें और अब अपनी बात साझा करेंगे।
- इसके पश्चात् शिक्षक निम्नलिखित प्रश्नों पर विद्यार्थियों के विचार प्राप्त करेंगे -

- जब आप उन्हें ध्यान से सुन रहे थे तो आपको कैसा अनुभव हुआ ?
- जब वो आपको सुन रहे थे तो आपको कैसा अनुभव हुआ ?

➢ गतिविधि के अंत में कुछ ऐसे तरीके या सुझाव साझा करेंगे जिससे हम दूसरों की बात को ध्यान से सुन सकेंगे।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थियों में ध्यान से सुनने का कौशल विकसित हो सकेगा।

थीम- स्वस्थ राजस्थान-सशक्त राजस्थान

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'दर्पण' (अभिनय) 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- ➢ विद्यार्थियों में अभिनय करने की कला को विकसित करना।
- ➢ विद्यार्थियों में अभिनय कौशल के साथ निर्देशों की पालना करने की दक्षता का विकास करना।

आवश्यक सामग्री - नहीं

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक सर्वप्रथम गतिविधि आरंभ करने से पूर्व विद्यार्थियों को खेल के नियम समझाकर एक ट्रायल राउंड कराएँ जिससें विद्यार्थी खेल को अच्छे से समझ पाएँगे।

गतिविधि के चरण -

- ➢ सर्वप्रथम सभी विद्यार्थियों के दो-दो के जोड़ े बनाएँगे तथा एक विद्यार्थी को दर्पण बनना होगा। अब सामने वाला विद्यार्थी जैसे - हाव-भाव करेगा दर्पण को उसी के अनुसार प्रतिक्रिया देनी होगी। जैसे- कंघी करना, हँसना, मूँछ मरोड़ना, बटन लगाना इत्यादि।
- ➢ दर्पण बना विद्यार्थी भी वही अभिनय करेंगा जो दूसरा विद्यार्थी कर रहा है। जैसे हमें दर्पण देखते समय हमारी छवि दिखाई देती है।
- ➢ अब दूसरी बार दूसरा विद्यार्थी दर्पण बने। इस तरह यह खेल जारी रह सकता है।
- ➢ जैसे-जैसे विद्यार्थी खेल को समझते जाते है वैसे-वैसे जल्दी-जल्दी क्रिया (एक्शन) करने को कहे जिससें विद्यार्थी खेल का आनंद ले सकेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- ➢ विद्यार्थियों में अवलोकन तथा अभिव्यक्ति के कौशल का विकास हो सकेगा।
- ➢ विद्यार्थियों में अभिनय करने की क्षमता का विकास हो सकेगा।

एक भारत श्रेष्ठ भारत

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'भौगोलिक अवस्थिति एवं सामान्य जानकारी' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को राजस्थान और असम राज्य की भौगोलिक अवस्थिति के बारे में बताना।
- विद्यार्थियों को दोनों राज्यों के बारे में सामान्य जानकारी देना।

आवश्यक सामग्री - वीडियो, चार्ट, पेंसिल, चित्र, मानचित्र (असम एवं राजस्थान), ग्लोब आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- सर्वप्रथम शिक्षक राजस्थान एवं असम राज्य की भौगोलिक अवस्थिति के बारे सामान्य जानकारी प्राप्त कर लें।
- शिक्षक को गतिविधि से पूर्व दोनों राज्यों से संबंधित आवश्यकतानुसार मानचित्र बना कर देख लेंगे एवं मानचित्रोें, वीडियो का संग्रह कर लेंगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक सर्वप्रथम उपलब्धता अनुसार प्रोजेक्टर, कंप्यूटर, टेलीविजन, मोबाइल आदि के माध्यम से विद्यार्थियों को दोनों राज्यों के भौगोलिक अवस्थिति का वीडियो दिखाएँगे जिससे विद्यार्थियों में एक सामान्य समझ बनो सकेंगे।
- वीडियो देखने के पश्चात् विद्यार्थी दोनों राज्यों के भौगोलिक मानचित्र में रंग भरेंगे तथा प्रमुख जानकारी उनके साथ साझा करेंगे।
- विद्यार्थियों की सभी प्रकार की जिज्ञासा को शांत करने के पश्चात् विद्यार्थियों को दोनों राज्यों के जिलों, पड़ोसी राज्यों को मानचित्र में दर्शाने के लिए कहेंगे तथा उनसे संबंधित एक बिंदू लिखवाएँगे।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी दोनों राज्यों की भौगोलिक अवस्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'धन्यवाद, शुक्रिया, Thank you!' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को कृतज्ञता, मित्रता की भावना को समझने और उसे व्यक्त करने के महत्त्व को सिखाना।
- विद्यार्थियों में आत्मचिंतन के माध्यम से सामाजिक और भावनात्मक विकास को बढ़ावा देना।

आवश्यक सामग्री - ब्लैक बोर्ड, चार्ट, रंगीन पेंसिल आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक कुछ उदाहरण या परिस्थितियों की सूची तैयार कर लें जो गतिविधि में सहायक होंगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों के साथ चर्चा करेंगे कि वे किस स्थिति में धन्यवाद कहते है और आभार व्यक्त करते है जैसे- कोई उनकी सहायता करें, उपकार किया हो आदि।
- शिक्षक सभी विद्यार्थियों को घेरे में बैठाकर अपने परिवार एवं मित्रों के बारे में सोचने के लिए कहेंगे जिन्हें उन्हें धन्यवाद देना है। इस दौरान शिक्षक समझ बनाने के लिए उदाहरण भी दें सकतेें है।

- विद्यार्थी उन सभी मित्रों या परिवारजन के नाम लिखेंगे या चित्र बनाएँगे और उनके लिए एक आभार पूर्ण नोट लिखेंगे या चित्र से अपनी भावनाएँ व्यक्त करेंगे।
- गतिविधि के अंत में सभी विद्यार्थी अपना लिखा या बनाया नोट किसी मित्र के साथ साझा करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी कृतज्ञता और मित्रता की भावना को पहचानने और व्यक्त करने में सक्षम हो सकेंगे।
- विद्यार्थियों में अपने विचारों को स्पष्ट रूप से साझा करने की क्षमता विकसित हो सकेगी।

थीम- खेल-खेल में विज्ञान

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2)

गतिविधि का नाम - 'तैरेगा या डूबेगा' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में जल में डूबने एवं तैरने वाली वस्तुओ ं के माध्यम से वैज्ञानिक सोच विकसित करना।
- विद्यार्थियों को तैरने एवं डूबने वाली वस्त ुओं के माध्यम से उत्प्लावन बल को समझाना।

आवश्यक सामग्री - पर्याप्त पानी की क्षमता का टब, घर की विभिन्न वस्तुएँ जैसे– पिन, रबर, कागज, रुमाल, प्लास्टिक, चम्मच, चार्ट पेपर आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक गतिविधि से पूर्व विद्यार्थियों को जल में वस्तुओं के डूबने एवं तैरने की सूची बनाएँ तथा गतिविधि का अभ्यास कर बताएँगे।

गतिविधि के चरण -

- विद्यार्थियों को उनके परिवेश की विभिन्न वस्तुओं को एकत्र करने के लिए कहेंगे जैसे– प्लास्टिक, धातु, गत्ते, कपड़े आदि से बनी विभिन्न वस्तुएँ।
- एक-एक कर उन वस्तुओं को पानी से भरे टब में रखते जाएँगे तथा चार्ट पेपर पर एक ओर डूबने वाली तथा एक ओर तैरने वाली वस्तुओं के नाम अंकित करते जाएँगे।
- अंत में शिक्षक दोनों प्रकार की वस्तुओं के पारस्परिक अंतर को स्पष्ट करेंगे तथा विद्यार्थियों को कहेंगे कि वो अपने घर पर इस तरह की गतिविधि करके देख सकते हैं।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थियों में स्थानीय परिवेश की वस्तुओं के डूबने और तैरने के आधार पर वस्तुओं के वर्गीकरण की समझ विकसित हो सकेगी।

समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'लंबाई - चौड़ाई का अनुमान लगाना' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य - विद्यार्थियों में लंबाई - चौड़ाई की समझ विकसित करना।

आवश्यक सामग्री - निश्चित नाप के लकड़ी के कुछ टुकड़े आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक एक बार गतिविधि करके दिखाएँ जिससें विद्यार्थी गतिविधि कि ठीक से समझ सकेंगे।

गतिविधि के चरण -

- सभी विद्यार्थियों को शिक्षक द्वारा कक्षा-कक्ष की लंबाई और चौड़ाई को बालिश्त से और किसी निश्चित नाप की लकड़ी से नापना बताया जाएगा।

- अब विद्यार्थियों को सबसे पहले किसी कक्षा-कक्ष या बरामदे की लंबाई कितने बालिश्त हो सकती है, इसका अनुमान लगवाया जाएगा।
- इसी प्रकार एक निश्चित नाप की लकड़ी को दिखाते हुए किसी कमरे या बरामदे की लंबाई और चौड़ाई (लकड़ी के नाप के अनुसार) का अनुमान लगाने के लिए कहा जाएगा।
- अब विद्यार्थियों को उस लकड़ी द्वारा सही-सही माप करवाया जाएगा।
- इसी प्रकार किसी टेबल या अन्य सामग्री की लंबाई-चौड़ाई और ऊँचाई का अनुमान लगवाकर वास्तविक नाप में अंतर बता सकते हैं।
- गतिविधि के अंत में लंबाई-चौड़ाई (मापन) के बारे में चर्चा करेंगे।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थियों में अनुमानित और वास्तविक मापन में के बारे में समझ विकसित हो सकेंगी।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - दुनिया आज मेरे घर आई 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य –

- विद्यार्थियों को उन लोगों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए प्रेरित करना जो उनके खाने की चीजें/वस्तुएँ तैयार करने में सहायता करते हैं।
- विद्यार्थियों को सृजनात्मक तरीके से अपने विचार व्यक्त करने के लिए प्रेरित करना।

आवश्यक सामग्री - ब्लैक बोर्ड, चार्ट, रंगीन पेंसिल, कागज आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक कुछ उदाहरण या परिस्थितियों की सूची तैयार कर लें जो गतिविधि में सहायक होंगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक गतिविधि के प्रारंभ में प्रश्न पूछ सकता है कि - आज सभी ने नाश्ते में क्या खाया ?
- इसके पश्चात् शिक्षक विद्यार्थियों को कोई भी एक खाने की वस्तु का चित्र बनाने के लिए कहेंगे।
- विद्यार्थियों ने जो भी खाने की का चित्र बनाया है उसे थाली तक लाने के लिए किन-किन लोगों ने सहायता की उनका चित्र/नाम की सूची भी बनाएँगे।
- शिक्षक उदाहरण के माध्यम से पकाने से लेकर किसान तक की कड़ी को समझाएँगे।
- गतिविधि के अंत में विद्यार्थी अपने चित्र पर चिंतन करेंगे कि कैसे दुनिया उनके घर आई और उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट कर सकते है।
- शिक्षक विद्यार्थियों को घर जाकर अन्य वस्तुओं पर चिंतन करने के निर्देश दे सकते है जिसमें और लोगों का योगदान है।

सीखने के प्रतिफल -

- जो विद्यार्थी के लिए खाने की चीजें तैयार करते है उन लोगों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर सकेंगे।
- चित्र बनाकर विद्यार्थी अपनी रचनात्मकता और कला कौशल को बढ़ा पाएँगे।

नवंबर 2025

थीम- भाषाई समझ से अभिव्यक्ति की ओर

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2)

गतिविधि का नाम - रीड अलाउड (गिलप्रत्येकियों का बीज) 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में सुनकर समझने,पढ़ने के तरीके की समझ, शब्द भंडार के बारे में समझ बढ़ाना।

आवश्यक सामग्री - रीड अलाउड की "गिलहरियों का बीज" पुस्तक, मुखौटे बनाने के लिए रिम पेपर, चार्ट शीट, कलर आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- यह गतिविधि कराने के लिए शिक्षक इस पुस्तक को दो से तीन बार ठीक तरह से पढ़े।
- शिक्षक को यह भी तैयारी करनी है कि रीड अलाउड से पहले एवं बाद में क्या गतिविधि करानी हैं।
- शिक्षक कहानी सुनाने के बाद पूछे जाने वाले प्रश्नों पर तैयारी करें।

गतिविधि के चरण -

1. **पठन पूर्व गतिविधि -**

- विद्यार्थियों को सबसे पहले " एक बुढ़िया ने बोया दाना" कविता का गायन कराएँगे। कविता गायन के लिए दिए गए लिंक पर क्लिक कर हावभाव एवं लय पर अभ्यास कर लें।
  https-//www.youtube.com/watch ?v=1iqXh40MQqI
- कविता में आई वस्तुओं एवं प्राणियों पर चर्चा करेंगे कि बुढ़िया की सहायता करने के लिए कौन-कौन आए ? गाजर का हलवा आपने खाया तो उसका स्वाद कैसा लगा ? आदि।
- 'गिलहरियों का बीज' पुस्तक का कवर पेज दिखाकर विद्यार्थियों से निम्नलिखित प्रश्न करेंगे एवं उनकी प्रतिक्रिया को ध्यान से सुनेंगे-
  - चित्र में आपको क्या-क्या दिखाई दे रहा है ?
  - गिलहरी और तोते के बीच में क्या-क्या बातचीत हो रही होगी ?
- इसके बाद कहानी का नाम, लेखक का नाम, प्रकाशक का नाम, चित्रांकनकर्ता का नाम बताएँगे।

2. **पठन के दौरान गतिविधि -**

- कहानी को पंक्तिबद्ध पढ़ेंगे एवं विद्यार्थियों को चित्र भी साथ-साथ दिखाते जाएँगे।
- पेज - 13 पढ़कर विद्यार्थियों से प्रश्न करेंगे कि -
  - गिलहरी ने किस-किस से सहायता माँगी ?
  - गिलहरी अपने बीज के बैंक को कैसे बचाएगी ?

3. **पठन के पश्चात् गतिविधि -**

- कहानी पूरी होने के बाद विद्यार्थियों से निम्नानुसार प्रश्न करेंगे -
  - इस कहानी में कौन-कौन से पात्र है ?
  - आपके घर में भोजन को कहाँ रखते हो ?
  - आपकी मम्मी खाने को सुरक्षित रखने के लिए क्या-क्या करती है ?
- विद्यार्थियों से कहानी में आए पात्रो के मुखौटे बनवाएँगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में कहानी को सुनकर कहानी के भावार्थ को समझने का कौशल विकसित हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में कहानी में आए नए शब्दों पर समझ विकसित हो सकेगी।

समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'कविता पट्टी' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में कविता में आई तुकबंदी को समझने का कौशल विकसित करना।
- विद्यार्थियों को कविता की लय-ताल को समझाना।
- विद्यार्थियों में नई कविता को बनाने के लिए समझ विकसित करना।

आवश्यक सामग्री - चार से पाँच कविता को पेपर पर लिखना तथा उनको पट्टी या लाइन में काटना।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक सर्वप्रथम चार से पाँच कविता का चयन करें तथा सभी कविता को A4 साइज पेपर पर लिखकर लाइन से पट्टी के रूप में काट लेंगे तथा कविता पट्टी को मिला लेंगे।
- शिक्षक सभी चयनित कविताओं को ठीक तरह से पढ़ लेंगे तथा कविताओं में आए कठिन शब्दों के अर्थ को भी समझ लेंगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक सर्वप्रथम सभी विद्यार्थियों के 4 -5 विद्यार्थियों के चार से पाँच समूह बनाएँगे। सभी विद्यार्थियों को समूह में विभाजित करने के बाद एक-एक कविता पट्टी सभी समूह को देंगे।
- शिक्षक सभी विद्यार्थियों को निर्देश देंगे कि सभी समूह आपस में चर्चा करके कविता पट्टी को सही क्रम में बनाएँ।
- जब सभी विद्यार्थी अपने समूह में काम कर रहे हो तब शिक्षक समूह में घूमकर देखेंगे कि विद्यार्थियों को किस तरह की सहायता की आवश्यकता हैं।
- सभी समूह का काम पूरा होने के बाद शिक्षक सभी समूह को अपनी-अपनी कविताओं को लय-ताल के साथ गाकर प्रस्तुत करने को कहेंगे। जिन विद्यार्थियों की कविता पट्टी सभी क्रम में नहीं लगी हो, दूसरे विद्यार्थियों की सहायता से उसको सभी करने की कोशिश करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में कविताओं को क्रम में जमाने का कौशल विकसित हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में कविता के माध्यम से तुकबंदी को समझकर नई कविता को बनाने में सक्षम हो सकेंगे।

विशिष्ट गतिविधि

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम – मेरा परिवार – मेरा गर्व 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य :–

- विद्यार्थियों को परिवार के महत्त्व को समझाना।
- विद्यार्थियों में सहयोग, आदर और प्रेम की भावना विकसित करना।

- पारिवारिक मूल्यों (सम्मान, दया, सहायता, संवाद) को सरल उदाहरणों से सिखाना।

आवश्यक सामग्री: रंगीन कागज या चार्ट पेपर, स्केच पेन, क्रेयॉन्स, गोंद / कैंची, परिवार के सदस्यों के चित्र (यदि बच्चे ला सकें), मेरे परिवार की विशेषता लिखी पर्चियाँ।

शिक्षक हेतु निर्देश:

- विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए निम्नानुसार प्रश्न पूछें -
  - आपके परिवार में कौन-कौन रहता है ?
  - आप घर में क्या सहायता करते हो ?
  - जब मम्मी-पापा थक जाते हैं तो आप क्या करते हो ?
  - परिवार में सबसे मजेदार पल कौन से होते हैं ?
- परिवार की परिभाषा और उसके महत्त्व को कहानियों या उदाहरणों से समझाएँ।

गतिविधि के चरण:

- मेरा परिवार चार्ट बनाओः विद्यार्थी एक चार्ट पेपर पर अपने परिवार के सदस्यों के नाम या चित्र (यदि हो सकें) लगाएँ। प्रत्येक सदस्य के नीचे एक वाक्य लिखें, जैसे-
  - मम्मी – मुझे स्कूल से लाती है।
  - पापा – खाना बनाते है।
  - दादी – कहानी सुनाती है।
  - मैं – पानी की बोतल भरता हूँ।
- **मैं क्या कर सकता हूँ ? कार्ड**

  विद्यार्थियों को एक-एक कार्ड दिया जाएगा जिसमें वे लिखें या चित्र बनाएँ कि वे अपने परिवार की सहायता कैसे करते हैं।
- **कहानी समय**

  शिक्षक 'परिवार का एक दिन' विषय पर 2–3 मिनट की लघु कहानी सुनाएँ, जिसमें सहयोग, प्यार और उत्तरदायित्व की बात हो।
- **'प्यारा परिवार' दीवार सजावट**

  विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए चार्ट को कक्षा की दीवार पर चिपकाएँ जिससे सभी विद्यार्थियों को एक दूसरे के परिवार को जानने का अवसर प्राप्त होगा।

सीखने के प्रतिफल:

- विद्यार्थी अपने परिवार के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करना सीख पाएँगे।
- विद्यार्थी परिवार के प्रत्येक सदस्य की भूमिका को समझ पाएँगे।
- विद्यार्थियों में सहयोग और भावनात्मक जुड़ाव की भावना विकसित हो पाएगी।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'आवश्यकता और विलास का अंतर' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को दैनिक जीवन में आवश्यकताओं और विलास के बीच का अंतर समझाना।
- विद्यार्थियों को यह सिखाना कि कैसे अपनी आवश्यकताओं को प्राथमिकता दें और विलास को समझदारी से चुनें।

आवश्यक सामग्री - ब्लैक बोर्ड, चार्ट, रंगीन पेंसिल, 20-20 विलासिता और आवश्यकताएँ छोटी पर्चियों पर लिख लेंगे।

शिक्षक हेतु निर्देश – शिक्षक कुछ उदाहरण या परिस्थितियों की सूची तैयार कर लेंगे जो गतिविधि में सहायक हो। कहानी इस गतिविधि के अंत में दी गयी है।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक सम्पूर्ण कहानी को हाव-भाव के साथ सुनाएँगे और प्रत्येक पात्र की समझ बनाएँगे।
- इसके पश्चात् शिक्षक निम्नलिखित प्रश्न पूछेंगे -
- भोला को कैसा अनुभव हुआ जब उसने पेड़ को कटते हुए देखा ?
- बड़ी हवेली हीरा काका की जरूरत थी या नहीं ?
- इसके पश्चात् शिक्षक 'आवश्यकताओं' पर चर्चा करेंगे और दिनचर्या में कौन कौन सी आवश्यकताएँ होती है उनकी सूची ब्लैक बोर्ड पर लिखेंगे। जैसे- पानी, खाना, हवा, कुर्सी, आदि।
- इसी प्रकार विलासिता की वस्तुओं के उदाहरण भी बताएँगे जैसे केक, महँगा लंच बॉक्स आदि।
- इसके पश्चात् शिक्षक विद्यार्थियों को कुछ पर्चियाँ देंगे जिस पर "आवश्यकताएँ और विलास" लिखे होंगे, विद्यार्थी अपने मित्र के साथ मिलकर साझा करेंगे कि वो जरूरत है या विलास।
- विद्यार्थी उन वस्तुओं की सूची बनाएँगे जो हम अपना सुख या विलास पूरा करने के लिए उपयोग करते है और उनसे अन्य वस्तुओं को नुकसान पहुँचाते है।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी समझ पाएँगे कि उनकी इच्छाओं और विलास का संतुलित उपयोग कैसे किया जा सकता है जिससें अन्य लोगों या पर्यावरण को हानि न हो।
- विद्यार्थी अपनी प्राथमिकताओं को बेहतर ढंग से समझ पाएँगे और उनके अनुसार निर्णय लेने में सक्षम हो सकेंगे।

कहानी –

कहानी

खट- खट.... ढक-ढक...... ज़्ज़्ज़्ज़्ज़्ज़्ज़्ज़ आरी चलने की ज़ोर ज़ोर की आवाज से भोला की आँखें खुली, आँखो को मलता-मलता भोला अपने कमरे से बाहर की तरफ जाता है जहाँ से ऐसी आवाज आ रही थी।

बाहर जा के देखा तो उसके बापू और आस पड़ोस के सभी लोगों की भीड़ जमा थी।

भोला: बापू यह क्या हो रहा है, यह लोग सामने वाले घर के नीम के पेड़ को क्यों काट रहे है ?

बापू: बेटा, हमारे ठीक सामने जो घर हमेशा बंद पड़ा रहता था ना ...

भोला: हीरा काका का ?

बापू: हाँ वही, हीरा काका कल शाम को गाँव आए थे। उन्होंने बताया की अब इस छोटे से घर को तोड़कर वो एक बड़ी हवेली बनाएँगे।

भोला: लेकिन क्यों बापू ? वो लोग तो अब गाँव में रहते भी नहीं फिर इतनी बड़ी हवेली का क्या करेंगे।

बापू: बेटा अब हम इसमें क्या कह सकते है, उनकी जमीन है जो चाहे वो करें।

भोला का ध्यान अभी भी मजदूर जिस तरह से पेड़ों को काट रहे है उस पर था, उसकी आँखो में आँसू आ गए, उससे रहा नहीं गया और वो मजदूर के पास जाकर बोला।

भोला: भैया! भैया! कितना सुंदर पेड़ है, हरी भरी जगह को क्यों ख़राब कर रहे हो ?

मजदूर: अरे बच्चे, कौन चाहता है पेड़ों को काटना, यह सब तो हमारा काम है, घर को बड़ा करना है तो पेड़ तो कटेगा ना ?

बापू: जाओ भोला स्कूल के लिए देर हो जाएगी, जाकर नहा धो लो।

भोला दुखी मन से सभी काम को करने लगता है, कितनी चिड़ियाँ उस पेड़ पर रहती हैं, बंदर भी कभी-कभी आकर लटकते हैं, ये सारे विचार उसके मन को परेशान कर रहे थे, उसकी आँखो के सामने पेड़ों के कटने और गिरने का दृश्य घूमता रहता है।

थीम- स्वस्थ राजस्थान-सशक्त राजस्थान

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'In and Out' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में सक्रियता, एकाग्रता, टीम कार्य, आपसी सहयोग एवं प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास करना।
- विद्यार्थियों में स्वस्थ शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य का विकास करना।

आवश्यक सामग्री - चॉक, डस्टर, बोर्ड आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक सवर्प्रथम चॉक या मिटटी से एक गोला बनवा ले तथा खेल से संबंधित निर्देश स्पष्ट रूप से विद्यार्थियों को देंगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक एक बड़ा सा गोल घेरा बनाए तथा विद्यार्थियों को घेरे के बाहर खड़े होने के लिए कहेंगे।
- शिक्षक खेल के नियम के बारे में बताएँ कि जब In कहा जाएगा तो घेरे के अंदर कूदना है। जब Out कहा जाएगा तो घेरे से बाहर कूदना है। जब On the line कहा जाएगा तो घेरे की लाइन पर खड़ा होना है।
- जो विद्यार्थी कहे अनुसार कार्य नहीं कर पाएँगे वे समूह से बाहर हो जाएँगे तथा सही-गलत देखने में शिक्षक की सहायता करेंगे।
- गतिविधि के अंत में शिक्षक गतिविधि के महत्त्व पर चर्चा करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में सुनकर निर्देशों का पालन करने के कौशल का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में इन या आउट की अवधारणा की समझ का विकास हो सकेगा।

अन्य गतिविधि (निपुण भारत)

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'वाक्य बनाओ' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों के शब्द भंडार में वृद्धि करना।
- विद्यार्थियों में वाक्य निर्माण की समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री - पेपर, पेंसिल, चॉक आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक विद्यार्थियों के स्तर के अनुसार दो समूह में विभाजित कर लें तथा कुछ सार्थक शब्दों की सूची बना लेंगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक सभी विद्यार्थियों को गोल घेरे में बैठाकर गतिविधि के नियम बताएँगे। पहला उप समूह कोई भी सार्थक शब्द दूसरे उप समूह के लिए बोलेगा जिस पर उसे दो वाक्य बोलकर बताने है। इसी तरह आपस में उप समूह बदलते क्रम में कार्य करेंगे।

- सर्वप्रथम शिक्षक विद्यार्थियों को शब्द से वाक्य निर्माण करके बताएँगे।
- 5-5 बार शब्द बोलने के तीन चरण दोनों समूह में करवाएँगे।
- जो शब्द बोले जाएँ उनको बोलने वाले समूह पेपर पर लिखते रहेंगे।
- दोनों उपसमूहों के द्वारा बोले गए शब्दों को शिक्षक द्वारा श्यामपट्ट पर लिखा जाएगा।
- शिक्षक गतिविधि को रोचक बनाने के लिए श्यामपट्ट पर पॉइंट टेबल बना लेंगे।
- अंत में गतिविधि को लेकर विद्यार्थियों के अनुभव जानते हुए समेकन करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में वाक्य निर्माण की समझ तथा आपसी सहयोग की भावना विकसित हो पाएगी।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'आपके प्रशंसक' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को उनके मित्रों और परिवार के सदस्यों के साथ संबंधों को सशक्त करने में सहायता करना।
- विद्यार्थियों की भावनात्मक जागरुकता को सशक्त करना।
- विद्यार्थियों में अपने विचारों और भावनाओं को लेखन के माध्यम से व्यक्त करने की क्षमता विकसित करना।

आवश्यक सामग्री - ब्लैक बोर्ड, चार्ट, रंगीन पेंसिल, छोटे कार्ड्स आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक गतिविधि के दौरान इसका ध्यान रखें कि सभी विद्यार्थी नोट लिखे और उसे एक नोट प्राप्त हो।
- गतिविधि से पहले नोट लिखने की सामग्री का प्रबंध कर लेंगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक सर्वप्रथम विद्यार्थियों को एक मित्र के बारे में सोचने के लिए कहेंगे जिनकी वो सराहना करते हैं।
- विद्यार्थी कोई भी दो गुणों के बारे में सोचेंगे जो उन्हें अपने मित्र के बारे में अच्छी लगती है।
- अब विद्यार्थी उस मित्र के लिए एक नोट लिखे या चित्र बनाकर बताएँ कि उनके बारे में उन्हें क्या अच्छा लगता है उसे व्यक्त करे, जैसे- बात करने का तरीका, उनका सहायता करना आदि।
- शिक्षक विद्यार्थी को नोट को सजाने का निर्देश देंगे।
- इसके पश्चात् शिक्षक सभी विद्यार्थियों से वो नोट अपने मित्र को देने के लिए कहेंगे।
- विद्यार्थियों से साझा कराएँ कि नोट लिखने और प्राप्त करने के पश्चात् उन्हें कैसे अनुभव हुआ।
- गतिविधि के अंत में शिक्षक विद्यार्थियों को निर्देश दे सकते है कि अब वो अपने किसी परिवारजन के बारे में सोचे जिन्हें वो ऐसा ही एक नोट लिखना चाहते हैं।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में आत्मविश्वास एवं सकारात्मक प्रतिक्रिया देने की क्षमता का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में समानुभूति और दूसरों के प्रति समझ बढ़ सकेगी।

थीम- खेल-खेल में विज्ञान

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'बत्ती गुल' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य - दैनिक जीवन में होने वाली घटनाओं से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करना।

आवश्यक सामग्री - मोमबत्ती, माचिस ,काँच का गिलास आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - गतिविधि के दौरान शिक्षक ध्यान रखे की मोमबत्ती से कोई सामग्री ना जले।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक कक्षा में एक मोमबत्ती लाएँगे एवं विद्यार्थियों से पूछेंगे कि इसे जलाने के लिए किस वस्तु की आवश्यकता होगी। (अधिकतर विद्यार्थियों का उत्तर माचिस होगा)
- इसके बाद शिक्षक सभी विद्यार्थियों के मध्य एक मोमबत्ती को माचिस से जलाएँगे।
- मोमबत्ती जलने के कुछ देर बाद विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए शिक्षक मोमबत्ती पर कांच के गिलास को रख देंगे। कुछ देर मे विद्यार्थी देखेंगे कि मोमबत्ती बुझ गई। शिक्षक इसे एक बार और जलाएँगे और दोबारा गिलास रखकर इसके बुझने का इंतजार करेंगे।
- इस बार बुझने पर शिक्षक विद्यार्थियों से पूछेंगे कि मोमबत्ती किस कारण बुझ रही है। आगे की बातचीत में विद्यार्थियों की प्रतिक्रियाओं से जोड़ते हुए शिक्षक उन्हें यह जानकारी देंगे कि आग जलने के लिए हवा मे उपस्थित ऑक्सीजन भी एक महत्त्वपूर्ण तत्व है जिसके बिना आग नहीं जल सकती।
- गतिविधि के अंत में बातचीत के बाद शिक्षक विद्यार्थियों को स्वयं यह प्रयोग करने का अवसर देंगे।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी अपने आसपास के अनुभवों से जोड़कर वैज्ञानिक सिद्धांतों की प्रारंभिक समझ विकसित करेंगे।

विशिष्ट गतिविधि

(Be Smart - विद्यालयों में व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम)

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'वर्ड इन द बॉक्स' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य - विद्यार्थियों में अपना अनुभव साझा करने की समझ विकसित करना।

आवश्यक सामग्री - पेपर पर्ची, डिब्बा आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - गतिविधि के दौरान शिक्षक ध्यान रखे कि मोमबत्ती से कोई सामग्री ना जले तथा गतिविधि का अभ्यास करके भी दिखाएँ।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक अपनी कक्षा के विद्यार्थियों के अनुसार पेपर पर्ची बनाएँ।
- प्रत्येक एक पर्ची पर अंग्रेजी का एक शब्द लिखे जैसेः- Mango, Banana, Fan, Colour, Table, Chair, Village, Tree etc.
- शिक्षक इन सभी पर्चियों को एक बॉक्स में डाल देंगे।
- उस बॉक्स में से सभी विद्यार्थियों से एक-एक पर्ची उठाने को कहेंगे।

- विद्यार्थियों से उस पर्ची पर दिए शब्द के बारे में विस्तार से बताने को कहेंगे।
- विद्यार्थी अंग्रेजी या हिंदी जिस भाषा में वो सहज है, उस भाषा में उसे शब्द के बारे में बताने को कहेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में विविध उद्देश्यों के लिए अपनी भाषा और स्कूल की भाषा का उपयोग करने की क्षमता का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में अपनी बात खुल कर कह सकने, अपने निजी अनुभव साझा करने का कौशल का विकास हो सकेगा।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'कृतज्ञता का फोटो एल्बम' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को उनके सकारात्मक अनुभव साझा करने और उन्हें मान्यता देने के लिए प्रेरित करना।
- विद्यार्थियों को समूह चर्चा और सहयोग के माध्यम से सामाजिक कौशल सिखाना।

आवश्यक सामग्री - ब्लैक बोर्ड, चार्ट, रंगीन पेंसिल, रंगीन कागज आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक कुछ उदाहरण या परिस्थितियों की सूची तैयार कर लेंगे जो गतिविधि में सहायक हो।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों को उन अनुभवों का चित्र बनाने के लिए कहेंगे जिनका वे आभार प्रकट करते है और उन्हें उन अनुभवों से खुशी अनुभव होती है। जैसे – स्कूल की पिकनिक, अन्तराल में खेल आदि।
- विद्यार्थी ये सभी अनुभव छोटे-छोटे कार्ड्स पर बना लें और एल्बम तैयार कर लेंगे। इस दौरान शिक्षक कुछ प्रश्न पूछ सकते है या उदाहरण दे सकते हैं।
- इसके पश्चात् विद्यार्थी अपने एल्बम का प्रदर्शन करेंगे और बाकी विद्यार्थी उनका अवलोकन करेंगे।
- गतिविधि के अंत में शिक्षक चर्चा करेंगे कि एल्बम बनाने के दौरान क्या उन्हें कोई संवेदना अनुभव हुई जैसे- गुदगुदी, हल्का लगना आदि।

सीखने के प्रतिफल -

- चित्रण और एल्बम बनाने के माध्यम से विद्यार्थियों की सृजनात्मकता और अभिव्यक्ति कौशल में सुधार हो सकेगा।
- विद्यार्थी धन्यवाद कहने के महत्त्व को समझ सकेंगे और कृतज्ञता की भावना को अपने जीवन में अपना पाएँगे।

अन्य गतिविधि (निपुण भारत)

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'रीड अलाउड (अम्माची की खोज अनोखी)' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों में साक्षरता कौशल एवं रचनात्मकता का विकास करना।

आवश्यक सामग्री - चार्ट, कहानी से संबंधित प्रिंट आउट, मार्कर, पेन आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक गतिविधि से पूर्व गतिविधि से संबंधित आवश्यक जानकारी विद्यार्थियों को दें।
- शिक्षक सभी विद्यार्थियों को खेल के निर्देश समझाकर एक ट्रायल राउंड करवाएँ जिससें सभी विद्यार्थी खेल को अच्छे से समझ पाएँ।
- शिक्षक स्थानीय परिवेश के अनुसार आवश्यक सामग्री एवं गतिविधि का आयोजन कराएँ।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों को आरामदायक जगह पर एकत्र करेंगे जहाँ वे कहानी सुनने पर ध्यान केंद्रित कर सकें ।
- पुस्तक/कहानी के प्रिंट का मुखपृष्ठ दिखाएँगे और विद्यार्थियों से पूछेंगे कि वे क्या सोचते हैं कि कहानी किस बारे में होगी।
- कहानी को स्पष्ट आवाज में पढ़ेंगे।
- कहानी के दौरान विभिन्न पात्रों के लिए अपनी आवाज बदलेंगे और रोमांचक क्षणों पर बल देंगे।
- विद्यार्थियों को कहानी में सम्मिलित करने के लिए प्रश्न पूछेंगे जैसे - आपको लगता है कि अब क्या होगा ? या आप अम्मा की जगह होते तो क्या करते ?
- कहानी खत्म करने के बाद, विद्यार्थियों से उनके विचारों और भावनाओं पर चर्चा करेंगे।
- आप कहानी से संबंधित गतिविधियाँ भी कर सकते हैं, जैसे - चित्र बनाना, नाटक करना, पत्रिका लिखना, शब्दावली लिखवाना आदि।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में साक्षरता कौशल का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में रचनात्मकता, सामाजिकता, भावनात्मकता का विकास हो सकेगा।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - यादों का झरोखा — 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों को खुश और सुरक्षित अनुभव कराने वाले संसाधनों की खोज करना।

आवश्यक सामग्री - कागज, रंग, पेन आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक उदाहरण या परिस्थितियों की सूची तैयार कर लें जो गतिविधि में सहायक हो।

गतिविधि के चरण -

- सर्वप्रथम शिक्षक अपने जीवन के किसी ऐसे क्षण के बारे में विद्यार्थियों को बताएँगे जब उन्होंने अपने मित्रों के साथ बहुत आनंद का अनुभव किया हो।
- शिक्षक कोशिश करें कि वे इस क्षण को जितना गहराई में जाकर बता सकते हैं उतना ले जाए जैसे- ये किस समय की बात है, वो कैसे दिखते थे, उनके मित्रों का क्या नाम है, उन्होंने क्या-क्या किया, उससे क्या-क्या हुआ आदि।

- अब शिक्षक विद्यार्थियों को निर्देश देंगे कि "क्या आप हमें आपके कुछ यादगार पल बता सकते हैं जब आपने आपके मित्र के साथ मस्ती की थी ? क्या आपने भी अपने किसी मित्र की सहायता की थी ? या आपको किसी मित्र ने सहायता की थी ? उन्होंने आपकी सहायता या आपने उनकी सहायता क्यों की होगी ?
- आप इन पलों को चित्र के माध्यम से या अपने शब्दों में भी लिख सकते हैं।
- जब आप इन पलों के बारे में सोच रहे हो या लिख रहे हो तो ये जरूर देखना आपको कैसा अनुभव हो रहा है।
- गतिविधि के अंत में शिक्षक विद्यार्थियों की समस्त जिज्ञासाओं का समाधान करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी इस गतिविधि से अपने आसपास मौजूद ऐसे संसाधनों की खोज कर पाएँगे जो उन्हें कठिनाई के पलों में सहायता कर सकेंगे।
- विद्यार्थी करुणा और प्यार के व्यावहारिक स्वरुप की पहचान कर सकेंगे।

अन्य गतिविधि

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - जल संरक्षण एवं पेड़ 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में जल संरक्षण के बारे में समझ बनाना।
- विद्यार्थियों को पेड़ों के महत्त्व के बारे में समझाना।

आवश्यक सामग्री - प्लास्टिक की खाली बोतल, बेकार मटके, लोहे की कील आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक गतिविधि से पूर्व संबंधित आवश्यक सामग्री एकत्र कर लेंगे तथा महत्त्वपूर्ण चरणों के बारे में नोट कर लेंगे जिससें गतिविधि के समय समस्या न हो।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों को घर से खाली मटके लाने या आसपास से प्लास्टिक की खाली बोतलें एकत्र करने को कहेंगे।
- इसके पश्चात् शिक्षक विद्यार्थियों को प्लास्टिक की खाली बोतलों या मटकों में लोहे की कील से उनके निचले आधे हिस्से में छेद करना बताएँगे। तत्पश्चात् विद्यार्थी भी ऐसा करेंगे।
  (गतिविधि के समय गतिविधि सामग्री का उपयोग सावधानी से करें)
- इसके बाद शिक्षक विद्यार्थियों को चिह्नित पेड़ों के तने के पास उतना गहरा गड्ढा करने को कहेंगे जितना चिह्नित बोतल या मटके को मुँह तक दबाया जा सके।
- अंत में शिक्षक विद्यार्थियों को बोतल या मटकों को चिह्नित पेड़ों के पास दबाएँगे और उसके बाद उन्हें पानी से भरकर उसका मुँह ढक्कन से बंद कर देंगे। इस प्रकार चिह्नित पेड़ बूँद-बूँद विधि से सिंचित होते रहेंगे और ग्रीष्मकाल में कम पानी में जीवित बने रहेंगे।
- अंत में शिक्षक गतिविधि से संबंधित जिज्ञासाओं पर चर्चा करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में जल संरक्षण एवं पेड़ों के महत्त्व के बारे में समझ का विकास हो सकेगा।

- विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरुकता एवं पर्यावरण सुरक्षा में अपना योगदान के प्रति समझ विकसित हो सकेगी।

थीम- बालसभा - मेरे अपनों के संग

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - कोलाब्रेटीव आर्ट 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में समूह में कार्य करते हुए सहयोग करना और किसी सामूहिक लक्ष्य/परिणाम को प्राप्त करना।
- विद्यार्थियों में प्रारंभिक स्तर पर रचनात्मकता और नए विचारों को प्रेरित करना।
- विद्यार्थियों में समावेशिता और अपनेपन की भावना का विकास करना।
- विद्यार्थियों में समस्या समाधान कौशल और सामाजिक संबंध की भावना का विकास करना।

आवश्यक सामग्री - चार्ट शीट्स (30-60), पेंसिल (30-60) रबर (30-60), मोम कलर (10 पैकेट), घंटी या गाना बजाने का वाद्य, टाइमर, चार्ट शीट्स को आपस में चिपकाने के लिए पारदर्शी टेप आदि।
(चार्ट शीट्स उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में A4 साइज पेपर का उपयोग किया जा सकता है)

शिक्षक के लिए गतिविधि की पूर्व तैयारी हेतु निर्देश -

- गतिविधि शुरू करने से पहले आवश्यक सामग्री विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में जुटा लें।
- समूह का आकार - 60 से 80 विद्यार्थी रख सकते हैं।
- गतिविधि करवाने से पहले गतिविधि स्थल का चुनाव (विद्यालय का मैदान या बड़ा बरामदा / हॉल, जहाँ सभी विद्यार्थी आयताकार समूह आकृति में एक-दूसरें के पास आरामदायक तरीके से बैठ सकें और अपना स्थान बदल सकेंगे।
- विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में चार्ट शीट्स (एक चार्ट शीट्स पर अधिकतम दो विद्यार्थी) को लेकर आपस में पारदर्शी टेप से हल्कें से चिपका लें एवं उनको आयताकार आकार में व्यवस्थित कर देवें। जिससें गतिविधि के दौरान चार्ट शीट्स अपनी जगह से हिल - डुल नहीं सकेें।
- गतिविधि शुरू करने से पहले प्रत्येक चार्ट शीट्स पर दो-दो पेंसिल, रबर और 4-5 मोम कलर रख देवें।
- गतिविधि शुरू करने से पहले विद्यार्थियों को पुस्तकालय की पुस्तक से कोई भी रोचक चित्रकथा पुस्तक की सहायता से सुनाएँ और विद्यार्थियों से पुस्तक में आए चित्रों पर चर्चा करें।
- गतिविधि शुरू करने से पहले विद्यार्थियों को अपनी बारी आने पर चार्ट शीट्स को अपनी जगह ही बनाए रखने, पेंसिल, रबर और कलर को उसी चार्ट पेपर के पास रख देने के लिए सूचित करें जिससें अगला आने वाला विद्यार्थी सामग्री का उपयोग कर सकें। विद्यार्थियों द्वारा माँगने पर कलर, रबर और रंग एक-दूसरें को साझा करने के बारे में भी आवश्यक रूप से बताएँ।
- विद्यार्थियों को सहजकर्ता द्वारा गतिविधि के दौरान दिए जाने वाले निर्देशों को ध्यान से सुनने के बारे में बताएँगे।
- गतिविधि शुरू करने के तुरंत पहले विद्यार्थियों को आयताकार रूप से जमे हुए चार्ट के सामने विद्यार्थियों को खड़ा करें (एक चार्ट पर दो विद्यार्थी) और विद्यार्थियों को अनुमान लगाने के लिय कहें की बताइए हम अब क्या करने वाले है ? सभी विद्यार्थियों के प्रत्युत्तर को सम्मान पूर्वक सुनें। गतिविधि के बारे में विद्यार्थियों को पहले कुछ भी नहीं बताएँगे।

- इस गतिविधि के तीन चरण है। विद्यार्थियों को प्रत्येक चरण के निर्देश अलग-अलग दें जैसे- प्रथम चरण पूरा हो जाने पर ही दूसरे चरण के निर्देश देंगे। दूसरा चरण पूरा हो जाने पर तीसरे चरण के निर्देश देंगे।

गतिविधि के चरण -

1. **प्रथम चरण** - सभी विद्यार्थियों को आयताकार आकृति में जमाए गए चार्ट शीट्स के सामने खड़ा कर देंगे (एक चार्ट पर दो विद्यार्थी) और विद्यार्थियों को आगे होने वाली गतिविधि के बारे में अनुमान लगाने के लिए पूछेंगे।
   - विद्यार्थियों को एक रोचक चित्रकथा पुस्तक की सहायता से कहानी सुनाएँगे एवं पुस्तक के चित्रों पर कुछ प्रश्नों के माध्यम से चर्चा करेंगे जैसे चित्र कैसे थे ? चित्रों में क्या-क्या अलग था या आनंददायक था ? इत्यादि।
   - अब विद्यार्थियों को प्रत्येक चार्ट पर पेंसिल से आड़ी-तिरछी, गोल-मोल यादृच्छिक रेखाएँ बनाने के लिए कहेंगे। विद्यार्थियों को बताएँगे की पेंसिल चार्ट पेपर से उठानी नहीं है। यह प्रक्रिया एक मिनट तक चलने देंगे और साथ ही घंटी या गाना भी साथ साथ बजाएँगे। एक मिनट के बाद टाइमर की सहायता से घंटी या गाना बजाना बंद करेंगे और विद्यार्थियों को अपने दाई ओर के चार्ट पर चले जाने को कहेंगे। इस प्रकार सभी बच्चें अपने दाई ओर खिसक जाएँगे और अपने चार्ट से अगले चार्ट पर पहुँच जाएँगे।
   - अब विद्यार्थियों को घंटी बजते ही अगले एक मिनट तक अपने सामने के चार्ट पर पुनः आड़ी-तिरछी, गोल-मोल यादृच्छिक रेखाएँ बनाने के लिए कहेंगे। इस प्रकार यह क्रम 10 बार (एक-एक मिनट करके कुल 10 मिनट) तक दोहराएँगे और प्रत्येक एक मिनट बाद विद्यार्थियों को अपने से अगले चार्ट पर जाने के लिए कहेंगे। इस प्रकार प्रत्येक चार्ट पर आड़ी-टेढ़ी, सीधी-तिरछी गोल-मोल रेखाओं का जाल चित्रित हो जाएगा।

2. **दूसरा चरण -** अब विद्यार्थियों को चार्ट पर जो अलग-अलग रेखाओं का जाल चित्रित हुआ है उसको अगले दो मिनट तक ध्यान से देखने/अवलोकन करने के बारे में कहेंगे और बताएँगे कि इस रेखाओं के जाल में कई सारी आकृतियाँ छुपी हुई है। जैसे- शेर, खरगोश, मछली, पेड़, आदमी, कंगन, पत्ती, फूल, टेबल, कुर्सी, घर, तारे, चूहा, बिल्ली आदि अन्य कई आकृतियों को ढूँढने के लिए कहेंगे। इन दो मिनट के अवलोकन के दौरान घंटी/गाना बजाएँ रखेंगे।
   - जब सभी बच्चें दो मिनट तक चार्ट पर अवलोकन कर लेंगे तब टाइमर से गाना/घंटी बजाना बंद कर देंगे एवं गाना बंद होते ही विद्यार्थियों को अपने से अगले चार्ट पर खिसक जाने को कहेंगे।
   - जब विद्यार्थियों अपने से अगले चार्ट पर चले जाएँगे तब दो मिनट तक घंटी/गाना बजने के दौरान विद्यार्थियों के सामने के चार्ट पर कोई आकृति को ढूँढने और उसकी आकृति को पेंसिल से हाईलाइट करने के बारे में निर्देश देंगे। दो मिनट के बाद घंटी बजाना बंद कर देंगे एवं विद्यार्थियों को अपने से अगले चार्ट पर जाने के लिए कहेंगे। इस प्रकार यह क्रम कम से कम 15 बार दोहराएँ (कुल तीस मिनट तक)।

3. **तीसरा चरण** – जब विद्यार्थी प्रत्येक चार्ट पर कुछ आकृतियाँ पेंसिल से हाईलाइट कर लेंगे तब विद्यार्थियों को एक-एक मिनट में घंटी/गाना बजाते हुए एक से दूसरे, दूसरे से तीसरें चार्ट पर खिसकते हुए अपनी पसंद के रंग भरने के लिए कहेंगे। इस प्रकार सभी विद्यार्थियों को प्रत्येक चार्ट में कई आकृतियों में अपनी पसंद के रंग भरने का अवसर मिलेगा।

- विद्यार्थियों को पूरे आयताकार आकृति के चार्ट शीट्स पर बने चित्रों को देखने का अवसर देंगे और अंत में जब विद्यार्थी सभी चार्ट में आकृतियों में रंग भर देंगे तब गतिविधि समाप्ति की घोषणा करेंगे।

इसके गतिविधि बाद विद्यार्थियों से समूह चर्चा करेंगे जिसमें विद्यार्थियों से कुछ प्रश्न किए जा सकते है -

1. इस गतिविधि को करते हुए आपके मन में क्या विचार आ रहे थें ?
2. जब आपने किसी दूसरे का अधुरा चित्र पूरा किया तो आपको कैसा लगा और आपने क्या विचार किया ?
3. जब आपने गतिविधि समाप्त होने के बाद सभी चार्ट्स का अवलोकन किया तो गतिविधि शुरू होने से पहले और गतिविधि समाप्त होने के बाद क्या अनुभव हुआ ?
4. गतिविधि करने के दौरान सबसे अच्छा और चुनौतीपूर्ण क्या लगा ?

गतिविधि पूरी हो जाने के बाद बने हुए चार्ट शीट्स को ज्यों का त्यों लंबाई में किसी कक्षा-कक्ष या हॉल में चिपका देवें जो अगले कई दिनों तक विद्यार्थियों को रोचक और आनंददायी गतिविधि के बारे में सोचने और कुछ और चित्र बनाने के लिए प्रेरित करेगा।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में प्रारंभिक स्तर पर विद्यार्थियों को रचनात्मकता की और अग्रसर होंगे।
- विद्यार्थियों में समूह में कार्य करने की भावना का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में समावेशिता और अपनेपन की भावना का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में समस्या समाधान कौशल का विकास हो सकेगा।

अन्य गतिविधि

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'खजाने की खोज' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

- विद्यार्थी गतिविधि के माध्यम से टीमवर्क की भावना एवं निर्देशों की पालना करने की भावनाओं के बारे में समझ बनाना।
- विद्यार्थियों में खोज प्रवृत्ति का विकास करना।

आवश्यक सामग्री - कहानी की पुस्तकें, अन्य पुस्तकें (जो विद्यालय में आसानी से उपलब्ध हो), रंगीन पेन/पत्थर, एक समान रंगीन डिब्बे/ फ्लैश कार्ड/ नोटबुक, पेन आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक गतिविधि से संबंधित आवश्यक सामग्री तैयार कर लेंगे।
- शिक्षक गतिविधि को समझ कर सर्वप्रथम स्वयं करके विद्यार्थियों को दिखाएँ जिससें गतिविधि के समय समस्या न हों।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों के स्तर की 10-15 पुस्तकों के संकेत बना लेंगे और यह संकेत कवर पेज या कहानी के शीर्षक से बनाएँगे। अब इन पुस्तकों के साथ कुछ और पुस्तकें मिला कर कक्षा में 2-3 जगह प्रदर्शित कर देंगे।
- तत्पश्चात् विद्यार्थियों को छः उपसमूह में विभाजित कर देगें और उनको निर्देश देंगे कि विद्यार्थियों को संकेत के आधार पर पुस्तक खोजनी है और जो पुस्तक मिलें उस पुस्तक शिक्षक को लाकर दिखाएँगे क्या यह पुस्तक आपके संकेत वाली है या नही।
- विद्यार्थियों के द्वारा खोजी गई पुस्तक में एक संकेत और होगा उसके आधार पर दूसरी पुस्तक खोजेगें।
- दोनों पुस्तकों के मिल जानें के पश्चात् विद्यार्थियों के समूह द्वारा उन पुस्तकों को साथ में पढ़ा जाएँगा।

नोट - शिक्षक इस गतिविधि के साथ अन्य गतिविधि या अन्य सामग्री से भी गतिविधि करा सकते है।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थियों में टीमवर्क की भावना, निर्देशों की पालना, निर्णय लेने के कौशल आदि का विकास हो सकेगा।

दिसंबर 2025

थीम- आओ राजस्थान को जानें

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2)

गतिविधि का नाम - कहानी वीरांगनाओं की 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - राजस्थान की वीरांगनाओं (पन्नाधाय, अमृता देवी, कालीबाई इत्यादि स्थानीय वीरांगनाओं) द्वारा किए गए अदम्य, साहस और त्याग से विद्यार्थियों को परिचित करवाना। **(कोई दो वीरांगनाओं पर)**

आवश्यक सामग्री - पन्नाधाय, अमृता देवी, कालीबाई एवं स्थानीय वीरांगनाओं के चित्र इत्यादि।

शिक्षक हेतु निर्देश - विद्यार्थियों को बारी – बारी से चित्र दिखाते हुए कहानी के रूप में राजस्थान की वीरांगनाओं की गाथा अभिनय करते हुए सुनाएँ।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक किसी एक वीरांगना का चित्र दीवार पर लगाकर उनके द्वारा किये गए अदम्य साहस और त्याग की विद्यार्थियों को अभिनय के साथ कहानी सुनाएँगे।
- कहानी सुनाने के बाद विद्यार्थियों से चर्चा करेंगे।
- चर्चा उपरांत दूसरी वीरांगना का चित्र दिखाते हुए उनके द्वारा किये गए अदम्य साहस और त्याग की विद्यार्थियों को अभिनय के साथ कहानी सुनाएँगे।
- कहानी सुनाने के बाद विद्यार्थियों से चर्चा करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों को राजस्थान की वीरांगनाओं के अदम्य साहस और त्याग से परिचय हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में राजस्थान की वीरांगनाओं के प्रति आदर और सम्मान की भावना का विकास हो सकेगा।

समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'गाथा वीरों की (रोल प्ले)' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य - राजस्थान के वीर महापुरुषों (महाराणा प्रताप, गोरा - बादल, राणा सांगा, सूरजमल जाट, दुर्गादास इत्यादि स्थानीय वीर महापुरुषों) द्वारा किये गए अदम्य साहस, त्याग और देशभक्ति से विद्यार्थियों को परिचित करवाना। **(कोई दो)**

आवश्यक सामग्री - महाराणा प्रताप, गोरा-बादल, राणा सांगा, सूरजमल जाट, दुर्गादास एवं स्थानीय वीर महापुरुषों के चित्र, वेशभूषा सामग्री (आवश्यक हो तो) इत्यादि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- विद्यार्थियों को एक दिवस पूर्व महापुरुषों के पात्रों का अभिनय हेतु पोशाक आदि सामग्री के लिए बताएँगे।
- विद्यार्थियों को अभिनय प्रस्तुति के बारे में जानकारी प्रदान करें जिससें विद्यार्थी तैयारी कर सकेंगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक किसी वीर महापुरुष का चित्र दीवार पर लगाकर उनके द्वारा किए गए अदम्य साहस, त्याग और देशभक्ति के विषय में विद्यार्थियों को बताएँगे।

- विद्यार्थी अभिनय (एकल/सामूहिक) द्वारा प्रस्तुति देंगे।
- प्रस्तुति उपरांत दूसरे महापुरुष का चित्र दिखाते हुए उनके द्वारा किए गए अदम्य साहस, त्याग और देशभक्ति के विषय में विद्यार्थियों को बताएँगे।
- विद्यार्थी अभिनय (एकल/सामूहिक) द्वारा प्रस्तुति देंगे।
- प्रस्तुति उपरांत विद्यार्थियों को अन्य स्थानीय महापुरुषों के चित्र दिखाते हुए उनके द्वारा किए गए अदम्य साहस, त्याग और देशभक्ति के विषय में विद्यार्थियों के साथ चर्चा करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी राजस्थान के वीर महापुरुषों द्वारा किये गए अदम्य साहस, त्याग और देशभक्ति से परिचित हो सकेंगे।
- विद्यार्थियों में राजस्थान के वीर महापुरुषों के प्रति आदर और सम्मान की भावना का विकास हो सकेगा।

विशिष्ट गतिविधि

सामाजिक सरोकार

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम- साथी बनो सहायता करो 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य-

- विद्यार्थियों में सहयोग और समानुभूति की भावना विकसित करना।
- टीमवर्क और परस्पर सहायता के महत्त्व को समझाना।
- कक्षा में सकारात्मक और सहयोगी वातावरण बनाना।

आवश्यक सामग्री-

- विद्यार्थियों के नाम की सूची और जोड़ी बनाने के लिए कार्ड।
- प्रशंसा पत्र या छोटे पुरस्कार।

शिक्षक हेतु निर्देश – गतिविधि के अनुसार निर्देश देंगे।

गतिविधि के चरण-

चरण 1- जोड़ी बनाना

- शिक्षक प्रत्येक विद्यार्थी को एक साथी विद्यार्थी के साथ जोड़े, जिससे सभी को एक सहायक साथी मिल जाए।

चरण 2- सप्ताहभर की सहायता

- अगले एक सप्ताह तक प्रत्येक विद्यार्थी अपने साथी की पढ़ाई, खेल या अन्य गतिविधियों में सहायता करेगा।

  उदाहरण- गृहकार्य में सहायता करना, खेल में साथ देना या किसी कठिनाई में सहयोग करना।

चरण 3- अनुभव साझा करना

- सप्ताह के अंत में प्रत्येक जोड़ी कक्षा के सामने अपने अनुभव साझा करेगी।

  जैसे- उन्होंने एक-दूसरे की कैसे सहायता की ?

  उन्हें कैसा अनुभव हुआ ?

उन्होंने क्या नया सीखा ?

चरण 4- प्रशंसा और पुरस्कार

- शिक्षक सभी विद्यार्थियों की भागीदारी की सराहना करेंगे और श्रेष्ठ सहायक जोड़ी को एक छोटा पुरस्कार या प्रशंसा पत्र देंगे।

सीखने के प्रतिफल:-

- विद्यार्थियों में सहयोग और समानुभूति की भावना का विकास हो पाएगा।
- कक्षा में सकारात्मक और सहयोगी वातावरण की स्थापना हो सकेगी।
- विद्यार्थियों के बीच श्रेष्ठतर समझ और मित्रता का निर्माण हो सकेगा।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'मन डब्लू' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को चिंतन करने के लिए प्रेरित करना कि विभिन्न गतिविधियाँ से उनका मन उन्हें कैसा अनुभव करता हैं।
- विद्यार्थियों को अपनी दिनचर्या की गतिविधियों पर ध्यान देने के लिए प्रेरित करना।

आवश्यक सामग्री - ब्लैक बोर्ड, रंगीन पेंसिल, कागज, गिलास या जार जिसमे साफ पानी हो, रेत (ठीक-ठीक विचार या भावना के लिए), चमकीली वस्तु या रंगीन कागज (खुशी के पल के लिए) और कंकर (मुश्किल पल के लिए)।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- अपने मन को समझने के लिए गिलास या जार तथा अन्य सामग्री का उपयोग करें।
- आप नीचे दी गयी कहानी की सहायता से यह गतिविधि कर सकते है, या फिर अपने विद्यार्थियों के परिस्थिति अनुसार कहानी बना भी सकते है।
- छोटे-छोटे समूह में एक जार, थोड़ी रेत, चमकीली वस्तु और कंकर दें।
- उन्हें बताएँ कि जैसे-जैसे आप कहानी कहते जाएँगे वो अपनी समझ के अनुसार इन तीन वस्तु में से कोई भी जार में डालें।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक गतिविधि की आरंभ करेंगे कि दिनचर्या में हम जो भी गतिविधि करते है उसका क्या महत्त्व है ? विद्यार्थी अपने दिन की छोटी-छोटी गतिविधियों पर ध्यान लगाएँगे।
- इसके पश्चात् शिक्षक पानी से भरा एक गिलास या जार लेंगे और रेत, कंकर और चमकीली वस्तु अपने साथ रख लेंगे।
- अच्छे विचारो के लिए चमकीली वस्तु, बुरे विचारो के लिए कंकड़ एवं सामान्य विचारो के लिए रेत डालेंगे।
- शिक्षक कहानी सुनते समय विद्यार्थियों को अलग-अलग सामग्री का उपयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे जो उनके कहानी में आए पात्र की मन की कई विचारों और भावनाओं को दर्शाता है।

- शिक्षक विद्यार्थियों को जार को लकड़ी से हिलाने को कहे, जिसे पानी मटमैला हो जाए।
- इसके पश्चात् विद्यार्थी छोटे समूह में साझा करेंगे कि इस समय उनके मन में कौन सा कंकर, चमकीली वस्तु या रेत है।
- शिक्षक विद्यार्थी से यह भी पूछ सकते है यदि जार की तरह हमारा मन भी हमेशा मटमैला रहा तो क्या होगा ? क्या वो कुछ भी नया सिख पाएँगे ? साफ से चीजे देख पाएँगे ?
- गतिविधि के अंत में विद्यार्थी घर जाकर छोटी-छोटी गतिविधियों पर ध्यान लगाएँ और चिंतन करेंगे कि वो कैसा अनुभव कर रहे हैं।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी अपनी और दूसरों की भावनाओं के प्रति अधिक संवेदनशील और समझदार बन सकेंगे।
- विद्यार्थियों में विभिन्न गतिविधियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हो सकेगा।

कहानी

एक दिन मीरा सुबह उठी और उसकी नजर घड़ी की तरफ गई और उसने देखा कि वह स्कूल के लिए देर हो गई है। मीरा को कैसा लग रहा होगा उस अनुसार आप पानी मे ं वस्तु डालिए, फटाफट से डाल दीजिये, बहुत अच्छा, लेकिन जैसे ही मीरा ने खिड़की से बाहर देखा तो उसे बारिश की बूंदें और खुशबू का अनुभव हुआ क्योंकि मीरा को बारिश बहुत पसंद है। अब आप क्या डालेंगे पानी मे ं, फटाफट से डाल दीजिए, फिर जब वह उठकर नहाने के लिए जा रही थी तो देखा उसकी बहन ने पानी को खत्म कर दिया है और उसे पानी भरने जाना पड़ेगा अब मीरा को क्या अनुभव हुआ होगा मीरा को फिर वहाँ नाश्ता करके स्कूल की तरफ जाने लगी वह उसी रास्ते से स्कूल रोज ाना जाती ह ै। मीरा को कैसा लग रहा होगा स्कूल के रास्ते में उसके अन्य मित्र भी मिलें और वह लोग बात करते करते विद्यालय जा रहे थे। मीरा को कैसा लग रहा होगा अब इस गिलास में भरे सभी वस्तुओं को किसी लकड़ी की सहायता से घोल दो क्या आपको पानी साफ दिख रहा है। जैसे पहले दिख रहा था नहीं ना मीरा का मन भी शायद ऐसा ही दिखता होगा अगर हमें इस को साफ करना है और चीज़ों को ठीक से देखना है तो अभी इस गिलास या डिब्बे का क्या करना होगा सोच के बताओ ? क्या हमारा मन भी ठीक ऐसे ही बह ुत सारे विचार भावना और यादों से भरा होता है ! कुछ तो अच्छी होती है पर कुछ मुश्किल और कुछ ठीक, हम क्या कर सकते हैं ? अपने मन को साफ रखने के लिए वस्तुओं को ठीक से सोच पाने के लिए और सही तरीके से सभी काम करने के लिए और तभी तो हम ठीक स्तर में रह पाएँगे है न तो आज का यह काम पूरा हुआ लेकिन आप यह जरुर बताओ कि अगर पानी साफ तरीके से देखना हो तो हमें क्या करना पड़ेगा ? आपको यह याद रखना है कि आप किसी भी वस्तु को फेंक या निकाल नहीं सकते जो जैसा है उसे वैसा ही रहने देना होगा और फिर बताना होगा कि यह पानी साफ कैसे हो पाएगा ?

थीम- भाषाई समझ से अभिव्यक्ति की ओर

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2)

गतिविधि का नाम - छुओ और पहचानों 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -विद्यार्थियों में सोचने - समझने एवं अनुमान लगाने की क्षमता का विकास करना।

आवश्यक सामग्री - पेन, डस्टर, चॉक, पेंसिल, पुस्तक, मोबाइल, गिलास, कंकड़ तथा कक्षा में उपलब्ध अन्य वस्तुएँ आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक यह गतिविधि कराने से पहले ऊपर दी गई वस्तुएँ एकत्र करके कक्षा में रख लेंगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक कक्षा के सभी विद्यार्थियों को निर्देश देंगे कि आज हम एक गतिविधि करने वाले हैं जिसमें एक विद्यार्थी आएगा और उसकी आँखों पर रूमाल या दुपट्टा बंधा होगा विद्यार्थी टेबल पर रखी वस्तुओं में से एक-एक वस्तु को उठाकर बताएँगे कि वह वस्तु क्या है ?
- इस तरह से सभी विद्यार्थियों एक-एक करके सभी वस्तुओं को छूकर या आवाज सुनकर उनका नाम बताएँगे।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी वस्तुओं पर अपना अनुमान लगाना सीखेंगे तथा सोचने-समझने की क्षमता विकसित हो सकेंगी।

समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - रीड अलाउड (लाइटनिंग) 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में सुनकर समझने की क्षमता का विकास करना।
- विद्यार्थियों को पढ़ने के तरीके से परिचित होना तथा शब्द भंडार बढ़ाना।
- कहानियों में घटनाक्रम को समझना।
- विद्यार्थियों में पढ़ने के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

आवश्यक सामग्री - रीड अलाउड के 'लाइटनिंग' पुस्तक आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक विद्यार्थियों द्वारा दी गई प्रतिक्रिया को ध्यान से सुनें।

नोट -शिक्षक स्कूल पुस्तकालय से कोई और पुस्तक का चयन करके भी यह गतिविधि करा सकते है।

पठन पूर्व गतिविधि -

- विद्यार्थियों को सबसे पहले " लाइटनिंग" के मुखपृष्ठ पर चर्चा करने के लिए निम्नलिखित प्रश्न करेंगे एवं उनकी प्रतिक्रिया को ध्यान से सुनेंगे -
  - चित्र में आपको क्या - क्या दिखाई दे रहा है ?
  - ये क्या कर रहे होंगे ? कहानी का नाम हैं लाइटनिंग तो इस आधार पर बताओ कहानी में क्या हो रहा होगा ?
- इसके बाद कहानी, लेखक, प्रकाशक, चित्रांकनकर्ता का नाम बताएँगे।

पठन के दौरान गतिविधि -

- कहानी को हाव-भाव, उचित गति, उतार-चढ़ाव के साथ पंक्तिबद्ध अँगुली रखते हुए पढ़ेंगे एवं विद्यार्थियों को भी साथ-साथ पढ़ने हेतु प्रोत्साहित करेंगे जिस पृष्ठ को पढ़ रहे हैं उस पृष्ठ के चित्र भी साथ-साथ दिखाते जाएँगे।
- हो सकता हैं कुछ विद्यार्थी आपके साथ पढ़ रहे हो और कुछ आपके पीछे-पीछे पढनें या दोहराने की कोशिश कर रहे हों, कुछ सिर्फ देख रहे हो। आप धैर्य बनाएँ रखेंगे और जो पीछे-पीछे दोहरान जैसा कर रहे हैं उन्हें साथ-साथ पढ़ने को कहेंगे दूसरे जो नहीं बोल रहे उन्हें भी प्रोत्साहित करेंगे।
- कहानी को पंक्तिबद्ध विद्यार्थियों के साथ पूरी पढ़ेंगे।

पठन के पश्चात् गतिविधि-

कहानी पूरी होने के बाद विद्यार्थियों से निम्नलिखित प्रश्न करें -

- इस कहानी में लाइटनिंग कौन थी ?
- आपको क्या क्या करना पसंद हैं ?
- क्या आप इस तरह कि कोई कहानी लिख सकते हो ? तो क्या लिखोगे ?

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी कहानी को सुनकर कहानी के घटनाक्रम पर समझ बना पाएँगे।
- विद्यार्थियों में कहानी में आए नवीन शब्दों को सीखने का कौशल विकसित हो सकेगा।
- विद्यार्थी कहानी के घटनाक्रम के आधार पर अपने अनुभवों को जोड़ पाएँगे।

अन्य गतिविधि (एक भारत, श्रेष्ठ भारत)

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'स्थानीय बोलियाँ' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को राजस्थान और असम राज्य की प्रमुख बोलियों के बारे में जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को राजस्थान और असम राज्य के इतिहास और सांस्कृतिक महत्त्व बारे में बताना।

आवश्यक सामग्री- चार्ट, पेंसिल, प्रमुख बोलियाँ, सूची आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- सर्वप्रथम शिक्षक राजस्थान की प्रमुख बोलियों (मारवाड़ी, मेवाड़ी, शेखावाटी, हरियाणवी, वागड़ी, ढूँढाडी आदि) एवं असम राज्य की प्रमुख बोलियों (असमी, बड़ो, गारो, मिसिंग, राभा आदि) के बारे में जानकारी प्राप्त कर लें।
- शिक्षक को गतिविधि से पूर्व दोनों राज्यों से संबंधित प्रमुख बोलियों की सूची बना लें।

गतिविधि के चरण (प्रक्रिया) -

- शिक्षक सर्वप्रथम विद्यार्थियों को पांच समूह (कक्षावार) बनाएँगे तथा उन्हें अपने आसपास बोली जाने वाली बोलियों के बारे में पाँच बिंदू लिखवाएँगे तथा प्रस्तुतीकरण करवाएँगे।
- इसके पश्चात् शिक्षक वीडियो एवं ऑडियो के माध्यम से एक-एक करके प्रमुख बोलियों के उदाहरण देंगे साथ - साथ में सामूहिक एवं व्यक्तिगत उच्चारण करवाएँगे।

- गतिविधि के दौरान शिक्षक प्रमुख बोलियों के नाम राज्यवार अलग-अलग लिखेंगे तथा उनसे संबंधित प्रमुख बिंदुओं को लिखवाएँगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी में विभिन्न बोलियों के बारे में जानने से विभिन्न संस्कृतियों के प्रति सम्मान और सराहना की भावना विकसित हो पाएगी।
- विद्यार्थी विचारों की अभिव्यक्ति, एक-दूसरें के विचारों को सुनने एवं सम्मान व्यक्त की भावना का विकास होगा।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'क्षमा करना और माँगना' 60मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को स्वयं को और दूसरों को क्षमा करने के शब्दों को सीखना।
- क्षमा और भावनाओं के संबंध को समझना।

आवश्यक सामग्री - रंगीन कागज, रंगीन पेंसिल आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक क्षमा माँगने और क्षमा करने के लिए विद्यार्थी जो शब्द उपयोग करते है उसकी सूची बना लेंगे।
- शिक्षक कुछ उदाहरण या परिस्थितियों की सूची तैयार कर लेंगे जो गतिविधि में सहायक हो।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थी के साथ क्षमा पर चर्चा करेंगे
  - आपने कब क्षमा माँगी थी या कब आपने क्षमा शब्द का उपयोग किया था और क्यों?
  - क्या कक्षा में किसी ने आपसे कभी क्षमा माँगी? उन्होंने आपसे क्या कहाँ?

- इसके पश्चात् विद्यार्थी उन अनुभवों पर साझा करेंगे जब उन्होंने कोई गलती की और कैसा अनुभव किया?
- शिक्षक विद्यार्थियों के उत्तर के माध्यम से क्षमा की शब्दावली का निर्माण करेंगे और कक्षा के एक कोने में 'क्षमा माँगने के शब्द' का चार्ट बनाएँगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी क्षमा के शब्दों की समझ बनाएँगे।
- विद्यार्थी क्षमा के लाभ और प्रभाव के बारे में जानेंगे।

थीम- स्वस्थ राजस्थान-सशक्त राजस्थान

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'डिब्बा पास गतिविधि' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में टीम वर्क, नेतृत्व और अनुसरण कौशल विकसित करने की क्षमता का विकास करना।
- विद्यार्थियों में गतिविधि के समय प्रबंधन एवं इसके महत्त्व के बारे में जानने की क्षमता का विकास करना।

आवश्यक सामग्री - कहानी के नाम की पर्ची/ प्रिंट आउट, डिब्बा, पुस्तकालय की पुस्तके, मोबाइल, स्पीकर आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक सर्वप्रथम गतिविधि से संबंधित प्रिंट आउट या पर्ची आवश्यक रूप से तैयार कर लेंगे।
- शिक्षक गतिविधि को समझ कर सर्वप्रथम स्वयं करके देख लें जिससें गतिविधि के समय समस्या न हों।
- पुस्तकों का चयन विद्यार्थियों के स्तरानुसार ही रखेंगे।

गतिविधि के चरण -

- सर्वप्रथम शिक्षक सभी विद्यार्थियों को खुली जगह/आरामदायक स्थान पर बैठाएँ तथा गतिविधि से संबंधित निर्देश स्पष्ट रूप से बताएँगे, आवश्यक कहानियों के मुख्य पेज के प्रिंट आउट या पर्ची को बॉक्स या डिब्बे में रखेंगे तथा उससे संबंधित कहानियों की पुस्तकों को दरी या फर्श पर इस प्रकार फैलाए की पुस्तक का मुख्य पेज स्पष्ट रूप से दिखाई देवें।
- इसके पश्चात् शिक्षक मोबाइल या स्पीकर में रिंगटोन बजाएगे तब विद्यार्थी डिब्बे को आगे पास करते जाएँगे तथा जैसे ही रिंगटोन बजना बंद होती है तब जिस विद्यार्थी के पास डिब्बा है वह उस डिब्बे में से एक पर्ची निकालेगा तथा उससे संबंधित पुस्तक को ढूँढकर दिखाएँगे।
- गतिविधि के अंत में शिक्षक किसी एक पुस्तक से विद्यार्थियों को कहानी सुनाएँगे।

नोट - यहाँ यह ध्यान में रखना अति महत्त्वपूर्ण हैं कि शिक्षक पुस्तकालय की पुस्तकों के अतिरिक्त भी पुस्तकें ले सकते है एवं रिंगटोन के स्थान पर ताली बजाना आदि अन्य आवाज से भी करा सकते है।

- यहाँ शिक्षक विद्यार्थियों के स्तरानुसार पुस्तकों का चयन करने के लिये स्वतंत्र है जिससें गतिविधि के उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सकेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

इससे विद्यार्थियों में सामाजिक, शारीरिक, संज्ञानात्मक और भावनात्मक कौशल का विकास हो सकेगा।

विशिष्ट गतिविधि

(जीवन है अनमोल-सड़क सुरक्षा हेतु एक सकारात्मक पहल)

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - यातायात संकेत 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों में यातायात के संकेत एवं नियमों की समझ विकसित करना।

आवश्यक सामग्री - रंग, रोड साइन से संबंधित पोस्टर, नियम चार्ट आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक यातायात संकेत एवं नियम के पोस्टर या चार्ट तैयार कर लेंगे।

गतिविधि के चरण -

- जमीन पर ट्रैफिक पार्क का रेखा चित्र बनाकर विद्यार्थियों द्वारा पैदल, दुपहिया चौपहिया, भारी वाहन, ओवरलोड वाहन बनकर चलने का अभिनय करते हुए सड़क संकेत के अनुसरण एवं अनुपालन का प्रदर्शन।
- सड़क संकेत के रूप में विद्यार्थियों को ही भाग लेना है जैसे - हरी लाइट के लिए एक विद्यार्थी हरे रंग का प्ले कार्ड लेकर खड़ा होगा
- इसी तरह से आवश्यकता अनुसार अन्य सड़क चिह्नों को भी विद्यार्थियों द्वारा ही प्रदर्शित किया जाएगा।
- गतिविधि के अंत में यातायात नियमों पर चर्चा करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी सड़क चिह्नों, वाहन चलाने संबंधी आवश्यक सावधानियों,ओवरलोड के दुष्परिणामों से परिचित हो सकेंगे।

जनवरी 2026

थीम- भाषाई समझ से अभिव्यक्ति की ओर

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1 -2)

गतिविधि का नाम - 'कविता बेल' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को कविता में आई तुकबंदी एवं लय-ताल को समझाना।
- विद्यार्थियों में नई कविता को बनाने की समझ विकसित करना।

आवश्यक सामग्री - स्कूल के पुस्तकालय में उपलब्ध कविता की पुस्तक, A4 साइज रिम पेपर आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक कविता की पुस्तक से किसी भी एक कविता (विद्यार्थियों की रुचि के अनुसार) का चयन करेंगे। ("बन्दर मामा पहन पजामा" पर काम किया जा सकता हैं)
- शिक्षक स्वयं के स्तर पर कविता को अच्छी तरह से पढ़कर समझ लेंगे।

गतिविधि के चरण -

- सर्वप्रथम शिक्षक सभी विद्यार्थियों को गोल घेरे में बैठाकर "बन्दर मामा पहन पजामा" कविता हाव-भाव के साथ सुनाएँगे।
- विद्यार्थियों का ध्यान कविता की शुरूआती दो पंक्तियों पर दिलवाएँगे तथा तुकबंदी पर बल देकर उच्चारण करेंगे जैसे- बन्दर मामा, पजामा।
- अब शिक्षक विद्यार्थियों को 4 -5 के समूह में विभाजित करेंगे, इस कविता को तुकबंदी के साथ आगे बढ़ाने को कहेंगे तथा पेपर पर लिखने को कहेंगे। इस दौरान शिक्षक विद्यार्थियों के समूह में जाकर आवश्यकतानुसार सहायता करेंगे।
- अंत में सभी समूहों के द्वारा बनाई गई कविता को बड़े समूह में प्रस्तुत कराएँगे तथा हाव-भाव के साथ, सभी विद्यार्थियों को गाने के लिए कहेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में कविताओं के पठन एवं वाचन कौशल विकसित हो सकेगा।
- कविता के माध्यम से तुकबंदी को समझकर नई कविता का बनाने में सक्षम हो सकेंगे।

समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3 -5)

गतिविधि का नाम - 'पहचानो मैं कौन ?' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों में भाषा अभिव्यक्ति के साथ-साथ तर्क-वितर्क करने की क्षमता का विकास करना।

आवश्यक सामग्री - पेपर से बनी हुई कुछ पर्चियाँ। (जिनमें कविता की कुछ पंक्तियाँ, पहेलियाँ या कक्षा में पढ़ाई गई किसी विषयवस्तु से संबंधित कोई पंक्ति लिखी हो आदि)

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक A4 साइज पेपर से कुछ पर्चियाँ बना लें तथा सभी पर्चियों पर कुछ कविता की कुछ पंक्ति लिख लेंगे।
- शिक्षक कविता की सभी तुकबंदियों को ध्यान से पढ़ लेंगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों को गोल घेरे में बैठाकर निर्देश देंगे कि आज हम एक मजेदार गतिविधि करेंगे।
- यहाँ पर टेबल पर कुछ पर्चियाँ रखी हुई हैं। आप सभी को एक -एक करके आना हैं और टेबल से एक पर्ची उठाकर विद्यार्थियों कोपढ़कर बताना हैं फिर अन्य विद्यार्थी हाथ ऊपर करके उत्तर देंगे कि पर्ची में क्या एवं किससे संबंधित लिखा हैं।
- इस तरह से बारी-बारी से सभी विद्यार्थी, एक-एक करके पर्ची पढ़कर अन्य विद्यार्थियों से प्रश्न पूछेंगे।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी किसी भी शीर्षक पर चर्चा तथा तर्क-वितर्क करना सीख सकेंगे।

अन्य गतिविधि (मकर संक्रांति)

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'मकर संक्रांति (त्योहार का वैज्ञानिक आधार मकर राशि)' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों द्वारा मकर संक्रांति त्योहार मनाने का वैज्ञानिक आधार जानना।

आवश्यक सामग्री - मकर संक्रांति त्योहार से जुड़े चित्र, रंगीन पेपर, क्रियोन्स कलर, पेंसिल आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक मकर संक्रांति त्योहार से जुड़े विभिन्न वैज्ञानिक आधार को ठीक से पढ़ लेंगे।
- मकर संक्रांति से जुड़े चार-पाँच चित्र कार्ड शीट पर चिपका कर तैयार कर लेंगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक सभी विद्यार्थियों को गोल घेरे में बैठाकर बातचीत करेंगे।
- शिक्षक विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए जानेंगे की हम कौन-कौनसे त्योहार मनाते है ?
- विद्यार्थियों द्वारा बताएँ गए त्योहारों के नामों को शिक्षक श्यामपट्ट पर लिखते जाएँगे।
- शिक्षक विद्यार्थियों से यह भी चर्चा करेंगे कि हम त्योहार के दिन क्या-क्या करते हैं ?
- शिक्षक विद्यार्थियों के मध्य प्रश्न रखेंगे कि हम त्योहार क्यों मनाते हैं ?
- शिक्षक विद्यार्थियों के उत्तर ध्यानपूर्वक सुनेंगे एवं मकर संक्रांति त्योहार से जुड़े विभिन्न वैज्ञानिक आधार जैसे - पौष मास में जिस दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है उस दिन इस पर्व को मनाया जाता है) विद्यार्थियों के साथ साझा करते हुए मकर संक्रांति के अलग-अलग नामों से भी परिचय करवाएँगे।
- शिक्षक विद्यार्थियों से मकर संक्रांति से जुड़े चित्रांकन कार्य करवाएँगे एवं उनको कक्षा-कक्ष में प्रदर्शित करवाएँगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी त्योहार मनाने का वैज्ञानिक आधार जान सकेंगे।
- विद्यार्थियों का वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित हो सकेगा।

शिक्षक के लिए पठन सामग्री

मकर संक्रान्ति (मकर संक्रांति) भारत के प्रमुख त्योहार में से एक है । मकर संक्रांति (संक्रान्ति) पूरे भारत और नेपाल में भिन्न रूपों में मनाया जाता है । पौष मास में जिस दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है उस दिन इस त्योहार को मनाया जाता है। वर्तमान शताब्दी में यह त्योहार जनवरी माह के चौदहवें या पन्द्रहवें दिन ही पड़ता है, इस दिन सूर्य धनु राशि को छोड़ मकर राशि में प्रवेश करता है । तमिलनाडु में इसे पोंगल नामक उत्सव के रूप में जाना जाता हैं । जबकि कर्नाटक, केरल तथा आंध्र प्रदेश में इसे केवल संक्राति ही कहते हैं । बिहार के कुछ जिलों में यह पर्व 'तिला संक्रात' नाम से भी प्रसिद्ध है । मकर संक्रान्ति पर्व को कहीं-कहीं उत्तरायण भी कहते हैं । 14 जनवरी के बाद से सूर्य उत्तर दिशा की ओर अग्रसर (जाता हुआ) होता है। इसी कारण इस त्योहार को 'उत्तरायण' (सूर्य उत्तर की ओर) भी कहते है । वैज्ञानिक तौर पर इसका मुख्य कारण पृथ्वी का निरंतर छः महीनों के समय अवधि के उपरांत उत्तर से दक्षिण की ओर वलन कर लेना होता है और यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है ।

खुशी की पाठशाला

समूह -1 - कक्षा 1 -2 (अंकुर) एवं समूह -2 (प्रवेश)

गतिविधि का नाम - 'खुशी की पोटली' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों का खुशी एवं संतुष्टि वाले क्षणों पर ध्यान केंद्रित करने की समझ बनाना ।
- विद्यार्थियों का व्यक्तिगत संसाधन की खोज करना जो उनको खुशी, सुरक्षित और शांत अनुभव करवाना।

आवश्यक सामग्री - रंगीन कागज, रंग भरने के लिए कलर, तीनो स्तर के चार्ट (ज्यादा ऊर्जा, ठीक ऊर्जा, कम ऊर्जा) आदि ।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक कुछ उदाहरण या परिस्थितियों की सूची तैयार कर लेंगे जो गतिविधि में सहायक हो ।
- शिक्षक अपने जीवन के कुछ ऐसे पल, जिसमे लोग, पालतू पशु , स्थान सम्मिलित है उनके बारे में बात कर सकते है ।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक ज्यादा ऊर्जा, ठीक ऊर्जा और कम ऊर्जा वाले स्तर के बारे में दोहरान करेंगे ।
- इसके पश्चात् विद्यार्थियों को कुछ ऐसे पल के बारे में सोचने के लिए कहेंगे जो उन्हें पसंद है, जब उन्हें खुशी हुई आदि ।
- विद्यार्थी उस पल का चित्र बनाएँगे और अपने किसी मित्र के साथ साझा करेंगे ।
- ठीक ऐसे अब शिक्षक अन्य ऐसे क्षणों के बारे में जिसमे लोग, मित्र, घूमने की जगह, कोई पालतू पशु जिनके साथ उन्होंने ऐसे पल बिताए है वो साझा करेंगे ।
- अब शिक्षक उन्हें रंगीन कागज दे सकते है जिसमे वो अन्य व्यक्तिगत संसाधन का चित्र बनाएँगे ।

- गतिविधि के अंत में शिक्षक चर्चा करेंगे कि उस खुशी के पल पर ध्यान लगाने और चित्र बनाने से उन्हें कौनसी संवेदनाएँ अनुभव हुई।
- इसके पश्चात् विद्यार्थी उन चित्रों को घर ले जाकर किसी पोटली या डिब्बे में डाल सकते है और अपनी आवश्यकता के अनुसार उपयोग में ला सकते है।
- विद्यार्थी चिंतन कर सकते है कि कौन सी परिस्थिति में वो ये अभ्यास कर सकेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी तकनीकों का उपयोग करके तनावपूर्ण स्थितियों में भी स्वयं को ठीक स्तर में ला सकेंगे।
- विद्यार्थी सकारात्मक अनुभवों पर ध्यान केंद्रित करने से खुश और संतुष्ट अनुभव कर सकेंगे।

विशिष्ट गतिविधि

(Say No to Tobacco - तंबाकू से बचाव की मुहिम)

समूह -1 - कक्षा 1 -2 (अंकुर) एवं समूह -2 (प्रवेश)

गतिविधि का नाम - 'तंबाकू सेवन के दुष्परिणाम 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों को तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्परिणाम से अवगत कराना।

आवश्यक सामग्री - कविता के प्रिंट आउट आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक गतिविधि से पूर्व कविता का लय-ताल का गायन कर लें।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों को कविता के माध्यम से तंबाकू से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे-

रोकनी होगी नशे की आदत,
सबको आगे है आना।
नशा है एक बहुत बुरी लत,
हमे नशा मुक्त भारत है बनाना।
हम सबका है यही सपना,
नशा मुक्त हो भारत अपना।
जीवन में अगर स्वस्थ है रहना,
तो नशे से हमें दूर है रहना।
अब हम सबने यह है ठाना,
नशे को जड़ से है मिटाना।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थियों में तंबाकू सेवन के दुष्परिणामों के प्रति जागरुकता उत्पन्न हो सकेगी।

थीम- स्वस्थ राजस्थान-सशक्त राजस्थान

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'रूमाल झपट्टा ' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में सक्रियता, एकाग्रता, टीम कार्य, आपसी सहयोग एवं स्पर्धा की भावना का विकास करना।
- विद्यार्थियों में स्वस्थ शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य का विकास करना।

आवश्यक सामग्री - रुमाल, चॉक, बोर्ड, नामकरण हेतु फ्लैश कार्ड इत्यादि।

शिक्षक निर्देश - सर्वप्रथम शिक्षक सभी विद्यार्थियों को गतिविधि से संबंधित स्पष्ट निर्देश देवें तथा आवश्यक सामग्री पूर्व में ही एकत्र कर लें।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों को दो समूह में बाँट देंगे। ध्यान रहे एक समूह में 10 विद्यार्थियों से अधिक न हो। दोनों समूहों को पंक्ति में खड़ा कर देंगे। बीच में चॉक या मिट्टी में लकड़ी के द्वारा एक गोल घेरा बना लेंगे। इस घेरे के बीच में रूमाल रख देंगे।
- दोनों समूह के विद्यार्थियों को 1-10 तक नामकरण कर देंगे। खेल शुरू करने के लिए दोनों समूहों में से एक -एक अर्थात दो विद्यार्थियों को आमंत्रित करेंगे। 1-10 में से कोई भी अंक बोले, दोनों तरफ से उसी क्रमांक के दोनों विद्यार्थी सामने बने गोले के पास आएँगे।
- दोनों विद्यार्थी इस गोल घेरे के चारों ओर जब तक घूमते रहेंगे, जब तक कोई एक विद्यार्थी रूमाल झपट कर न ले जाए। रूमाल ले जाने वाले समूह को एक पॉइंट देंगे।
- यदि रूमाल ले जाते हुए विद्यार्थी को अपनी जगह पर पहुँचने से पहले दूसरे विद्यार्थी ने छू लिया तो अंक दूसरी टीम को दे देंगे। इसी प्रकार यह खेल आगे बढ़ता रहेगा।
- खेल को खेलने के लिए मार्गदर्शन हेतु दिए गए लिंक पर क्लिक करे -
  https-//www.youtube.com/watch ?v=Z ldYwxv5oTI

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में एकाग्रता तथा शारीरिक सक्रियता का विकास हो सकेगा|

अन्य गतिविधि (निपुण भारत)

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'पापा मेरे थानेदार' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थी भाषा कौशल (श्रवण, तुकबंदी, शब्दावली भंडार) से संबंधित समझ बनाना।
- विद्यार्थी बुनयादी साक्षरता कौशल का विकसित करना।

आवश्यक सामग्री- कविता के प्रिंट , सफेद पेपर, पेन, कलर मार्कर, बोर्ड आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक गतिविधि से पूर्व कविता को अच्छी लय से याद कर लेंगे जिससे गतिविधि के समय गायन में समस्या ना हो।
- शिक्षक स्थानीय परिवेश के अनुसार आवश्यक सामग्री एवं गतिविधि का आयोजन करा सकेंगे।

गतिविधि के चरण -

- सर्वप्रथम सभी विद्यार्थियों को तीन समूहों में विभाजित करेंगे तथा निम्नानुसार गतिविधि कराएँगे।
- समूह -1 कविता का समूह में गायन करेंगे तथा यहाँ यह ध्यान रखेंगे कि सभी सदस्य को थोड़ा-थोड़ा अंश पढ़ने को कहेंगे।
- समूह -2 कविता में आए विभिन्न शब्दों को चार्ट एवं पेपर में लिखेंगे।
- समूह -3 कविता में आए शब्दों से वाक्य निर्माण करेंगे।
- गतिविधि के पश्चात् शिक्षक कविता से संबंधित शब्दावली एवं कविता का भावार्थ स्पष्ट करेंगे।

नोट - आप कविता से संबंधित निम्नलिखित गतिविधि भी कर सकते है - तुकबंदी कविता निर्माण शब्दकोश , निर्माण गतिविधि आदि।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थियों में टीम भावना, बुनियादी साक्षरता कौशल, सवांद कौशल का विकास हो सकेगा।

कविता

पापा मेरे थानेदार।
मूँछ उनकी शानदार।।
घर में आया पप्पू नाई।
हड़बड़ी में मूँछ उड़ाई।।
मूँछ बिना पापा का चेहरा।
लगता जैसे चाँद सुनहरा।।
चेहरा देख पापा कतराए।
कैसी शक्ल बनाई, हाए।।
झटपट लम्बी छड़ी उठाई।
अब नाई की शामत आई।।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1 -2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3 -5)

गतिविधि का नाम - 'मुस्कान की गेंद' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों का एक दूसरे की सराहना करना और उससे जुड़ी भावना की समझ बनाना।
- विद्यार्थियों को दयालुता की समझ बनाना और उसके लाभ को अनुभव करना।

आवश्यक सामग्री - स्पंज वाली गेंद, संगीत के लिए उपयुक्त संसाधन आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक कुछ उदाहरण या परिस्थितियों की सूची तैयार करेंगे, जो गतिविधि में सहायक हो।

गतिविधि के चरण -

- सर्वप्रथम शिक्षक सभी विद्यार्थी को एक गोले में खड़े होने को कहेंगे जहाँ से वो सभी सदस्यों को ठीक से देख पाएँ।
- शिक्षक उत्साहवर्धक संगीत बजाएँगे और विद्यार्थियों को एक-दूसरे की ओर स्माइली फेस अंकित फॉम की गेंद फेंकने के लिए कहेंगे।
- शिक्षक स्वयं से यह खेल शुरू करेंगे और किसी एक की सहराना करते हुए गेंद को फेंकना शुरू करेंगे।
- संगीत बंद होने पर जो भी स्माइली फेस पकड़े हुए होगा, उस विद्यार्थी को समूह के कुछ सदस्यों के बारे में प्रसंशा करनी होगी। जैसे, जब उन्होंने कक्षा में कोई सहायता की उनकी या दूसरों की, कक्षा या स्कूल को स्वच्छ रखने में योगदान दिया।
- शिक्षक बिना देखे संगीत को रोकेंगे। प्रत्येक विद्यार्थी को बोलने के लिए 15 सेकंड का समय देंगे।
- अब जिस भी विद्यार्थी के हाथ में गेंद हो, उन्हें बोलने का अवसर देंगे और इसी तरह से खेल जारी रखेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी स्वयं से और दूसरों के साथ सकारात्मक (सहायक) बातों का प्रभाव समझ पाएँगे।
- विद्यार्थी प्रोत्साहन कैसे हमारे संबंधों को बेहतर करता है उसका अनुभव कर पाएँगे।

थीम- खेल-खेल में विज्ञान

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'आओ मिलकर बिजली बनाएँ' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों में गतिविधि के माध्यम से वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना।

आवश्यक सामग्री - गुब्बारे/प्लास्टिक की पटरी (Scale) आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक गतिविधि प्रारंभ करने से पूर्व स्वयं अभ्यास करें जिससें गतिविधि के समय कोई समस्या ना हो।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक गतिविधि से पूर्व विद्यार्थियों से यह बात करेंगे कि क्या उन्होंने कभी सोचा है कि बिजली क्या होती है ? और कैसे बनती है ? विद्यार्थियों की प्रतिक्रियाओं के साथ बातचीत को आगे बढ़ाते हुए शिक्षक उन्हें बताएँगे कि आज हम कक्षा में बिजली बनाएँगे।
- इसके बाद एक कागज के बहुत छोटे-छोटे टुकड़े विद्यार्थियों के बीच में बिखेर दिए जाएँगे। फिर एक गुब्बारे को फुलाया जाएगा और शिक्षक इस गुब्बारे को सुखे बालों में रगड़ कर उसे थोड़ा आवेशित होने देंगे।
- फिर इस गुब्बारे को कागज के टुकड़ों के पास आने पर विद्यार्थी देख पाएँगे कि कागज के टुकड़े गुब्बारे की ओर आकर्षित होकर चिपक रहे हैं।
- इसके बाद विद्यार्थी भी इस प्रयोग को गुब्बारे अथवा प्लास्टिक की पटरी (scale) के माध्यम से स्वयं करके देखेंगे।

- गतिविधि के अंत में विद्यार्थियों के स्तरानुसार शिक्षक विद्यार्थियों से यह बात कर सकते हैं कि इस तरह के कुछ प्रयोगों से ही बिजली की खोज की आरंभ हुई थी जिससे वैज्ञानिक यह सोच पाएँ थे कि हम भी बिजली बना सकते हैं।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास होगा।

विशिष्ट गतिविधि

(जीवन है अनमोल-सड़क सुरक्षा हेतु एक सकारात्मक पहल)

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'यातायात संकेत' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों को यातायात संकेतों के बारे में समझाना।

आवश्यक सामग्री - कलर्स, रोड साइन से संबंधित पोस्टर आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक सर्वप्रथम गतिविधि से पूर्व यातायात संकेतों के फ्लेश कार्ड तैयार कर लेंगे।

गतिविधि के चरण -

- जमीन पर ट्रैफिक पार्क का रेखा चित्र बनाकर विद्यार्थियों द्वारा पैदल, दुपहिया-चौपहिया, भारी वाहन, ओवरलोड वाहन बनकर चलने का अभिनय करते हुए सड़क संकेतों के अनुसरण एवं अनुपालन का प्रदर्शन।
- सड़क संकेतों के रूप में विद्यार्थियों को ही भाग लेना है जैसे– हरी लाइट के लिए एक विद्यार्थी हरे रंग का प्लेकार्ड लेकर खड़ा होगा इसी तरह से आवश्यकता अनुसार अन्य सड़क चिह्नों को भी विद्यार्थियों द्वारा ही प्रदर्शित किया जाएगा।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी सड़क चिह्नों की पहचान कर सकेंगे।
- वाहन चलाने संबंधी आवश्यक सावधानियों से परिचित हो सकेंगे।
- ओवरलोड के दुष्परिणामों से परिचित हो सकेंगे।

थीम- स्वस्थ राजस्थान-सशक्त राजस्थान

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - हम सब है खिलाड़ी 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में खेल के माध्यम से शारीरिक स्वास्थय के प्रति जागरुक करना।
- विद्यार्थियों में अनुशासन बढ़ाना।
- राजस्थान के पारंपरिक खेलो ं को बढ़ावा देना।

आवश्यक सामग्री - खेल की सामग्री, जैसे गेंद और बैट, बास्केट बॉल, फुटबॉल आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- खेल की सामग्री देना और उसकी सहायता करना वो उस खेल को कैसे बेहतर खेल सकते है और उसमें आगे बढ़ सकते है।
- शिक्षक खेलों की सामग्री से अवगत कराएँगे जैसे – बास्केटबॉल, गेंद और फुटबॉल आदि।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक खेल के महत्त्व को समझाएँगे।
- शिक्षकों को विद्यार्थियों को रूचि अनुसार खेल के प्रति जागरुकता करना, उनको कौनसा खेल खेलना पसंद है।
- विद्यार्थियों को 2-3 दल में विभाजित करके विभिन्न खेलो के बारे में चर्चा करेंगे और खेलो की समझ को बेहतर बनाएँगे।
- विभिन्न खेलो को खेलने को कहे और उनके कौशल का मूल्यांकन करे।
- शिक्षक विद्यार्थियों को खेल खेलने में सहायता करे।
- शिक्षक विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करेंगे जिससे विद्यार्थी आगे उच्च स्तर पर खेल सके।
- प्रत्येक उदाहरण के साथ चर्चा करे जैसे– नीरज चोपड़ा, विराट कोहली, पीवी सिन्धु, महेश्वरी चौहान आदि नामों के साथ विद्यार्थी का प्रोत्साहन बढ़ाएँ।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी खेल के महत्त्व को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थियों को खेल में भी कैरियर बनाने के अवसरों की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
- शारीरिक स्वास्थ्य की समझ विकसित हो सकेगी।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'मैजिक वर्डस' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थी का स्वयं से होने वाली सकारात्मक और नकारात्मक बातचीत की समझ बनाना।
- विद्यार्थियों का सकारात्मक बातचीत के प्रभाव की समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री - चार्ट, रंगीन कागज, पेंसिल, रबर इत्यादि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक कुछ उदाहरण या परिस्थितियों की सूची तैयार कर लेंगे जो गतिविधि में सहायक होगी।
- शिक्षक गतिविधि से पूर्व कहानी को पढ़ लें और आवश्यकतानुसार नोटबुक में नोट कर लेंगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक निम्लिखित प्रश्नों के माध्यम से समझ बनाएँगे -

- आप सुगना की तरह ठीक अनुभव ना कर रहे हो तो आप स्वयं के प्रति प्यार कैसे व्यक्त कर सकते है ?
- हम स्वयं से प्यार करने के लिए क्या-क्या कह सकते हैं ?

➢ शिक्षक विद्यार्थियों द्वारा साझा करेंगे शब्दों और वाक्यों को एक चार्ट पर लिख लेंगे और कक्षा के कोने में चिपका देंगे।

➢ गतिविधि के अंत में शिक्षक 'जादुई शब्द' या 'मैजिक वर्ड्स' को मुश्किल समय में उपयोग में कैसे लाएँ, इसकी समझ बनाएँगे।

सीखने के प्रतिफल -

➢ स्वयं से और दूसरों के साथ सकारात्मक (सहायक) और नकारात्मक (असहायक) बातों का प्रभाव समझ पाएँगे।

➢ हम स्वयं को अपने सबसे अच्छे मित्र या प्रियजनों की तरह प्रोत्साहित करके स्वयं के प्रति दयालु हो सकते हैं, इसका अभ्यास कर पाएँगे।

कहानी

एक बार की बात है, एक लड़की का नाम सुगना था। आज सुगना के स्कूल में वार्षिकोत्सव का आयोजन था, और स्कूल इस अवसर के लिए बहुत सजा हुआ था। बहुत सारे लोग आए थे, और सभी विद्यार्थी अपनी प्रस्तुतियों की तैयारी में लगे हुए थे। गानों के बाद, सुगना का नाटक शुरू होने वाला था। सुगना स्टेज के पीछे खड़ी थी, और उसका दिल धड़क रहा था।

नाटक शुरू हो गया, और सुगना अपनी बारी का इंतजार कर रही थी। जब उसे स्टेज पर आना था, तो वह चुपचाप खड़ी रही, और उसे अपने डायलॉग याद नहीं आ रहे थे। कुछ लोग उसे प्रोत्साहित कर रहे थे, कुछ उसकी हँसी उड़ा रहे थे। सुगना स्टेज से बाहर आ गई और कक्षा में छिप गई जहाँ कोई उसे नहीं देख पा रहा था।

सुगना अपने आप सोचने लगी, "आज मैंने सब कुछ बिगाड़ दिया। मैं बहुत बुरी लड़की हूँ, मैं कोई काम ठीक से नहीं कर पाती।" उसकी माँ उसे ढूँढ़ती हुई कक्षा में आ गई और उसकी बातें सुन रही थी। वह उसके पास गई और कहने लगी, "बेटा, मुझे पता है तुम्हें बहुत बुरा लग रहा है।"

सुगना ने कहा, "माँ, मैं कोई काम ठीक से क्यों नहीं करती ?"

माँ ने कहा, "बेटा, मुझे तो लगता है तुम बहुत अच्छी हो, तुम हमेशा सबकी सहायता करती हो, सभी को खुश करती हो, सभी का ध्यान रखती हो, और मेहनत भी करती हो। आज एक या दो लाइन भूल जाने से तुम कैसे बुरी हो गई ?"

माँ की बात सुनकर सुगना चुप हो जाती है और अपने बारे में सोचने लगती है। उसे याद आता है कि कभी - कभी जब वह कुछ नहीं कर पाती है, तो वह खुद को बुरा कहने लगती है।

माँ बोलती है, "बस एक प्रश्न है बेटा।"

सुगना पूछती है, "क्या माँ ?"

माँ कहती है, "इस समय तुम खुद की सहायता कैसे कर सकती हो ? जैसे तुम सबकी सहायता करती हो ?"

सुगना कुछ देर ध्यान से सोचती है, फिर आँसू पोंछते हुए कहती है, "माँ, मैं आज वही करना चाहती हूँ जो मुझे खुश करता है!"

उसने अपने शिक्षिका को नमस्ते बोलकर माँ के साथ घर जाते हुए अपनी लिखावट पूरी की, फिर कुछ चित्र बनाए जो उसे बहुत पसंद आएँ, उसने अपनी साइकिल चलाई, अपनी माँ के गोद में सोकर कहानी सुनी।

उस दिन सुगना ने अपने आप को कटु बातें नहीं कहने का निर्णय किया और अपने दर्द को दबाने के लिए उन कार्यों को किया जो उसे खुशी देते थे। वह जैसे अपने किसी प्रिय के लिए करती है .

फरवरी 2026

थीम- आओ राजस्थान को जानें

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1 -2), समूह -2 प्रवेश (कक्षा 3 -5)

गतिविधि का नाम – 'माँडणा एवं रंगोली बनाना' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य - विद्यार्थियों को माँडणा एवं रंगोली बनाने की लोक कला से परिचित करवाना।

आवश्यक सामग्री -

माँडणा बनाने हेतु गेरू (लाल मिट्टी का पाउडर), चूना या सफेद पाउडर, पानी, ब्रश या कपड़ा इत्यादि।

रंगोली बनाने हेतु विभिन्न रंगों के पाउडर, विभिन्न रंगों के लिए पात्र (जैसे कागज के दोने) इत्यादि।

शिक्षक हेतु निर्देश - विद्यार्थियों को एकल/सामूहिक रूप से अपनी सृजनात्मकता प्रस्तुति के अवसर प्रदान करें । शिक्षक अवलोकन करें और जहाँ आवश्यक हो विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों को एक-एक माँडणा और रंगोली बना कर दिखाएँगे।
- शिक्षक विद्यार्थियों को अपनी रुचि के अनुसार माँडणा और रंगोली के दो समूह में विभाजित करेंगे।
- शिक्षक विद्यार्थियों को अपनी कल्पना के अनुसार माँडणा और रंगोली बनाने के लिए कहेंगे।
- शिक्षक विद्यार्थियों को आवश्यक सामग्री प्रदान करेंगे और अपनी सृजनात्मकता प्रस्तुति के अवसर प्रदान करेंगें।
- शिक्षक विद्यार्थियों के माँडणा और रंगोली बनाने के बाद उन्हें प्रतिपुष्टि प्रदान करेंगे और राजस्थान की अन्य कलाओं (मोलेला, थापा, ब्लू पॉटरी , पेपरमेशी इत्यादि स्थानीय कलाओं) के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे।

नोट - शिक्षक स्थानीय लोक कला से संबंधित गतिविधि भी करा सकते है।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों की राजस्थान की कलाओं के विषय में समझ एवं अंतर की क्षमता का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थी घर और विद्यालय में विभिन्न अवसरों/उत्सवों पर माँडणा /रंगोली बनाकर सजावट कर सकेंगे।

थीम - निपुण भारत

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1 -2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3 -5)

गतिविधि का नाम - 'संख्या पहचानें ' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -विद्यार्थियों की संख्या ज्ञान (संख्या पहचान, छोटी - बड़ी संख्या, संख्याओं को क्रम से लिखना) पर समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री- संख्या फ्लैश कार्ड/ बोर्ड, चार्ट, पेंसिल, चॉक, पेन आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक सभी विद्यार्थियों को गतिविधि के निर्देश समझाकर एक ट्रायल राउंड करवाएँ जिससें विद्यार्थी खेल को अच्छे से समझ पाएँगे।
- शिक्षक विद्यार्थियों की संख्यानुसार संख्या कार्ड/ संख्या फ्लैश कार्ड आवश्यक रूप से तैयार करवाएँगे।

गतिविधि के चरण-

- शिक्षक विद्यार्थियों को विद्यालय परिसर में खुली जगह पर एकत्र कर लेंगे इसके पश्चात् दोनों समूह के विद्यार्थियों को संख्या कार्ड (0, 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9) देवें तथा गतिविधि से संबंधित दिशा निर्देश स्पष्ट रूप से बताएँगे।
- अब दोनों समूह के विद्यार्थियों को पर्याप्त दूरी से संख्या कार्ड लेकर खड़े करेंगे तथा बारी-बारी से एक संख्या तेज एवं स्पष्ट आवाज में बोलेगा, जिसे विद्यार्थी अपने - अपने समूह में संख्या कार्ड के अनुसार खड़े होगे, जो समूह पहले बोली गई संख्या बना लेंगे वो विजेता बन जाएँगे।
- अब शिक्षक संख्याओ में सही संख्या की पहचान करना, छोटी - बड़ी संख्या की पहचान , स्थानीय मान के बारे में बताएँगे।
- नोट - शिक्षक यह गतिविधि विद्यार्थियों के स्तरानुसार करवाने के लिए स्वतंत्र है जैसे - एक अंकीय संख्या, दो अंकीय संख्या, तीन अंकीय संख्या एवं संख्या निर्माण करवाना।

सीखने के प्रतिफल-

- विद्यार्थियों में बुनियादी संख्या ज्ञान संबंधित दक्षता का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थी संख्या ज्ञान से संबंधित ज्ञान का प्रयोग दैनिक समस्याओं के समाधान में कर सकेंगे

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'दयालुता का पेड़' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्याथियों में दयालुता की भावना की समझ विकसित करना।
- विद्यार्थियों का एक दूसरे के प्रति दयालुता की भावना को पहचानना और उसकी सराहना करना।

आवश्यक सामग्री - हरे, पीले रंग का कागज जो पत्ते के आकार में, फूल या फल में कटा हो चार्ट जिस पर पेड़ की शाखाएँ बनी हो आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- सर्वप्रथम शिक्षक अपनी कक्षा के विद्यार्थियों के अनुसार पत्ते काट कर तैयार रखेंगे।
- एक जगह पर चार्ट लगा लें जिस पर सिर्फ पेड़ की शाखा बनी हो।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों को उनके द्वारा किए गए दयालुता के कार्य लिखने या चित्र बनाने का निर्देश देंगे।
- विद्यार्थी कटे पत्तो पर कार्य लिख सकते हैं या चित्र बना सकते हैं।

- जब सभी विद्यार्थी यह गतिविधि पूरा कर लेंगे तो उनसें जाने की दयालुता उन्हें कैसा अनुभव करवाता है।
- विद्यार्थी फूलों और संबंधित आकार पर लिखेंगे कि उन कार्यों ने उन्हें कैसा अनुभव कराया।
- वे इन्हें पेड़ पर इस तरह लगा सकते हैं कि यह याद रहे कि दयालुता सकारात्मक भावनाओं को जन्म देती है। अंत में शिक्षक गतिविधि के संबंध में चर्चा करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी स्वयं से और दूसरों के साथ सकारात्मक कार्यों के प्रभाव को समझ पाएँगे।
- दयालुता स्वयं उन्हें और दूसरों को कैसा अनुभव करवाती है ये समझ पाएँगे।

थीम- भाषाई समझ से अभिव्यक्ति की ओर

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1 -2)

गतिविधि का नाम - 'रीड अलाउड (भालू ने खेली फुटबॉल)' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में सुनकर समझने की क्षमता का विकास करना।
- विद्यार्थियों द्वारा पढ़ने के तरीके से परिचित होना तथा शब्द भंडार बढ़ाना।
- कहानियों में घटनाक्रम को समझना।
- विद्यार्थियों में पढ़ने के प्रति रुचि विकसित करना।

आवश्यक सामग्री - रीड अलाउड के लिए भालू ने खेली फुटबॉल पुस्तक या पुस्तकालय में उपलब्ध अन्य कोई चित्र कथा आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- यह गतिविधि कराने से पूर्व शिक्षक इस पुस्तक को दो से तीन बार स्वयं ठीक तरह से पढ़ेंगे।
- शिक्षक यह भी तैयारी करें कि रीड अलाउड से पहले एवं अंत में क्या गतिविधि करानी हैं।
- शिक्षक कहानी सुनाने के बाद पूछे जाने वाले प्रश्नों की भी तैयारी करें।

  नोट - शिक्षक स्कूल पुस्तकालय में उपलब्ध विद्यार्थियों के स्तरानुसार दूसरी पुस्तक पर भी यह गतिविधि करा सकते हैं।

गतिविधि के चरण -

1. **पठन पूर्व गतिविधि -**

- विद्यार्थियों को सबसे पहले खेलों के बारे में जो घर या मोहल्ले में खेलते हैं पर अनुभव साझा करने लिए प्रोत्साहित करेंगे। विद्यार्थियों को अनुभव साझा करने को प्रोत्साहित करने के लिए निम्नलिखित प्रश्न करेंगे -
  - आप अपनें मित्रों के साथ कौन सा खेल खेलते हों ?
  - आपको कौनसा खेल सबसे ज्यादा पसंद हैं ?
  - खेलते - खेलते कभी किसी मित्र पर गुस्सा आता हैं ? क्यों ?
- चर्चा के बाद विद्यार्थियों से कहे कि आज हम ऐसे ही एक मजेदार खेल फुटबॉल की कहानी सुनेंगे।

- ‘भालू नें खेली फुटबॉल’ पुस्तक का कवर पेज दिखा कर विद्यार्थियों से निम्नलिखित प्रश्न करेंगे एवं उनकी प्रतिक्रिया को ध्यान से सुनेंगे -
  - चित्र में आपको क्या-क्या दिखाई दे रहा है ?
  - ये क्या कर रहे होंगे ?
  - कहानी का नाम हैं ‘भालू नें खेली फुटबॉल’ तो इस आधार पर बताओ कहानी में क्या हो रहा होगा ?
- इसके बाद कहानी का नाम, लेखक का नाम, प्रकाशक का नाम, चित्रकार का नाम बताएँगे।

2. **पठन के दौरान गतिविधि -**

- कहानी को हाव–भाव, उचित गति, उतार चढ़ाव के साथ पंक्तिबद्ध पढ़ेंगे एवं जिस पृष्ठ को पढ़ लिया गया उस पृष्ठ के चित्र भी विद्यार्थियों को साथ - साथ दिखाते जाएँगे।
- पेज नंबर 7 से विद्यार्थियों से प्रश्न करेंगे कि शेर के बच्चें ने डाली पकड़ ली अब आगे क्या होगा ?
- पेज नंबर 13 पर रूककर विद्यार्थियों से पूछेंगे कि किक लगाकर भालू तो भाग गया अब शेर का क्या होगा ?
- उत्तर के बाद आगे कहानी को पंक्तिबद्ध पूरी पढ़ेंगे।

3. **पठन के पश्चात् गतिविधि -**

- कहानी पूरी होने के बाद विद्यार्थियों से निम्नलिखित प्रश्न करेंगे -
  - कहानी में आपको सबसे प्यारा कौन लगा और क्यों ?
  - शेर के बच्चें को उछलने में मजा आ रहा था। कभी आपके साथ भी ऐसा हुआ ?
  - आप भी कभी किसी मुश्किल में फँसे होंगे तो आपनें क्या किया ?
  - शेर का बच्चा भागता नहीं तो उसके साथ क्या होता ?

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी कहानी को सुनकर कहानी के घटनाक्रम पर समझ बना पाएँगे।
- कहानी में आए नवीन शब्दों को सीख पाएँगे।
- कहानी के घटनाक्रम के आधार पर अपने अनुभवों को जोड़ पाएँगे।

समहू - 2 प्रवेश (कक्षा - 3 -5)

गतिविधि का नाम - ‘रीड अलाउड (बुढिया की रोटी)’ 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में सुनकर समझने की क्षमता का विकास करना।
- विद्यार्थियों में पढ़ने के तरीके से परिचित होना तथा शब्द भंडार बढ़ाना।
- कहानियों में घटनाक्रम को समझना।
- विद्यार्थियों में पढ़ने के प्रति रुचि का विकास करना।

आवश्यक सामग्री - रीड अलाउड के लिए “बुढ़िया की रोटी” पुस्तक, मुखौटे बनाने के लिए चार्ट शीट, कलर, कैंची आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- यह गतिविधि कराने से पूर्व शिक्षक इस पुस्तक को दो से तीन बार ठीक तरह से पढ़ेंगे।
- शिक्षक यह भी तैयारी करेंगे कि रीड अलाउड से पहले एवं बाद में क्या गतिविधि करानी हैं।

- शिक्षक कहानी सुनाने के बाद पूछे जाने वाले प्रश्नों पर तैयारी करेंगे।

  नोट - शिक्षक स्कूल पुस्तकालय में उपलब्ध विद्यार्थियों के स्तरानुसार दूसरी पुस्तक पर भी यह गतिविधि करा सकते हैं।

गतिविधि के चरण -

1. **पठन पूर्व गतिविधि -**

- विद्यार्थियों को सबसे पहले 'एक बुढ़िया ने बोया दाना' कविता का गायन कराएँगे। कविता गायन के लिए दिए गए लिंक पर क्लिक कर हाव–भाव एवं लय पर अभ्यास कर लें।

  https-//www.youtube.com/watch ?v=1iqXh40MQqI
- कविता में आई वस्तुओं एवं प्राणी पर चर्चा करेंगे कि बुढ़िया की सहायता करने के लिए कौन-कौन आए ? गाजर का हलवा आपने खाया तो उसका स्वाद कैसा लगा ? आदि
- "बुढ़िया की रोटी" पुस्तक का कवर पेज दिखा कर विद्यार्थियों से निम्नलिखित प्रश्न करेंगे एवं उनकी प्रतिक्रिया को ध्यान से सुनेंगे।
  - चित्र में आपको क्या -क्या दिखाई दे रहा है ?
  - बुढ़िया और कौआ के बीच में क्या-क्या बातचीत हो रही होगी ?
- इसके बाद कहानी, लेखक, प्रकाशक एवं चित्रांकनकर्ता का नाम बताएँगे।

2. **पठन के दौरान गतिविधि- -**

- कहानी को पंक्तिबद्ध पढ़ेंगे एवं विद्यार्थियों को चित्र भी साथ-साथ दिखाते जाएँगे।
- पेज - 10 पढ़ कर, विद्यार्थियों से प्रश्न करेंगे कि
  - बुढ़िया ने किस-किस से सहायता माँगी ?
  - अब उसकी सहायता कौन करेगा ?
- कहानी को पंक्तिबद्ध पूरी पढ़ेंगे।

3. **पठन के पश्चात् गतिविधि--**

- कहानी पूरी होने के बाद विद्यार्थियों से निम्नलिखित प्रश्न करेंगे -
  - इस कहानी में कौन - कौन से पात्र है ?
  - कौआ क्या-क्या खाता है ?
  - जब आपको सहायता की आवश्यकता होती है तो आप किस-किस से सहायता माँगते हो ?
  - आपने अपने आसपास किस -किस की सहायता की है और क्या सहायता कि है ?
- विद्यार्थियों से कहानी में आए पात्रो के मुखौटे बनवाएँगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी कहानी को सुनकर कहानी के घटनाक्रम पर समझ बना पाएँगे।
- कहानी में आए नवीन शब्दों को सीख पाएँगे।
- कहानी के घटनाक्रम के आधार पर अपने अनुभवों को जोड़ पाएँगे।

एक भारत, श्रेष्ठ भारत

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम -'वेशभूषा' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को राजस्थान एवं असम की पारंपरिक वेशभूषा को पहचानने में समर्थ बनाना।
- विद्यार्थियों को दोनों राज्यों की सांस्कृतिक विविधता के बारे में जागरुक बनाना।

आवश्यक सामग्री- - चार्ट पेपर, पेंसिल, चित्र (वेशभूषा), प्रोजेक्टर या वेशभूषा चार्ट, मार्कर, प्रश्नोत्तरी कार्ड , कैंची, ग्लू, वेशभूषा आदि।

शिक्षक निर्देश -

- सर्वप्रथम शिक्षक राजस्थान एवं असम राज्य की प्रमुख वेशभूषा के बारे में जानकारी प्राप्त कर लेंगे।
- शिक्षक को गतिविधि से पूर्व दोनों राज्यों से संबंधित प्रमुख वेशभूषा के चित्रों का चार्ट बना लेंगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक सर्वप्रथम विद्यार्थियों को कक्षावार बैठाकर तथा समूहवार प्रस्तुतीकरण करवाएँगे।
- प्रथम समूह से - वेशभूषा से संबंधित चित्र बनवाएँगे।
- द्वितीय समूह से - सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुतीकरण (असम एवं राजस्थानी वेशभूषा में बिहू एवं घूमर नृत्य)
- तृतीय समूह में - वेशभूषा की प्रदर्शनी (वेशभूषा कार्ड के माध्यम से)।
- चतुर्थ समूह में - वेशभूषा (आसान प्रश्नोत्तरी, प्रश्नोत्तरी कार्ड के माध्यम से)।
- इसके पश्चात् शिक्षक वीडियो के माध्यम से असम की प्रमुख वेशभूषा (मेखला चादर, धोती, गमछा, रीडा, जोगी) एवं राजस्थान की प्रमुख वेशभूषा (घाघरा चोली, ओढ़नी, साफा, अंगरखी, कुर्ता, पेंट आदि के बारे में सभी समूहों को चित्र दिखाते हुए जानकारी देवें तथा उनसे संबंधित प्रमुख बिंदुओं को लिखवाएँगे।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थियों में दोनों राज्यों की वेशभूषा से परिचित होने से एक-दूसरे की संस्कृति के सम्मान करने की भावना का विकास होगा।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'दयालुता बिंगो' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में दयालुता के नए कार्यों से समझ बनाना।
- विद्यार्थियों में दयालुता के महत्त्व की समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री - दयालुता बिंगो का एक चार्ट या प्रिंट आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक विद्यार्थियों को सभी कार्य करने का समय दें और कुछ कार्य गृहकार्य में भी सम्मिलित करें।
- बिंगो एक गेम है जिसमे आप कोई भी तीन कार्य में एक पंक्ति या स्तंभ में दिए है,यदि वो पूरे हो जाए, तो विद्यार्थी का बिंगो गेम पूरा हो जाएगा।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक चार्ट या प्रिंट आउट के माध्यम से 'दयालुता बिंगो' के नियम बता देंगे और जो कार्य समझने में मुश्किल हो सकती है उसका दोहरान भी करेंगे।
- सभी विद्यार्थी दयालुता बिंगो बना लेंगे जो वें घर जाकर भी पूरा कर सकते हैं।
- इसके पश्चात् सभी विद्यार्थियों को ज्यादा से ज्यादा दयालुता के कार्य करने का समय देंगे और उनका प्रोत्साहन बढ़ाएँगे।
- विद्यार्थी कक्षा या कक्षा के बाहर भी ये कार्यों को पूरा कर सकते है।
- शिक्षक इस दौरान ब्लैक बोर्ड पर विद्यार्थियों के अंक को लिखे, छोटी समूह में भी ये खेल खेला जा सकता है।
- गतिविधि के अंत में शिक्षक साझा करेंगे कि दयालुता के कार्य करने और किसी की दयालुता के कार्य में हिस्सा बनके उन्हें कैसा अनुभव हुआ।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी दयालुता की सरलता और गहराई की समझ बनाएँगे।

थीम- स्वस्थ राजस्थान-सशक्त राजस्थान

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1 -2)

गतिविधि का नाम - 'कदम-कदम बढ़ाए जा' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को उनकी शारीरिक और मानसिक क्षमताओं को विकसित करने में सहायता करना।
- टीम वर्क और सहयोग की भावना को बढ़ावा देना।

आवश्यक सामग्री - चूना या राख, मिट्टी, डस्टर,पुस्तक, मार्कर, चॉक इत्यादि।

शिक्षक निर्देश -

- शिक्षक सर्वप्रथम गतिविधि हेतु उचित स्थान का चुनाव करें तथा आवश्यक सामग्री यथा रंगीन कागज, कार्ड बोर्ड के टुकड़े, खिलौने, संगीत बजाने हेतु आवश्यक उपकरणों की भी व्यवस्था करें।
- गतिविधि शुरू करने से पहले, विद्यार्थियों को नियमों के बारे में बताएँ। उदाहरण के लिए आप उन्हें बता सकते हैं कि उन्हें केवल कदम पर ही कदम रखना चाहिए और दौड़ना या धक्का देना नहीं चाहिए।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक अपनी सुविधा के अनुसार कक्षा या मैदान में चूने या राख से एक सीधी रेखा खींच देंगे।
- रेखा के एक सिरे पर किसी विद्यार्थी को खड़ाकर उसके सिर पर हल्का-फुल्का सामान रखकर उसे सामान से संतुलन बनाकर सीधी रेखा पर चलने को कहेंगे।
- शेष विद्यार्थी उसके द्वारा चले गए कदमों की गिनती जोर-जोर से बोलकर करेंगे साथ ही लय के साथ ताली बजाएँगे।
- सिर पर रखें सामान को हाथ से छुने या सीधी रेखा से इधर-उधर होने पर आउट माना जाएगा एवं एक विद्यार्थी के आउट होने पर यही अभ्यास अन्य विद्यार्थियों से भी कराएँगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में शारीरिक एवं मानसिक क्षमताओं को विकसित करने के कौशल का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में अच्छी आदतों यथा-टीम वर्क एवं सहयोग की भावना, एकाग्रता, ध्यान केंद्रित करना, गतिविधि से जुड़ाव आदि का विकास हो सकेगा।

समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3 -5)

गतिविधि का नाम - 'माचिस की तीलियों के रोचक खेल' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में रचनात्मकता, समस्या समाधान, एकाग्रता, धैर्य आदि दक्षताओं का विकास करना।
- विद्यार्थियों में स्थूल एवं सूक्ष्म मोटर कौशल का विकास करना।

आवश्यक सामग्री - माचिस की तीलियाँ, गोंद, कैंची, मार्कर इत्यादि।

शिक्षक निर्देश -

- सर्वप्रथम शिक्षक अच्छी तरह से दिशा-निर्देश को पढ़ेंगे तथा स्वयं भी पहले गतिविधि करके देख लेंगे।
- आवश्यक सामग्री (माचिस की तीलियाँ) पहले से अपने पास रखेंगे।

गतिविधि के चरण -

- सर्वप्रथम शिक्षक विद्यार्थियों को संख्यानुसार बराबर के समूह में विभाजित करेंगे तत्पश्चात् शिक्षक सभी समूह में समान तीलियाँ देंगे।
- शिक्षक अब निम्नांकित आकृति समूहवार बनाने के लिए कहे तथा समूह गतिविधि के पश्चात् व्यक्तिगत रूप से करवाएँगें।
  - माचिस की नौ तीलियों से चार त्रिभुज बनाओ।
  - माचिस की 15 तीलियों से छः वर्ग बनाओ।
  - आठ तीलियों से मछली की आकृति बनाओ।
  - 13 तीलियों की सहायता से तीन एक जैसे आयत बनाओ।
  - 12 तीलियों की सहायता से तीन एक जैसे आयत बनाओ।

नोट - शिक्षक इस प्रकार की अन्य आकृति (ज्यामितीय) बनाने का अभ्यास करें तथा संबंधित आकृतियों के बारे में चर्चा करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में खेल के माध्यम से आकृति निर्माण की क्षमता का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में रचनात्मकता, समस्या-समाधान, एकाग्रता, धैर्य आदि दक्षताओं का विकास हो सकेगा।

निपुण भारत

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'कहानी पठन एवं खेल (पहलवान जी का खेल)' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थी भाषा कौशल (श्रवण, तुकबंदी, शब्दावली भंडार) से संबंधित समझ बना पाएँगे।
- विद्यार्थी बुनयादी साक्षरता कौशल विकसित कर सकेंगें।

आवश्यक सामग्री- कहानी के प्रिंट , सफेद पेपर, पेन, कलर मार्कर, बोर्ड आदि।

कहानी का लिंक - https-//www.youtube.com/watch ?v=49Thc9V8GeA

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक गतिविधि से पूर्व कहानी को अच्छी से याद कर लें जिससे गतिविधि के समय आकर्षक ढंग से प्रस्तुत करेंगे।
- शिक्षक सभी विद्यार्थियों को खेल के निर्देश समझाकर एक ट्रायल राउंड करवाए जिससें विद्यार्थी खेल को अच्छे से समझ पाएँगे।

गतिविधि के चरण-

- सर्वप्रथम सभी विद्यार्थियों को समूह में बिठाकर शिक्षक स्वयं कहानी का वाचन करेंगे तथा सभी विद्यार्थी ध्यानपूर्वक सुनेंगें।

- इसके पश्चात् विद्यार्थियों को स्तरानुसार कार्य देंगे जैसे - कहानी से शब्द लिखना, कहानी के पात्रों से अन्य कहानी का निर्माण करना, कहानी से संबंधित खुले एवं बंद प्रश्नों की प्रश्नावली तैयार करवाना।
- गतिविधि के अंत में शिक्षक विद्यार्थियों की सभी जिज्ञासाओं को शांत करते हुए खेल खिलाएँगे - 'कौड़ा है जमाल शाही, पीछे देखे मार खाई' खेल खिलाएँगे।

  नोट - शिक्षक यहाँ स्थानीय परिवेश के खेला जाने वाला खेल भी खिला सकता है।
- यहाँ शिक्षक अन्य गतिविधि भी करा सकते है जैसे - समूह में पठन आदि।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में भाषा एवं पठन कौशल का विकास होगा।
- विद्यार्थियों में सहयोग, धैर्य और नैतिक मूल्यों के महत्त्व की समझ का विकास होगा।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'करुणा के कथन' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को करुणा के महत्त्व और करुणा के कथन से अवगत कराना।
- करुणा को व्यावहारिक रूप में कैसे अपनाया जा सकता है, इसका अनुभव कराना।

आवश्यक सामग्री - रंगीन कागज, रंगीन पेंसिल आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- गतिविधि से पूर्व शिक्षक करुणा के कथन कब उपयोग होते है इसके उदाहरण तैयार कर लें।
- 'करुणा के कथन' का चार्ट व्यवस्थित कर लें।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक करुणा क्या होती है उसे हम कैसे अभिव्यक्त करते है ? इस चर्चा से आरंभ कर सकते है। जैसे किसी की भावनाओं को समझना, यदि आपका मित्र उदास है तो उसकी सहायता करना।
- शिक्षक उदाहरणों के माध्यम से करुणा के कथन की समझ बनाएँगे।

  'मै समझता/समझती हूँ'

  'क्या मै तुम्हारी सहायता करूँ '

  'मैं तुम्हारी बात सुनता/सुनती हूँ'

  'मेरी गलती थी, मैं मानता/मानती हूँ'
- इसके पश्चात् शिक्षक ये कथन एक चार्ट पर लिख देंगे या प्रत्येक कथन को सभी विद्यार्थी रंगीन कागज पर लिख सकते हैं और उन्हें अलग-अलग रंगों से सजा सकते है।

- शिक्षक ये चार्ट या रंगीन कागज

'करुणा के कथन' के नाम से कक्षा के किसी दीवार पर चिपका देंगे

- गतिविधि के अंत में शिक्षक चर्चा करेंगे कि करुणा स्वयं के और दूसरों के लिए क्यों आवश्यक हैं।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी दूसरों के प्रति समानुभूति और सहयोग की भावना को विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी करुणा के अर्थ और इसके महत्त्व को समझ सकेंगे।

थीम - खेल-खेल में विज्ञान

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1 -2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3 -5)

गतिविधि का नाम - 'मापन' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य – विद्यार्थी में मापन संबंधित समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री - अलग-अलग प्रकार के बर्तन जैसे - जग, गिलास, कटोरी आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक गतिविधि से संबंधित स्पष्ट निर्देश विद्यार्थियों को देंगे।

गतिविधि के चरण -

- विद्यार्थियों के समक्ष पानी से भरी एक बाल्टी, एक जग, एक गिलास और एक कटोरी रखेंगे। शिक्षक विद्यार्थियों से पूछेंगे कि इस जग में कितने गिलास पानी आ सकता है, कितनी कटोरी पानी आ सकता है आदि।
- विद्यार्थी अपने अनुमान से बताएँगे। इसे बोर्ड पर लिख लेंगे -

  जग = ______ गिलास ______ कटोरी

  गिलास = ______ कटोरी
- अब अनुमान की जाँच करने के लिए इस कार्य को वास्तविक रूप में करके देखा जाएगा। विद्यार्थियों की सहायता से पानी को अलग-अलग बर्तन में डालते हुए माप लेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में मापन की प्रारंभिक समझ विकसित हो सकेगी।
- विद्यार्थी प्रमुख खाद्य पदार्थ के रूप में फलों के नामों से अवगत हो सकेंगे।

विशिष्ट गतिविधि

सुरक्षित स्कूल, सुरक्षित राजस्थान (असुरक्षित स्पर्श के विरुद्ध जागरुकता)

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1 -2)

गतिविधि का नाम - 'स्पर्श की पहचान ' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थी सुरक्षित स्पर्श एवं असुरक्षित स्पर्श के बारे में समझ बना सकेंगे।

आवश्यक सामग्री - गुलाब के फूल, टहनी, साफ और गंदा कपड़ा एवं अन्य सामग्री।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक गतिविधि से पूर्व कविता को लय-ताल से गायन का अभ्यास कर लें जिससें गतिविधि के समय अच्छे गायन में समस्या ना हो।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों को कविता सुनाएँगे और विद्यार्थी भी शिक्षक के साथ कविता का दोहरान करेंगे।
- शिक्षक विद्यार्थियों से निम्नलिखित संवाद करेंगे -
  "आपको गर्मी के दिनों में कूलर और AC की हवा अच्छी लगती है मगर जैसे ही आप बाहर निकलते हैं तो गर्म हवा आपको अच्छी नहीं लगती। उसी तरह कुछ वस्तुओं का स्पर्श आपको अच्छा लगता है और कुछ का बुरा, आप बताइएँ आपको किस वस्तु को छूना अच्छा लगता है और आप किस वस्तु को बार -बार छूना पसंद करते हैं ?
- शिक्षक विद्यार्थियों द्वारा बताई गई वस्तुओं, व्यक्तियों, जानवरों आदि के नाम बोर्ड पर लिखते जाएँगे और बताने वाले विद्यार्थियों के नाम लिखेंगे।
- शिक्षक उन विद्यार्थियों को अपने पास बुलाएँगे जिन्होंने अभी तक कुछ भी नहीं बताया। अब उन्हें दो समूह में बाँटेंगे। एक समूह को बुलाकर फूल का स्पर्श करवाएँगे और दूसरे को गुलाब की टहनी का स्पर्श करवाएँगे। फिर दोनों समूहों की प्रतिक्रिया को जानेंगे।
- इसी प्रकार एक समूह को साफ कपड़े और दूसरे समूह को गंदे कपड़े का स्पर्श करवाकर उनकी प्रतिक्रिया जानेंगे।
- गतिविधि के आधार पर शिक्षक विद्यार्थियों से यह बात करेंगे कि कुछ स्पर्श हमें अच्छे लगते हैं,वहीं कुछ स्पर्श हमें अच्छे नहीं लगते। ऐसे किसी भी असहज स्पर्श की स्थिति में उन्हें अपने माता-पिता या शिक्षक से बात करनी चाहिए।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियो में सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्श की पहचान की समझ विकसित हो सकेगी।

समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3 -5)

गतिविधि का नाम - 'फीलिंग गेम' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थी गुड टच - बेड टच अनुभव करने के बारे में समझ बना सकेंगे।

आवश्यक सामग्री - पेपर एवं पेंसिल आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- गतिविधि से पूर्व शिक्षक कविता को लय-ताल से गायन का अभ्यास कर लें जिससें गतिविधि के समय गायन में समस्या ना हों।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों को दो पेपर दिए जाएँगे जिस पर विद्यार्थी दो प्रकार के चेहरे बनाएँगे - हँसता हुआ चेहरा और दुःखी दिखता हुआ चेहरा।

- शिक्षक कुछ अच्छे लगने वाले और कुछ बुरे लगने वाले अनुभवों की सूची बनाएँगे और विद्यार्थियों से एक-एक कर साझा करेंगे। अच्छे वाक्य लगने पर विद्यार्थी हँसता हुआ दिखाएँगे और बुरा लगने पर दु:खी वाला। जैसे -
    - आज मम्मी आपके लिए चॉकलेट लेकर आई।
    - आपका मित्र आपसे नाराज है।
- शिक्षक विद्यार्थियों को फिर बताएँगे की जैसे कुछ होने पर अच्छा-बुरा अनुभव होता है, वैसे ही किसी स्पर्श पर भी हमें अच्छा या बुरा अनुभव हो सकता है।

इस पूरे सत्र के पश्चात् याद रखने योग्य बिंदु -

1. सुरक्षित स्पर्श की जानकारी।
2. बुरे स्पर्श को कैसे पहचाने ?
3. असुरक्षित स्पर्श से सावधान रहने के तौर-तरीके।
4. यदि आप असुरक्षित महसूस कर रहे हैं तो क्या करें ?
5. इस पूरे विषय से संबंधित महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ।

नोट: - इस दिन पूरे राजस्थान में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक कक्षाओं हेतु प्रशिक्षित राजकीय शिक्षकों/अधिकारियों एवं अन्य स्वयं सेवकों द्वारा एक साथ कार्यक्रम आयोजित किये जाएँगे। आप अपने यहाँ प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षक भी तैयार रखे।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'कृतज्ञता का लूडो' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थी में आभार एवं कृतज्ञता की समझ को बनाना।
- विद्यार्थी का अपनों और अपने आसपास की वस्तुओं के लिए आभार व्यक्त करना।

आवश्यक सामग्री - रंगीन कागज, पासा, रंगीन पेंसिल आदि।

1	कोई व्यक्ति जिसके लिए आप आभारी है।
2	कोई जगह जिसके लिए आप आभारी है।
3	कोई चीज जिसके लिए आप आभारी है।
4	कोई खाने की चीज जिसके लिए आप आभारी है।
5	कोई प्रकृति से जुड़ी चीज जिसके लिए आप आभारी है।
6	कोई खेल जिसके लिए आप आभारी है।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक गतिविधि से पहले उपयुक्त सामग्री की व्यवस्था करेंगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक आभार व्यक्त करना या कृतज्ञता की समझ से उदाहरण बताएँगे जैसे- जब आपके परिवार में से कोई आपके लिए भोजन बनाता है, आपका मित्र आपकी सहायता करता है, आपको जो स्कूल छोड़तें है आदि।
- इसके पश्चात् शिक्षक भावनाओं पर ऊपर चर्चा करेंगे कि कृतज्ञता से हम कैसा अनुभव करते है या कोई संवेदना होती है ? जैसे - गुदगुदी, चेहरे पर मुस्कान आदि।
- शिक्षक एक-एक कर पासा कक्षा के टेबल पर फेकेंगे। अंक के अनुसार विद्यार्थी वो नाम लिखेंगे या चित्र बनाएँगे जिन्हें उन्हें आभार व्यक्त करना है।
- शिक्षक ध्यान रखें कि समान अंक आने पर पुन: पासा फेंकेंगे।
- गतिविधि के अंत में शिक्षक चर्चा करेंगे कि विद्यार्थियों को ये गतिविधि कैसी लगी और क्या नया सीखा ?
- **सीखने के प्रतिफल** – विद्यार्थियो में दूसरों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने की समझ विकसित हो सकेगी।

मार्च 2026

थीम- आओ राजस्थान को जानें

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1 -2), समूह -2 प्रवेश (कक्षा 3 -5)

गतिविधि का नाम - 'कोलाज बनाना (हमारी विरासत)' 60 मिनट

गतिविधि के उद्देश्य - कोलाज गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को राजस्थान की विरासत मंदिर, महल, किले, बावड़ियाँ इत्यादि स्थानीय स्थापत्य कला की जानकारी देना और विद्यार्थियों को इनके संरक्षण के प्रति जागरुक करना।

आवश्यक सामग्री - राजस्थानी स्थापत्य कला से संबंधित चित्र, कागज/बोर्ड, कैंची, गोंद, रंगीन कागज (सजावट हेतु), मार्कर, पेंसिल, स्केल, ब्रश और रंग आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - स्थानीय परिवेश से जोड़ते हुए राजस्थान की विरासत से विद्यार्थियों को परिचित कराएँ और इनके संरक्षण के प्रति जागरुक बनाएँ।

गतिविधि के चरण -

- विद्यार्थियों के साथ स्थानीय परिवेश में अवस्थित स्थापत्य कला पर चर्चा करेंगे।
- राजस्थानी स्थापत्य कला से संबंधित चित्र आदि विद्यार्थियों को दिखाएँगे।
- विद्यार्थियों को कागज/बोर्ड, कैंची, गोंद, रंगीन कागज (सजावट हेतु), मार्कर, पेंसिल, स्केल, ब्रश और रंग आदि उपलब्ध करवाएँगे।
- एक पात्र में राजस्थानी स्थापत्य कला से संबंधित कटिंग वाले चित्र रखेंगे।
- विद्यार्थी (एकल/समूह) पात्र में से कटिंग चित्र निकालकर कागज/बोर्ड पर गोंद की सहायता से चिपकाएँगे।
- विद्यार्थी कोलाज को सुंदर बनाने के लिए रंगीन कागज आदि सजावटी सामग्री चिपकाएँगे।
- विद्यार्थियों द्वारा बनाएँ गए कोलाज पर शिक्षक चर्चा करेंगे और राजस्थान की विरासत के संरक्षण के प्रति जागरुक करेंगें।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी राजस्थान की स्थापत्य कला के अंतर्गत मंदिर, महल, किले, बावड़ियों के महत्त्व और उपयोगिता को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी राजस्थान के विभिन्न मंदिर, महल, किले, बावड़ियों आदि के संरक्षण के प्रति जागरुक हो सकेंगे।

अन्य गतिविधि (निपुण भारत)

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'नाम ढूँढो' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -विद्यार्थियों के शब्द भंडार में वृद्धि एवं वर्गीकरण के प्रति समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री - कार्ड शीट, स्केच पेन, ढ़ोलक, घंटी आदि।

शिक्षक निर्देश -

- कार्ड शीट से 3x2 इंच के 25 कार्ड तैयार कर लें।
- चार थीम के 5-5 नाम लिखकर कार्ड तैयार कर लें।

नोट - चार थीम (पक्षी, फल, सब्जी एवं यातायात के साधन) निम्नलिखित हो सकती हैं।

- शिक्षक विद्यार्थियों को स्तरानुसार चार समूह में विभाजित कर लें।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक सभी विद्यार्थियों को गोल घेरे में बैठाकर गतिविधि के बारे में बताएँ कि हम नाम ढूँढ़ने का खेल खेलेंगे।
- शिक्षक सभी विद्यार्थियों को चार थीम (पक्षी, फल, सब्जी एवं यातायात के साधन) से जुड़े नाम बताएँगे।
- कक्षा के चारों कोनों में एक-एक थीम का नाम रिम पेपर पर बड़े अक्षरों में लिखकर लगा दें एवं प्रत्येक उप समूह को एक थीम निश्चित करके वहाँ बैठा देंगे।
- कक्षा के मध्य चॉक से गोला बनाकर सभी नामों को उसमें उल्टा करके रख देंगे।
- शिक्षक ढ़ोलक या घंटी को एक से दो मिनट तक बजाएगा एवं उस समय में प्रत्येक समूह से एक-एक विद्यार्थी दौड़कर अपनी थीम से जुड़ा नाम ढूँढ़कर लाएँगे।

नोट - शिक्षक ध्यान रखे कि किसी विद्यार्थी की पुनरावृत्ति न हो।

- शिक्षक प्रत्येक समूह को चारों थीम के नाम ढूँढ़कर लाने के अवसर देंगे।
- शिक्षक गतिविधि को रोचक बनाने के लिए श्यामपट्ट पर पॉइंट टेबल बना लेंगे।
- अंत में गतिविधि को लेकर विद्यार्थियों के अनुभव जानते हुए समेकन करें।

नोट - गतिविधि के बाद अगर समय हो तो विद्यार्थियों से कार्ड में आए नाम की दो-तीन विशेषता जान सकते हैं।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थियों में आपसी सहयोग की भावना एवं वर्गीकरण की समझ विकसित हो पाएगी।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'सकारात्मक कथन' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच और आत्म-प्रोत्साहन के महत्त्व को समझाना।

आवश्यक सामग्री - रंगीन कागज, रंगीन पेंसिल आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक सकारात्मक कथन के कुछ उदाहरण की सूची बना लेंगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों के साथ एक छोटा ध्यान का अभ्यास कर सकते है, जैसे – तीन बार गहरी श्वास लेना, जमीन का स्पर्श अनुभव करना आदि।
- इसके पश्चात् शिक्षक विद्यार्थियों को चिंतन करने के लिए निर्देश देंगे, आपको प्रोत्साहित करने के लिए आपके मित्र या परिवारजन क्या कहते है तथा आप स्वयं का आत्मविश्वास बढानें के लिए क्या कहेंगे ?

- शिक्षक बीच-बीच में उदाहरण देते रहेंगे और विद्यार्थियों को अलग-अलग परिस्थिति देकर उनकी सोच का दायरा बढ़ाएँगे जिससें विद्यार्थी खुले मन से साझा कर पाए।
- शिक्षक ये सभी कथन बोर्ड पर लिख देंगे और विद्यार्थियों के साथ दोहराएँगे।
- गतिविधि के अंत में शिक्षक कथन को पढ़कर विद्यार्थी कैसा अनुभव करते हैं इस पर चर्चा करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और आत्म-संवेदना बढ़ सकेगी।
- विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच और प्रेरणादायक कथनों का दैनिक जीवन में उपयोग हो सकेगा।

थीम- भाषाई समझ से अभिव्यक्ति की ओर

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1 -2)

गतिविधि का नाम - 'अभिनय' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति,अभिनय कौशल तथा शब्द भंडार के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

आवश्यक सामग्री- विभिन्न जानवरो एवं व्यवसाय से जुड़े नाम की पर्चियाँ, जैसे - शेर, भालू, मोर, हलवाई, किसान,घंटी या ढ़ोलक आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- यह गतिविधि कराने से पूर्व शिक्षक विभिन्न जानवरों एवं व्यवसाय से जुड़े नाम की पर्चियाँ तैयार कर रखेंगे।
- शिक्षक गतिविधि कराने से पहले उन नाम पर बातचीत करने के लिए दो- तीन प्रश्न तैयार कर लें तथा पहले शिक्षक एक पर्ची उठाकर विद्यार्थियों को डेमो देकर बताएँ।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक सभी विद्यार्थियों को गोल घेरे में बैठाकर बातचीत करेंगे कि आज हम विभिन्न जानवरों एवं व्यवसाय के बारे में जानेगें।
- शिक्षक विद्यार्थियों से विभिन्न जानवरों एवं व्यवसायों के नामों को लेकर जानकारी के लिए चर्चा करेंगे।
- अब विद्यार्थियों को बताएँगे कि हम एक खेल खेलेंगे, जिसमें हमें डिब्बे में रखी पर्ची में लिखे नाम को पढ़कर उसका अभिनय करना है एवं अन्य विद्यार्थी अभिनय देखकर उसका नाम बताना है।
- शिक्षक या कोई विद्यार्थी घंटी या ढोलक बजाएँगा एवं आवाज रूकने पर जिस विद्यार्थी के पास बॉल रहेगी वह विद्यार्थी ही पर्ची लेगा।
- शिक्षक या विद्यार्थी उस नाम से संबंधित प्रश्न विद्यार्थी से करेंगे साथ ही शिक्षक विद्यार्थी को बोलने या उत्तर देने में सहायता भी करेंगे।
- जिस विद्यार्थी के पास जिस नाम की पर्ची आई उसका चित्रांकन करवाएँगे ।
- अंत में शिक्षक बातचीत का समेकन करेंगे।

सीखने का प्रतिफल-:

- विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति कौशल, अभिनय कौशल एवं शब्द भंडार का विकास हो सकेगा।

समह - 2 प्रवेश (कक्षा - 3 -5)

गतिविधि का नाम - 'बुढ़िया की रोटी (अभिनय)' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति,अभिनय कौशल, शब्द भंडार में वृद्धि तथा पढ़ने के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

आवश्यक सामग्री - कहानी में आए पात्रों से संबंधित मुखौटे तथा बुढ़िया की रोटी पुस्तक, अभिनय के लिए आवश्यक सामग्री- बुढ़िया के लिए छड़ी आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- यह गतिविधि कराने से पूर्व शिक्षक इस पुस्तक को दो से तीन बार ठीक तरह से पढ़ेंगे।
- कहानी में आए पात्रों से संबंधित मुखौटे एवं अभिनय के लिए आवश्यक सामग्री विद्यार्थियों की सहायता से पहले तैयार कर लेंगे।

  नोट - शिक्षक स्कूल पुस्तकालय में उपलब्ध विद्यार्थियों के स्तरानुसार दूसरी पुस्तक पर भी यह गतिविधि करा सकते हैं।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों से बातचीत करेंगे कि पिछले शनिवार हम ने बुढ़िया की रोटी नामक कहानी सुनी थी, आज हम उस पर दो समूह में अभिनय या नाटक करेंगे।
- शिक्षक विद्यार्थियों को दो समूह में विभाजित करेंगे।
- शिक्षक विद्यार्थियों से जान लें कि उनको कहानी याद है अगर याद नही हो तो शिक्षक कहानी को एक बार दोबारा सुना देंगे।
- कहानी सुनाने के बाद दोनों समूह को स्वतंत्र रूप से अभिनय तैयार करने के लिए 10 मिनट का समय देंगे।
- शिक्षक 10 मिनट बाद विद्यार्थियों के दोनों समूह से अभिनय करवाएँगे।
- अभिनय के बाद बड़े समूह में चर्चा करते हुए विद्यार्थियों से अनुभवों को जानते हुए समेकन करेंगे।

सीखने का प्रतिफल -विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति, अभिनय कौशल, शब्द भंडार में वृद्धि तथा पढ़ने के प्रति रुचि का विकास हो सकेगा।

अन्य गतिविधि (एक भारत, श्रेष्ठ भारत)

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1 -2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3 -5)

गतिविधि का नाम - 'प्रमुख त्योहार ' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों द्वारा राजस्थान और असम राज्य के प्रमुख त्योहारों के बारे में जानना।
- विद्यार्थियों द्वारा दोनों राज्यों के सामाजिक एवं धार्मिक परम्पराओं, सामाजिक एकता,परंपरा ,संरक्षण बारे में जानना।

आवश्यक सामग्री- -चार्ट, पेंसिल, प्रमुख त्योहारों की सूची आदि।

शिक्षक निर्देश -

- शिक्षक राजस्थान एवं असम के प्रमुख त्योहारों (दीपावली, होली, दशहरा, गणगौर, नवरात्रि, गणेश चतुर्थी एवं बिहू, दुर्गा पूजा, काली पूजा, कामख्या पूजा) के बारे में सामान्य जानकारी प्राप्त करेंगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक सर्वप्रथम विद्यार्थियों को अपने आसपास मनाए जाने वाले त्योहारों की सूची बनाने के लिए कहेंगे।
- सूची पर चर्चा करते हुए दोनों राज्यों के प्रमुख त्योहारों (दीपावली, होली, दशहरा, गणगौर, नवरात्रि, गणेश चतुर्थी एवं बिहू, दुर्गा पूजा, काली पूजा, कामाख्या पूजा) के बारे में विस्तृत जानकारी साझा करेंगे।
- विद्यार्थियों की सभी प्रकार की जिज्ञासा को शांत करने के पश्चात् विद्यार्थियों को दोनों राज्यों के प्रमुख त्योहारों की सूची बनाते हुए उनको मनाने की प्रमुख परंपराओं, धार्मिक कारणों तथा वैज्ञानिक संदर्भ संबंधित बिन्दु लिखेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी दोनों राज्यों के प्रमुख त्योहारों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- विद्यार्थी दोनों राज्यों की संस्कृति एवं सांस्कृतिक विरासत से संबंधित विविधता के बारे में जान सकेंगे।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'स्कूल है एक प्रणाली' 🕒 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों में विभिन्न लोगों के योगदान के प्रति समझ बनाना तथा निर्भरता के प्रति जागरुकता बढ़ाना।

आवश्यक सामग्री - रंगीन कागज, रंगीन पेंसिल, स्कूल का चित्र या फोटो आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक कुछ उदाहरण या परिस्थितियों की सूची तैयार कर लें जो गतिविधि में सहायक हो। जैसे - शिक्षक, संस्था प्रधान, शारीरिक शिक्षक आदि।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों के साथ निर्भरता पर चर्चा करेंगे और दोहराएँगे कि कैसे हम एक दूसरे पर निर्भर होते हैं।
- शिक्षक अपने स्कूल का चित्र या फोटो ब्लैक बोर्ड पर चिपका देंगे और विद्यार्थियों को उन लोगो की सूची बनाने का निर्देश देंगे जिनकी जरूरत हमें विद्यालय में होती है।
- विद्यार्थी छोटे समूह में सूची तैयार कर लेंगे और शिक्षक उन सभी के नाम चित्र के आसपास लिखेंगे। (नोट – इसमे कक्षा 1 -2 समूह के विद्यार्थी चित्र बनाकर अपने विचार व्यक्त करेंगे)
- इसके पश्चात् शिक्षक विद्यार्थी को चिंतन करने के लिए कहेँगे कि यदि हम इनमे से किसी जन को हटा दें तो क्या प्रभाव पड़ेगा ?
- विद्यार्थी छोटे समूह में चर्चा कर सकते हैं।
- गतिविधि के अंत में शिक्षक इस प्रश्न को गृहकार्य में दे सकते है हम कैसे एक-दूसरे पर प्रभाव डालते हैं ?

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी समाज में विभिन्न भूमिकाओं और कार्यों के महत्त्व को समझ सकेंगे।

थीम - खेल-खेल में विज्ञान

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1 -2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3 -5)

गतिविधि का नाम - 'पेपर कप और धागे से टेलीफोन बनाना' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का निर्माण करना।
- विद्यार्थियों में ध्वनि संचरण की अवधारणा को समझाना।

आवश्यक सामग्री - एक धागा, दो पेपर कप आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक गतिविधि से पूर्व गतिविधि का अभ्यास कर लेंगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक तथा विद्यार्थी मिलकर दो पेपर कप में नीचे छोटे (धागे जितने ही) छेद करके दोनों कप में एक ही लंबे धागे के दो सिरों को बाँध देंगे।
- इसके बाद शिक्षक एक-एक करके विद्यार्थियों को उसके एक सिरे से कुछ बोलने एवं दूसरे सिरे से सुनने का अवसर देंगे।
- विद्यार्थियों से ध्वनि के धागे द्वारा संचारित होने पर बात की जाएगी। वायु द्रव्य ध्वनि के संचरण पर भी बातचीत की जाएगी।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी वायु द्वारा ध्वनि के संचरण की अवधारणा को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास हो सकेगा।

अन्य गतिविधि (निपुण भारत)

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'वर्गीकरण एवं आकृतियों की समझ' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थी में वर्गीकरण एवं आकृतियों की पहचान करने की क्षमता विकसित करना।

- विद्यार्थी द्वारा गतिविधि से संबंधित प्राप्त जानकारी का उपयोग दैनिक जीवन में करना।

आवश्यक सामग्री - चार्ट, पेंसिल, चॉक, ज्यामितीय आकृतियों के फ्लेश कार्ड, कंकड़, पत्तियाँ, फल, सब्जियाँ, कंचे, पत्थर, खिलौने, विभिन्न आकार एवं रंग के डिब्बे या वस्तुएँ, टोकरी आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक सभी विद्यार्थियों को गतिविधि के निर्देश समझाकर एक ट्रायल राउंड कराएँ जिससें विद्यार्थी खेल को अच्छे से समझ पाएँ।
- शिक्षक विद्यार्थियों की आवश्यकतानुसार फ्लेश कार्ड एवं आवश्यक सामग्री तैयार कर लें।

गतिविधि के चरण-

- शिक्षक विद्यार्थियों को दो समूह में विभाजित करेंगे तथा समूहवार निम्नानुसार गतिविधि करवाएँगे

समूह -1

- शिक्षक विभिन्न टोकरियों या डिब्बों को कमरे में अलग-अलग जगहों पर रखेंगे।
- विद्यार्थियों को विभिन्न वस्तुओं को एकत्र करने और उन वस्तुओं को आकार, रंग, या किसी अन्य विशेषता के आधार पर वर्गीकृत करने के लिए कह सकते हैं और सही टोकरी या डिब्बे में रखने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।
- जैसे - जैसे विद्यार्थी अधिक कुशल होते जाते हैं, आप अधिक चुनौतीपूर्ण वर्गीकरण कार्य पेश कर सकते हैं।

समूह -2

- विद्यार्थियों को दो से तीन के उपसमूह में बाँटेंगे।
- कमरे के एक छोर पर विभिन्न ज्यामितीय आकृतियों (वर्ग, त्रिभुज, वृत्त, आयत आदि) के कागज के टुकड़ों का ढेर रखेंगे।
- प्रत्येक समूह के पहले विद्यार्थी को ढेर से एक आकृति लेने और उसे कमरे के दूसरे छोर पर एक बॉक्स में रखने के लिए कहेंगे।
- इसके पश्चात् अगले विद्यार्थी को ढेर से एक आकृति लेने और उसे बॉक्स में रखने के लिए कहेंगे।
- जो उपसमूह सभी आकृतियों को बॉक्स में पहले रखेंगीं, वह विजेता होगी।
- नोट - शिक्षक स्थानीय परिवेश के अनुसार वस्तुएँ लेने के लिए स्वतंत्र है साथ ही शिक्षक अन्य गतिविधि जैसे - ज्यामितीय आकृतियों का निर्माण कराना, ज्यामितीय आकृतियों की समझ, संख्याओं एवं शब्दों का वर्गीकरण आदि करा सकते हैं।

सीखने के प्रतिफल-

- विद्यार्थियों में वस्तुओं को वर्गीकृत करने और उन्हें उनके गुणों के आधार पर समूहीकृत करने की क्षमता विकसित का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में ज्यामितीय आकृतियों(वर्ग, त्रिभुज, वृत्त, आयत आदि) के बारे में समझ का विकास हो सकेगा।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'मिलकर बनाए एक सुरक्षित कक्षा' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को सुरक्षित कक्षा से परिचय देना।
- विद्यार्थियों का सुरक्षित कक्षा में नियम की समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री - रंगीन कागज, रंगीन पेंसिल, चार्ट आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक कुछ उदाहरण या परिस्थितियों की सूची तैयार कर लें जो गतिविधि में सहायक होंगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों को सुरक्षित शब्द से जुड़ी भावनाएँ और कार्य साझा करने के लिए कहेंगे। जैसे - माता- पिता के साथ खुशी अनुभव होती है आदि।
- शिक्षक एक कक्षा के चित्र के आस पास सब लिख लेंगे या चित्र बना लेंगे।
- शिक्षक अब चर्चा करेंगे कि एक सुरक्षित कक्षा के लिए हमे कौनसे नियमों का पालन करना चाहिए।
- सभी नियम एक-एक बार दोहराएँगे और उससे जुड़ा कोई हाव-भाव भी करेंगे जिससे विद्यार्थियों की समझ बने।
- शिक्षक नियम के उदाहरण से समझ बना सकते हैं और प्रश्नों के माध्यम से समझ को सशक्त कर सकते हैं।
- गतिविधि के अंत में शिक्षक एक चार्ट पर सारे नियम लिख ले और प्रत्येक कक्षा में उनका पालन करने का प्रोत्साहन बढ़ाए।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी आत्म-अनुशासन और उत्तरदायित्व की भावना विकसित करेंगे और इन नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित हो सकेंगे।

एक भारत श्रेष्ठ भारत

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'प्राकृतिक संसाधन' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों द्वारा राजस्थान एवं असम के प्राकृतिक संसाधनों के बारे में जानना।
- विद्यार्थियों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के सांस्कृतिक एवं आर्थिक महत्त्व को समझना।

आवश्यक सामग्री- -चार्ट पेपर, पेंसिल, रंगीन चार्ट, मार्कर, मानचित्र, ब्लैक बोर्ड, फ्लैश कार्ड, स्टीकर, प्रोजेक्टर, मोबाइल/ कंप्यूटर आदि।

शिक्षक निर्देश - शिक्षक सर्वप्रथम राजस्थान एवं असम राज्य के प्रमुख प्राकृतिक संसाधनों के बारे जानकारी प्राप्त कर लें तथा आवश्यकतानुसार सूची बना लें।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक सर्वप्रथम विद्यार्थियों को दो समूहों में विभाजित करेंगें तथा समूहवार निम्नलिखित कार्य करवाएँगे -
- प्रथम समूह से (रोल प्ले)- प्राकृतिक संसाधनों (नदी, जंगल, खनिज आदि)का प्रतिनिधित्व करने वाले पात्रों को संबंधित प्राकृतिक संसाधन के बारे में जानकारी एकत्र कर प्रस्तुतीकरण करवाएँगे।
- द्वितीय समूह से - (मानचित्र निर्माण) - इस समूह को विद्यार्थियों की संख्यानुसार एक या दो समूह में असम एवं राजस्थान के मानचित्र में विभिन्न प्राकृतिक संसाधनों (उदा. वन, नदियाँ, कोयला, आदि) को चिह्नित कर प्रस्तुतीकरण करेंगे
- इसके पश्चात् शिक्षक वीडियो के माध्यम से राजस्थान एवं असम के प्राकृतिक संसाधनों के स्थलों को दिखाएँगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं दुरुपयोग के परिणामों की समझ बना पाएँगे।
- विद्यार्थी में अन्य प्रमुख प्राकृतिक संसाधनों के बारे में जानने की जिज्ञासा बढ़ पाएँगी।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - ‘ ध्यान से रंग भरे’ 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थी का रंग भरने से ध्यान लगाने का कौशल विकसित करना।
- विद्यार्थियों का शांति और ध्यान का संबंध सशक्त करना।

आवश्यक सामग्री - रंग भरने के लिए अलग-अलग चित्र के प्रिंट आउट्स और रंगीन पेंसिल आदि।

PDF - https-//docs.goog le.com/document/d/1RcRVVr2FS l7k lV0f9_cO lwaI151oCg3QRtnM0Wn2HEA/edit ?usp=sharing

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक गतिविधि से पूर्ण प्रत्येक विद्यार्थी के लिए कोई एक चित्र का प्रिंट निकाल लेंगे।
- रंगीन पेंसिल सभी विद्यार्थियों के लिए व्यवस्थित कर लेंगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों को ध्यान के महत्त्व के बारे में बताएँगे और रंग भरते समय कैसे ध्यान रखें इसकी समझ बनाएँगे।
- शिक्षक विद्यार्थियों को चित्र में अलग-अलग रंग भरने को कहें और लकीरों का खासकर ध्यान रखने का निर्देश देंगे।
- विद्यार्थी शांतिपूर्वक चित्र में रंग भरेंगे।
- गतिविधि के अंत में शिक्षक उनकी भावनाओं पर चर्चा करेंगे और अनुभव साझा करेंगे।
  उन्हें रंग भरते समय कैसा लगा।
  क्या उन्हें कोई संवेदना अनुभव हुई ?

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी ध्यान का दिनचर्या में उपयोग समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी रंग भरने की प्रक्रिया को गहराई से समझ सकेंगे।

थीम- बालसभा मेरे अपनों के संग

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम- 'कोलाब्रेटीव आर्ट '

गतिविधि का उद्देश्य -

- समूह में कार्य करते हुए सहयोग करना और किसी सामूहिक लक्ष्य/परिणाम को प्राप्त करना।
- प्रारंभिक स्तर पर रचनात्मकता और नए विचारों को प्रेरित करना।
- समावेशिता और अपनेपन की भावना का विकास करना।
- समस्या समाधान कौशल, सामाजिक संबंध एवं समुदाय की भावना का विकास करना।

आवश्यक सामग्री - चार्ट शीट्स (30 -60), पेंसिल (30 -60) रबर (30 -60), मोम कलर (10 पैकेट), घंटी या गाना बजाने का वाद्य, टाइमर, चार्ट शीट्स को आपस में चिपकाने के लिए पारदर्शी टेप (चार्ट शीट्स उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में A4 साइज पेपर का उपयोग किया जा सकता है।)

शिक्षक के लिए गतिविधि की पूर्व तैयारी हेतु निर्देश -

- गतिविधि शुरू करने से पहले आवश्यक सामग्री विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में एकत्र कर लें।
- गतिविधि करवाने से पहले शिक्षक गतिविधि स्थल का चुनाव कर लें जिसमे (विद्यालय का मैदान या बड़ा बरामदा/हॉल जहाँ सभी बच्चें आयताकार समूह आकृति में एक दुसरें के पास आरामदायक तरीके से बैठ सकें और अपना स्थान बदल सकें।
- विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में चार्ट शीट्स (एक चार्ट शीट्स पर अधिकतम दो बच्चें) को लेकर आपस में पारदर्शी टेप से चिपका लें एवं उनको आयताकार आकार में व्यवस्थित कर दें। जिससें गतिविधि के दौरान चार्ट शीट्स अपनी जगह से हिल-डुल नहीं सकें।
- गतिविधि शुरू करने से पहले प्रत्येक चार्ट शीट्स पर दो-दो पेंसिल, रबर और चार से पाँच मोम कलर पहले ही रख दें।
- गतिविधि शुरू करने से पहले विद्यार्थियों को पुस्तकालय की पुस्तक से कोई भी रोचक चित्रकथा पुस्तक की सहायता से सुनाएँ और विद्यार्थियों से पुस्तक में आए चित्रों पर चर्चा करें।
- गतिविधि शुरू करने से पहले विद्यार्थियों को अपनी बारी आने पर चार्ट शीट्स को अपनी जगह ही बनाए रखने, पेंसिल, रबर और कलर को उसी चार्ट पेपर के पास रख देने के लिए सूचित करें जिससें अगला आने वाला विद्यार्थी सामग्री का उपयोग कर सकें। विद्यार्थियों द्वारा मांगने पर कलर, रबर और रंग एक दूसरें को साझा करने के बारे में भी आवश्यक रूप से बताएँ।
- विद्यार्थियों को शिक्षक द्वारा गतिविधि के दौरान दिए जाने वाले निर्देशों को ध्यान से सुनने के बारे में बताएँ।

- गतिविधि शुरू करने के तुरंत पहले विद्यार्थियों को आयताकार रूप से जमे हुए चार्ट के सामने विद्यार्थियों को खड़ा करें (एक चार्ट पर दो बच्चें) और विद्यार्थियों को अनुमान लगाने के लिए कहें कि "बताइए हम अब क्या करने वाले है ?" सभी विद्यार्थियों के प्रत्युत्तर को सम्मान पूर्वक सुनें। गतिविधि के बारे में विद्यार्थियों को पहले कुछ भी नहीं बताएँ।
- इस गतिविधि के तीन चरण है। विद्यार्थियों को प्रत्येक चरण के निर्देश अलग अलग दें जैसे प्रथम चरण पूरा हो जाने पर ही दूसरे चरण के निर्देश दें और दूसरा चरण पूरा हो जाने पर तीसरे चरण के निर्देश दें।

गतिविधि के चरण -

1. **प्रथम चरण** - सभी विद्यार्थियों को आयताकार आकृति में जमाएँ गए चार्ट शीट्स के सामने खड़ा कर देंगे (एक चार्ट पर दो विद्यार्थी) और विद्यार्थियों को आगे होने वाली गतिविधि के बारे में अनुमान लगाने के लिए पूछेंगे।

   - विद्यार्थियों को एक रोचक चित्रकथा पुस्तक की सहायता से कहानी सुनाएँगे एवं पुस्तक के चित्रों पर कुछ प्रश्नों के माध्यम से चर्चा करेंगे जैसे चित्र कैसे थे ? चित्रों में क्या क्या अलग था या मजेदार था ? इत्यादि।
   - अब विद्यार्थियों को प्रत्येक चार्ट पर पेंसिल से आड़ी तिरछी, गोल मोल यादृच्छिक रेखाएँ बनाने के लिए कहेंगे। विद्यार्थियों को बताएँ पेंसिल चार्ट पेपर से उठानी नहीं है। यह प्रक्रिया एक मिनट तक चलने देंगे और साथ ही घंटी या गाना भी साथ साथ बजाएँगे। एक मिनट के बाद टाइमर की सहायता से घंटी या गाना बजाना बंद कर देंगे और विद्यार्थियों को अपने दाई और के चार्ट पर चले जाने को कहेंगे। इस प्रकार सभी विद्यार्थी अपने दाई और खिसक जाएँगे और अपने चार्ट से अगले चार्ट पर पहुँच जाएँगे।

- अब विद्यार्थियों को घंटी बजते ही अगले एक मिनट तक अपने सामने के चार्ट पर पुनः आड़ी-तिरछी, गोल मोल यादृच्छिक रेखाएँ बनाने के लिए कहेंगे। इस प्रकार यह क्रम 10 बार (एक-एक मिनट करके कुल 10 मिनट) तक दोहराएँगे और प्रत्येक एक मिनट बाद विद्यार्थियों को अपने से अगले चार्ट पर जाने के लिए कहेंगे। इस प्रकार प्रत्येक चार्ट पर आड़ी टेढ़ी, सीधी तिरछी गोल मोल रेखाओं का जाल चित्रित हो जाएगा।

2. **दूसरा चरण** - अब विद्यार्थियों को चार्ट पर जो अलग अलग रेखाओं का जाल चित्रित हुआ है उसको अगले दो मिनट तक ध्यान से देखने/अवलोकन करने के बारे में कहेंगे और बताएँगे कि इस रेखाओं के जाल में कई सारी आकृतियाँ छुपी हुई है जैसे शेर, खरगोश, मछली, पेड़, आदमी, कंगन, पत्ती, फूल, टेबल, कुर्सी, घर, तारे, चूहा, बिल्ली आदि अन्य कई आकृतियों को ढूँढ़ने के लिए कहें। इन दो मिनट के अवलोकन के दौरान घंटी/ गाना बजाए रखेंगे।

- जब सभी बच्चें दो मिनट तक चार्ट पर अवलोकन कर लेंगे तब टाइमर से गाना/घंटी बजाना बंद कर देंगे एवं गाना बंद होते ही विद्यार्थियों को अपने से अगले चार्ट पर खिसक जाने को कहेंगे।
- जब विद्यार्थी अपने से अगले चार्ट पर चले जाए तब दो मिनट तक घंटी/गाना बजने के दौरान विद्यार्थियों के सामने के चार्ट पर कोई आकृति को ढूँढ़ने और उसकी आकृति को पेंसिल से हाईलाइट करने के बारे में निर्देश देंगे। दो मिनट के बाद घंटी बजाना बंद कर देंगे एवं विद्यार्थियों को अपने से अगले चार्ट पर जाने के लिए कहेंगे। इस प्रकार यह क्रम कम से कम 15 बार दोहराएँगे (कुल तीस मिनट तक)।

3. **तीसरा चरण -** जब बच्चें प्रत्येक चार्ट पर कुछ आकृतियाँ पेंसिल से हाईलाइट कर लें तब विद्यार्थियों को एक-एक मिनट में घंटी/गाना बजाते हुए एक से दूसरे, दूसरे से तीसरें चार्ट पर खिसकते हुए अपनी पसंद के रंग भरने के लिए कहेंगे। इस प्रकार सभी विद्यार्थियों को प्रत्येक चार्ट में कई आकृतियों में अपनी पसंद के रंग भरने का अवसर मिलेगा।

- अंत में जब बच्चें सभी चार्ट में आकृतियों में रंग भर देंगे तब गतिविधि समाप्ति की घोषणा कर विद्यार्थियों को पूरे आयताकार आकृति के चार्ट शीट्स पर बने चित्रों को देखने का अवसर देंगे। इस गतिविधि के बाद विद्यार्थियों से समूह चर्चा करें जिसमें विद्यार्थियों से कुछ प्रश्न किए जा सकते हैं -

1. इस गतिविधि को करते हुए आपके मन में क्या विचार आ रहे थें ?
2. आपने किसी दूसरे का अधुरा चित्र पूरा किया, आपको कैसा लगा और आपने क्या विचार किया ?
3. जब आपने गतिविधि ख़त्म होने के बाद सभी चार्ट्स का अवलोकन किया तो गतिविधि शुरू होने से पहले और गतिविधि समाप्त होने के बाद क्या अनुभव हुआ ?
4. गतिविधि करने के दौरान सबसे अच्छा और सबसे चुनौतीपूर्ण क्या लगा ?

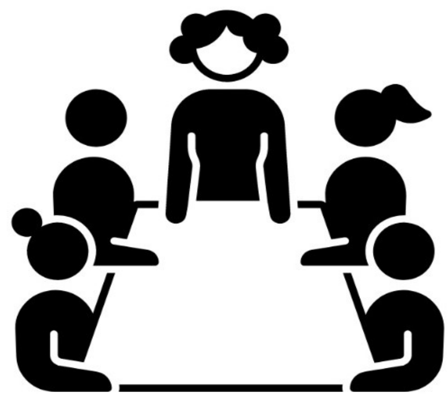

गतिविधि पूरी हो जाने के बाद बने हुए चार्ट शीट्स को ज्यों का त्यों लंबाई में किसी कक्षा कक्ष या हॉल में चिपका देंगे जो अगले कई दिनों तक विद्यार्थियों को रोचक और आनंदायी गतिविधि के बारे में सोचने और कुछ और चित्र बनाने के लिए प्रेरित करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- समूह में कार्य करते हुए सामूहिक लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे।
- प्रारंभिक स्तर पर रचनात्मकता को अपने जीवन में ला पाएँगे।
- समावेशिता और अपनेपन की भावना का विकास हो पाएगा।
- समस्या समाधान कौशल, सामाजिक संबंध और समुदाय की भावना का विकास हो सकेगा।

अप्रेल 2026

थीम- आओ राजस्थान को जानें

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1 -2)

गतिविधि का नाम - 'गायन प्रतियोगिता (लोक गीत)' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- स्थानीय परिवेश में प्रचलित लोक गीतों के माध्यम से राजस्थान के लोक गीतों से परिचय कराना।
- स्थानीय लोक गीतों की लय-ताल से परिचित कराना।

आवश्यक सामग्री - माइक सेट (आवश्यकता हो तो) आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- विद्यार्थियों को लोक गीत (स्थानीय परिवेश अनुसार जैसे - सामाजिक रीति -रिवाजो, लोक देवताओं से संबंधित गीत, त्योहार विशेष पर गाए जाने वाले गीत इत्यादि) गायन (एकल अथवा सामूहिक) हेतु प्रेरित करें और स्वयं भी अभिनय के साथ गायन कर विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक गतिविधि पूर्व विभिन्न लोक गीतों के गायन की योजना बनाएँगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों को एकल और सामूहिक प्रस्तुति के समूह में बैठायेंगे।
- शिक्षक बारी-बारी से विद्यार्थियों को अपनी प्रस्तुति के अवसर प्रदान कराएँगे तथा शिक्षक इस दौरान प्रस्तुतियों की सूची भी बनाएँगे।
- प्रस्तुति के उपरांत प्रस्तुत गीतों को सामाजिक रीति-रिवाजों,त्योहारों से जोड़ते हुए चर्चा करेंगे साथ ही शिक्षक लोक गीतों की लय-ताल के बारे में भी विद्यार्थियों को बताएँगे अगर आवश्यकता हो तो बच्चों को लय-ताल गाकर भी बताएँगे।

सीखने के प्रतिफल -

- स्थानीय परिवेश में प्रचलित लोक गीतों के माध्यम से राजस्थान के लोक गीतों के गायन का कौशल विकसित हो सकेगा।
- राजस्थान के लोक गीतों के संदर्भ में विद्यार्थियों की अपनी समझ विकसित होगी तथा लोक गीतों की लय-ताल को जान सकेंगे।

समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3 -5)

गतिविधि का नाम - 'नृत्य प्रतियोगिता (क नृत्य)' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- स्थानीय परिवेश में प्रचलित लोक नृत्यों के माध्यम से राजस्थान के लोक नृत्यों से परिचय करवाना।
- विद्यार्थियों में स्वयं लोक नृत्य करने के कौशल को विकसित करना।

आवश्यक सामग्री - पारंपरिक वेशभूषा, स्पीकर, माइक सेट (आवश्यकता हो तो) आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक विद्यार्थियों को एक दिवस पूर्व गतिविधि के संदर्भ में जानकारी उपलब्ध कराएँ। जिससें वे पारम्परिक वेशभूषा की व्यवस्था कर सकेंगे।

- विद्यार्थियों को लोक नृत्य (स्थानीय परिवेश अनुसार जैसे - सामाजिक रीति -रिवाजो, लोक देवताओं से संबंधित नृत्य, त्योहार विशेष पर किए जाने वाले नृत्य इत्यादि) की थीम अनुरूप (एकल अथवा सामूहिक हेतु) प्रेरित करेंगे।
- शिक्षक स्वयं भी अभिनय के साथ विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करें। शिक्षक गतिविधि पूर्व विद्यार्थियों के साथ विभिन्न लोक नृत्यों की योजना बनाएँगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों को एकल और सामूहिक प्रस्तुति के समूह में बैठायेंगे।
- शिक्षक बारी-बारी से विद्यार्थियों को अपनी प्रस्तुति के अवसर प्रदान कराएँगे तथा शिक्षक इस दौरान प्रस्तुतियों की सूची भी बनाएँगे।
- प्रस्तुति के उपरांत प्रस्तुत लोक नृत्यों को सामाजिक रीति-रिवाजों,त्योहारों से जोड़ते हुए चर्चा करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- स्थानीय परिवेश में प्रचलित लोक नृत्यों के माध्यम से राजस्थान के लोक नृत्यों का कौशल विकसित हो सकेगा।
- राजस्थान के लोक नृत्यों के संदर्भ में विद्यार्थियों की अपनी समझ विकसित हो पाएगी।
- विद्यार्थी की विभिन्न अवसरों पर लो नृत्य में सहभागिता बन सकेगी।

एक भारत, श्रेष्ठ भारत

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'प्रमुख उद्योग' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को राजस्थान एवं असम के प्रमुख उद्योगों से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों की प्रमुख उद्योगों के आर्थिक महत्त्व पर अपनी समझ विकसित करना।

आवश्यक सामग्री - पेपर, पेंसिल, रंगीन चार्ट, मार्कर, मानचित्र, ब्लैक बोर्ड, फ्लैश कार्ड, पेन आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक सर्वप्रथम राजस्थान एवं असम राज्य के प्रमुख उद्योगों के बारे में जानकारी प्राप्त कर लें तथा आवश्यकतानुसार सूची बना लेंगे।

गतिविधि के चरण -

शिक्षक सर्वप्रथम विद्यार्थियों को संख्यानुसार समूहों में विभाजित करेंगे तथा समूहवार निम्नलिखित फॉर्मेट में प्रस्तुतीकरण तैयार कर प्रस्तुत करेंगे -

क्र.स.	प्रमुख उद्योग	संबंधित उत्पाद	महत्त्व

- इसके पश्चात् शिक्षक वीडियो के माध्यम से राजस्थान एवं असम के प्रमुख उद्योग स्थलों को दिखाएँगे

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थियों में राजस्थान एवं असम राज्य के प्रमुख उद्योगों के आर्थिक महत्त्व एवं कार्यप्रणाली के बारे में समझ विकसित हो सकेगी।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'कृतज्ञता का डिब्बा' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को कृतज्ञता का महत्त्व समझाना और इसकी महत्ता को उनके जीवन में बढ़ावा दे सकेंगे ।
- कक्षा में एक सकारात्मक और सहयोगी वातावरण बनाना जहाँ विद्यार्थी एक-दूसरे के प्रति आभार व्यक्त कर सकेंगे।

आवश्यक सामग्री - रंगीन कागज, रंगीन पेंसिल, एक गत्ते का डिब्बा आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक एक गत्ते का डिब्बा सजा लें और उस पर 'कृतज्ञता का डिब्बा' लिख देंगे।
- शिक्षक कुछ उदाहरण या परिस्थितियों की सूची तैयार कर लें जो गतिविधि में सहायक हो।

गतिविधि के चरण

- शिक्षक सभी विद्यार्थियों से कृतज्ञता का महत्त्व पूछेंगे और पिछली गतिविधियो की सीख को दोहराएँगे।
- इसके पश्चात् सभी विद्यार्थी उस पल के बारे में सोचेंगे जब किसी ने उनके लिए कृतज्ञता दिखाई हो, धन्यवाद बोला हो, आदि। शिक्षक विद्यार्थी की भावनाओं के बारे में पूछ सकते है।
- शिक्षक अब कृतज्ञता के एक डिब्बे से परिचय कराएँगे जिसमे सभी विद्यार्थी किसी को आभार व्यक्त करते हुए एक नोट लिखेंगे।
- विद्यार्थी को किसी का नाम लिखने के लिए न कहें और उन्हें 3-4 पंक्तियाँ लिखने का प्रोत्साहन दें या चित्र से व्यक्त करें।
- नोट लिखने के दौरान विद्यार्थी सोच सकते है यदि उन्हें ये नोट मिलता तो कैसा अनुभव होता।

- गतिविधि के अंत में शिक्षक सारे नोट डिब्बे में डाल दें और भविष्य में जब भी मुश्किल वक्त हो तो विद्यार्थियों को कोई भी नोट पढ़ने के लिए कहें।

सीखने के प्रतिफल -

- कृतज्ञता व्यक्त करने और प्राप्त करने से विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच विकसित सकेगी।
- कक्षा में सहयोग और सहभागिता की भावना दृढ हो सकेगी।

थीम- भाषा - समझ से अभिव्यक्ति की ओर

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1 -2)

गतिविधि का नाम - 'मेरे समाचार' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति कौशल का विकास करना।
- विद्यार्थियों में शब्द भंडार का विकास करना।

आवश्यक सामग्री -विद्यार्थियों के नाम कार्ड, ढ़ोलक/ घंटी, अखबार से समाचार की कटिंग।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक अखबार से समाचार (स्थानीय एवं मुख्य) की कटिंग काट कर कक्षा में चिपका दें।
- विद्यार्थियों के नाम के टैग विद्यार्थियों के शर्ट या गले में लगा दें।
- शिक्षक भी एक समाचार विद्यार्थियों को डेमो देने के लिए तैयार करके लाएँ।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक सभी विद्यार्थियों को गोल घेरे में बैठाकर बातचीत करेंगे कि आज आपको कक्षा-कक्ष में क्या नया दिख रहा है ?
- सभी विद्यार्थियों को समाचार (स्थानीय एवं मुख्य) की कटिंग से अवगत कराएँगे।
- शिक्षक अपनी समाचार/ घटना को विद्यार्थियों को सुनाते हुए बताएँ की हमारे आसपास भी प्रतिदिन बहुत सारी खबरे/घटना बनती है।
- खेल गतिविधि करवाते हुए 8-10 विद्यार्थियों से समाचार/घटना सुनाने की गतिविधि करवाएँगे।
- शिक्षक या कोई विद्यार्थी ढ़ोलक/ घंटी बजाएगा एवं आवाज रूकने पर जिस विद्यार्थी के पास बॉल रहेगी वह विद्यार्थी समाचार/ घटना सुनएँगा।
- शिक्षक विद्यार्थियों द्वारा सुनाई गई समाचार/ घटना को लेकर बड़े समूह में चर्चा करेंगे।
- सभी विद्यार्थियों से अपनी-अपनी समाचार/ घटना का चित्रांकन करवाएँगे।
- अंत में शिक्षक बातचीत करते हुए गतिविधि का समेकन करेंगे तथा विद्यार्थियों को बताएँगे कि आप अपने घर या आसपास में इस तरह से घटनाओं को एकत्र करके समाचार बना सकते हैं।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में नए शब्दों को सीखने का अवसर मिल सकेगा।

समहू - 2 प्रवेश (कक्षा - 3 -5)

गतिविधि का नाम- 'मेरे समाचार' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति कौशल का विकास करना।
- विद्यार्थियों में शब्द भंडार का विकास करना।
- विद्यार्थियों में लेखन कौशल का विकास करना।

आवश्यक सामग्री - अखबार से समाचार (स्थानीय एवं मुख्य) की कटिंग, चार्ट एवं स्केच पेन।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक सभी विद्यार्थियों को पाँच उपसमूह में विभाजित करेंगे।
- शिक्षक अखबार से समाचार (स्थानीय एवं मुख्य) की कटिंग काट कर कक्षा में प्रदर्शित करेंगे।
- शिक्षक एक समाचार/ घटना अपने आसपास की चार्ट शीट पर लिखकर लाए, जिससे विद्यार्थियों को लिखित समाचार/ घटना तैयार करने का डेमो दे सकेंगे।

गतिविधि के चरण

- शिक्षक सभी विद्यार्थियों को गोल घेरे में बैठाकर बातचीत करेंगे कि आज आपको कक्षा -कक्ष में क्या नया दिख रहा है ?
- सभी विद्यार्थियों को समाचार (स्थानीय एवं मुख्य) की कटिंग से अवगत करवाएँगे।
- विद्यार्थियों से चर्चा करेंगे कि आपके आसपास कोई विशेष समाचार/ घटना हुई है, जिससे हमें कोई समस्या या फायदा होता है ?
- कोई एक समाचार/ घटना को शिक्षक के द्वारा बताया जाए, जिससे विद्यार्थियों को संदर्भ समझने में आसानी हो सके एवं बातचीत आगे बढ़ पाएँ।
- प्रत्येक उपसमूह से विद्यार्थियों को बताने का अवसर देंगे एवं बताई गई समाचार/ घटना को श्यामपट्ट पर शिक्षक लिखते रहेंगे।
- शिक्षक द्वारा लिखी गई समाचार/ घटना को पूरे समूह में दिखाते हुए पढ़कर बताएँगे।
- प्रत्येक उप समूह को एक-एक समाचार/ घटना जो विद्यार्थियों के द्वारा बताई गई है लिखने के लिए देंगे।
- उप समूह में तैयार कार्य का प्रस्तुतीकरण करवाए एवं समेकन करते हुए चार्टशीट को स्कूल के मुख्य स्थानों पर प्रदर्शित करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति एवं लेखन भाषा कौशल का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में शब्द भंडार कौशल का विकास हो सकेगा।

विशिष्ट गतिविधि (निपुण भारत)

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1 -2), समूह -2 प्रवेश (कक्षा 3 -5)

गतिविधि का नाम - 'सोचो और बनाओ' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में सृजनशीलता एवं अभिव्यक्ति कौशल का विकास करना।

आवश्यक सामग्री – कैंची,स्केल ,मार्कर,चार्ट, पेंसिल एवं स्केच पेन।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- शिक्षक गतिविधि से पूर्व विद्यार्थियों की संख्यानुसार आवश्यक सामग्री एकत्र कर लें तथा कुछ आकृतियाँ बनाने का अभ्यास कर लेंगे।
- शिक्षक आकृतियों के चित्र पूर्व में तैयार रखेंगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक विद्यार्थियों को संख्या अनुसार चार से पाँच के समूहों में बाँट देंगे तथा इन समूहों को विभिन्न प्रकार की आकृति बनाने का कार्य देंगे। उदाहरण के तौर पर किसी अक्षर (ब, C) या किसी संख्या की आकृति (5 या 10) बनाना।
- समूह में सम्मिलित सभी विद्यार्थी मिलकर बताई गई आकृति का निर्माण करने का प्रयास करेंगे।
- इसी प्रकार शिक्षक घर, पेड़ अथवा कोई अन्य आकृति बनाने का कार्य भी दे सकते हैं।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थियों में सृजनशीलता तथा अभिव्यक्ति के कौशल का विकास हो सकेगा।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'जादुई चिट्ठी' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को कठिनाइयों का सामना करते समय सकारात्मक सोच अपनाने के लिए प्रेरित करना।
- विद्यार्थी अपने कठिन समय के अनुभवों को समझने और उनका सामना करने के लिए रणनीतियाँ विकसित करेंगे।

आवश्यक सामग्री - रंगीन कागज, रंगीन पेंसिल, लिफाफा आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक कुछ उदाहरण या परिस्थितियों की सूची तैयार कर लेंगे जो गतिविधि में सहायक होंगे।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक सभी विद्यार्थियों को एक रंगीन कागज और पेंसिल देंगे।
- इसके पश्चात् विद्यार्थियों को अपने ऐसे पल को याद करने को कहेंगे जब उन्हें बहुत मुश्किल हुई थी। जैसे कोई वस्तु नहीं मिल रही थी, कोई बीमार था आदि।
- शिक्षक अब सभी विद्यार्थियों को कुछ सकारात्मक बातें या अनुभव सोचने के लिए कहेंगे जो विद्यार्थी को खुशी देते है।उदाहरण के माध्यम से शिक्षक सोच की गहराई बढ़ाएँ।
- इसके पश्चात् विद्यार्थी स्वयं के लिए एक चिट्ठी बनाएँगे जो वह मुश्किल समय में उपयोग कर सकें।
- चित्र के माध्यम से भी विद्यार्थी सकारात्मक कथन अभिव्यक्त कर सकते हैं।
- सभी विद्यार्थी अपनी चिट्ठी शिक्षक को जमा कर दें और भविष्य में आवश्यकता अनुसार उसे पुन: पढ़ सकते हैं।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी आत्म -सहायता के कौशल सीखेंगे जिससे उन्हें भविष्य में मिल सकेगी।
- विद्यार्थी चित्र और लेखन के माध्यम से अपनी भावनाओं को सृजनात्मक रूप से व्यक्त कर सकेंगे।

थीम- स्वस्थ राजस्थान-सशक्त राजस्थान

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1 -2) समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3 -5)

गतिविधि का नाम - 'नंबर एवं वर्ड एक्शन खेल' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों में गतिविधि के माध्यम से संख्यात्मक कौशल का विकास करना।
- विद्यार्थियों में शब्दावली एवं भाषा कौशल का विकास करना।

आवश्यक सामग्री- कागज कलम, फ्लैश कार्ड(नंबर एवं वर्ड के),खिलौने आदि।

शिक्षक निर्देश- (गतिविधि पूर्व तैयारी) -

- शिक्षक सर्वप्रथम गतिविधि से संबंधित आवश्यक सामग्री आवश्यक रूप से तैयार कर लेंगे।
- शिक्षक गतिविधि को समझ कर सर्वप्रथम स्वयं करके विद्यार्थियों को दिखाएँगे जिससें गतिविधि के समय समस्या न हो।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक सर्वप्रथम अपनी सुविधा के अनुसार कक्षा या मैदान को चुनेंगे और विद्यार्थियों को गोल घेरे में खड़ा कर देंगे।

- इसके पश्चात् शिक्षक विद्यार्थी को खेल से संबंधित स्पष्ट निर्देश देंगे कि सभी विद्यार्थी नंबर और वर्ड के साथ कोई क्रिया करेंगे जैसे दो बोलते ही सब बैठ जाएँगे आदि।
- शिक्षक द्वारा नंबर एवं वर्ड बोलने का क्रम नहीं होगा, साथ ही जो विद्यार्थी संबंधित एक्शन नही करते हैं वो आउट हो जाएगे एवं अंत में जो विद्यार्थी शेष रहता/ रहती है वो विजेता होगा/होगी।
- गतिविधि के अंत में शिक्षक विद्यार्थियों के साथ चर्चा करेंगे।

नोट - यहाँ शिक्षक अन्य गतिविधि भी करा सकते है जैसे - वाक्य निर्माण, संख्याओ के साथ गणितीय संक्रिया , एक्शन की समझ आदि।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी (गिनती, संख्या संबंधी) एवं भाषा कौशल में (शब्दावली, वर्णमाला , पढना) आदि में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।

एक भारत, श्रेष्ठ भारत

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'राष्ट्रीय उद्यान एवं अभ्यारण्य' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को राजस्थान एवं असम राज्य की विशिष्ट वनस्पतियों एवं जीवों के बारे में जानकारी प्रदान करना।
- विद्यार्थियों में दोनों राज्यों के प्राकृतिक वातावरण और जैव विविधता के बारे में जानकारी विकसित करना।

आवश्यक सामग्री- - पेपर, पेंसिल, रंगीन चार्ट, मार्कर, मानचित्र, ब्लैक बोर्ड, फ्लैश कार्ड, पेन आदि।

शिक्षक निर्देश - शिक्षक सर्वप्रथम राजस्थान एवं असम राज्य के प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान एवं अभयारण्य के बारे जानकारी प्राप्त कर लें तथा प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान एवं अभयारण्य में पाए जाने वाले जीव जंतु एवं वनस्पतियों की सूची बना लें।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक सभी विद्यार्थियों को आवश्यकतानुसार समूह में बाटें तथा समूहवार निम्नानुसार गतिविधि कराएँगे।

1. समूह -1(अंकुर) मे राजस्थान एवं असम राज्य को मानचित्र में दर्शाएँगे, राष्ट्रीय उद्यान एवं उनमे दर्शाये गए जीव जंतु एवं वनस्पति में रंग भरने को कहेंगे।
2. समूह -2 (प्रवेश) राजस्थान एवं असम के मानचित्र में प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान एवं अभयारण्य दर्शाने के लिए कहेंगे।

- इसके पश्चात् दोनों समूह से बारी-बारी से प्रस्तुतीकरण करवाएँगे तथा शिक्षक महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को भी स्पष्ट करेंगे।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थी राष्ट्रीय उद्यानों और अभयारण्यों की भूमिका और महत्त्व को समझ सकेंगे।

- विद्यार्थियों को वन्य जीव संरक्षण और पर्यावरणीय नैतिकता के बारे में सिखाने से उनके सामाजिक और नैतिक मूल्यों का विकास हो सकेगा।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'समानुभूति का प्रभाव' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को यह समझाना कि उनके कथन और व्यवहार का दूसरों पर क्या प्रभाव पड़ता है।
- विद्यार्थियों को समानुभूति और दूसरों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने के लिए प्रेरित करना।

आवश्यक सामग्री - रंगीन कागज, पेंसिल, कागज का एक दिल आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक कुछ उदाहरण या परिस्थितियों की सूची तैयार कर लेंगे जो गतिविधि में सहायक हो।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक एक प्रश्न से आरंभ करेंगे कि विद्यार्थी कैसा अनुभव करते हैं जब उनके साथ कोई अच्छा व्यवहार करे और कैसा लगता है जब कोई बुरा व्यवहार करे।
- विद्यार्थियों को विचार साझा करने को कहेंगे और उनके विचारों और भावनाओं की सूची ब्लैक बोर्ड पर लिख देंगे।
- इसके पश्चात् शिक्षक एक कागज के दिल का प्रयोग कर समझाएँगे कि कथन और व्यवहार का प्रभाव दूसरों पर कैसे पड़ता है। विद्यार्थी को कुछ बुरे कथन कहने के लिए कहेंगे जो उन्हें हतोत्साहित कर देगा।
- विद्यार्थी जब ये कथन कहेंगे तो शिक्षक कागज के दिल को धीरे-धीरे सिकुड़ेंगे और साझा करेंगे कि बुरे व्यवहार या कथन का क्या प्रभाव होता है।
- इसके पश्चात् शिक्षक विद्यार्थी को कुछ सकारात्मक और प्रोत्साहन से भरे कथन कहने के लिए कहेंगे। विद्यार्थी जब साझा करेंगे, तब शिक्षक धीरे धीरे कागज के दिल को खोले।
- शिक्षक बताएँगे कि हमारा दूसरों को समझना, सुनना और अच्छा व्यवहार कैसे प्रभावशाली होता है।
- विद्यार्थी छोटे समूह में चिंतन करेंगे कि कब उनके मन को सिकुड़ने जैसा अनुभव हुआ और कब उन्हें दिल खुलने जैसा अनुभव हुआ।
- गतिविधि के अंत में शिक्षक अच्छे कथन की एक सूची तैयार कर सकते हैं जो वह कक्षा में कहीं चिपका सकते हैं।

सीखने के प्रतिफल -

- कक्षा में सकारात्मक संवाद और व्यवहार के माध्यम से एक सहायक और सकारात्मक वातावरण का निर्माण हो सकेगा।

- विद्यार्थी अपनी और दूसरों की भावनाओं को श्रेष्ठतर ढंग से समझ एवं पहचान सकेंगे।

थीम- खेल-खेल में विज्ञान

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1 -2)

गतिविधि का नाम- 'पानी के बुलबुले' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य-

- विद्यार्थियों को विज्ञान के छोटे-छोटे प्रयोगों की जानकारी प्रदान करना।
- विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना।

आवश्यक सामग्री- शैंपू, पानी, पेन की खाली रिफिल, काँच के गिलास आदि।

शिक्षक निर्देश -

- शिक्षक आवश्यकता अनुसार सामग्री (पानी, पेन की खाली रिफिल, काँच के गिलास) की व्यवस्था कर लेंगे।
- विद्यार्थियों के पाँच -पाँच के उप समूह (स्तर अनुसार) बना लेंगे।

गतिविधि के चरण-

- शिक्षक सभी विद्यार्थियों को गोल घेरे में बैठाकर बातचीत करेंगे कि हम आज पानी में बनने वाले बुलबुलों को लेकर प्रयोग करेंगे।
- शिक्षक सभी विद्यार्थियों को गिलास में पानी शैंपू घोलकर मिश्रण तैयार करके बताएँगे एवं पेन की खाली रिफिल से उसमें धीरे -धीरे फूक मार कर बुलबुले बनाकर बताएँगे।
- सभी उप समूह में आवश्यकतानुसार पानी एवं शैंपू का मिश्रण एवं बुलबुले बनाने का पर्याप्त अवसर प्रदान करेंगे।
- शिक्षक सभी उप समूह का बारी -बारी से अवलोकन करेंगे एवं विद्यार्थियों की आवश्यकतानुसार सहायता करते रहेंगे।
- सभी उपसमूह को भी आपस में एक -दूसरे का अवलोकन करने का अवसर देंगे।
- प्रयोग पूरा होने पर विद्यार्थियों के अनुभव सुने एवं बुलबुले क्यो बनते है, इसका वैज्ञानिक कारण विद्यार्थियों के साथ साझा करेंगे।

सीखने के प्रतिफल- -

- विद्यार्थियों में विज्ञान के छोटे -छोटे प्रयोगों को जानने का कौशल विकसित हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित हो पाएँगा।

समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3 -5)

गतिविधि का नाम - 'परिंडे बाँधना' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य - विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के संबंध में जागरुक करना।

आवश्यक सामग्री - दो पुराने मटके/ कटोरे और एक रस्सी आदि।

शिक्षक निर्देश- - शिक्षक गतिविधि कराने से पहले सभी आवश्यक सामग्री को एक जगह पर एकत्र कर लेंगे ।

गतिविधि के चरण -

- ➢ प्रक्रिया की आरंभ विद्यार्थियों के साथ उनके जीवन में जल के महत्त्व तथा पानी के स्त्रोतों पर बातचीत से हो। इस बातचीत में निम्नलिखित प्रश्न सम्मिलित किए जा सकते हैं –
- आपके लिए पानी क्यों महत्त्वपूर्ण है ?
- आपके घर/गाँव में पानी कहाँ से आता है ?
- क्या पीने और बाकी कामों के लिए एक ही पानी का उपयोग होता है ?
- जानवर किन -किन वस्तुओं के लिए पानी का उपयोग करते होंगे ?
- उन्हें यह पानी कहाँ से मिलता है ?
- क्या हमारे आसपास के जानवरों को पीने का पानी आसानी से मिलता होगा ?
- क्या हम उनके लिए पीने के पानी की व्यवस्था कर सकते हैं ?
- ➢ इस बातचीत के पश्चात् शिक्षक विद्यार्थियों के साथ मिलकर दो मटकों को ऊपर से आधा काट (कटोरा उपलब्ध होने पर यह आवश्यक नहीं होगा) लेंगे। एक मटके में पानी भरकर स्कूल के मुख्य द्वार के पास जानवरों के लिए रखा जाएगा तथा एक और मटके को रस्सी से एक पेड़ की डाली पर बाँधेंगे। इस मटके में पक्षियों के लिए पानी भर जाएगा।
- ➢ शिक्षक विद्यार्थियों को इन मटकों में नियमित पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित करेंगे। इस कार्य के लिए छोटे विद्यार्थी, शिक्षक अथवा बड़े विद्यार्थियों की सहायता भी ले सकते हैं।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी अपने आसपास के वातावरण एवं जीव-जंतुओं के संरक्षण के संबंध में जागरुक हो पाएँगे।

निपुण भारत

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'सुमेलित करना' 🕒 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- ➢ विद्यार्थियों में सूक्ष्म एवं स्थूल शारीरिक कौशल का विकास करना।
- ➢ विद्यार्थियों में वर्गीकरण, तुलना, पेटर्न पहचान व्यावहारिक कौशल विकसित करना।

आवश्यक सामग्री - चार्ट, पेंसिल, फ्लैश कार्ड आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश -

- ➢ शिक्षक गतिविधि से पूर्व गतिविधि से संबंधित आवश्यक जानकारी विद्यार्थियों को देंगे।
- ➢ शिक्षक स्थानीय परिवेश के अनुसार आवश्यक सामग्री एवं गतिविधि का आयोजन करेंगे।

गतिविधि के चरण -

- ➢ एक-एक विद्यार्थी द्वारा खाद्य वस्तुओं के नाम बोले जाएगे शेष विद्यार्थी उनके आगे उनकी श्रेणी लिखेंगे जैसे – गेहूँ - अनाज, चीकू - फल आदि।

सीखने के प्रतिफल -

- विद्यार्थियों में तार्किक सोच और समस्या समाधान कौशल विकसित हो सकेगा।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - ' ये है मेरी दुनिया' 60 मिनट

गतिविधि का उद्देश्य -

- विद्यार्थियों को अब तक सीखे गए विषयों पर पुनर्विचार करने और अपने अनुभवों को साझा करने का अवसर देना।
- विद्यार्थियों को अपनी आदर्श दुनिया की कल्पना और उसे चित्र के माध्यम से अभिव्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करना।

आवश्यक सामग्री - रंगीन कागज, रंगीन पेंसिल आदि।

शिक्षक हेतु निर्देश - शिक्षक कुछ परिस्थितियों की सूची तैयार कर लेंगे जो गतिविधि में सहायक हो।

गतिविधि के चरण -

- शिक्षक एक ध्यान के अभ्यास से शुरू करेंगे जैसे – श्वासो पर ध्यान लगाना, स्पर्श से ठीक जोन में आना, शरीर में हो रही संवेदनाओ पर ध्यान केन्द्रित करना या आस पास की कोई तीन आवाजों को सुनना।
- शिक्षक संक्षिप्त में अभी तक सिखाए गए सभी विषय पर छोटे समूह में चर्चा कर सकते हैं। निम्नलिखित प्रश्नों का उपयोग कर सकते हैं -
  - कौनसा विषय आपको सबसे अच्छा लगा ?
  - कौनसा विषय समझने में वक़्त लगा, जिसमे आपको सहायता चाहिए ?
  - क्या आपने किसी भी सीख का प्रयोग अपनी दिनचर्या में किया ?
- इसके पश्चात् शिक्षक सभी विद्यार्थियों को अपनी एक दुनिया का निर्माण करने के लिए कहेंगे।
- एक चित्र के माध्यम से विद्यार्थी अभिव्यक्त करेंगे कि उन्हें कैसी दुनिया की इच्छा है। इसमें लोग, उनकी भावनाएँ, व्यवहार, नियम का भी वर्णन करेंगे। शिक्षक यहाँ कुछ उपयुक्त उदाहरण भी देंगे।
- छोटे समूह में विद्यार्थी अपनी दुनिया की प्रस्तुति करेंगे और उसके पीछे का कारण भी बताएँगे।
- गतिविधि के अंत में शिक्षक साझा करने के लिए कहेंगे कि विद्यार्थी कैसे ये असल जिंदगी में ला सकते हैं।

सीखने के प्रतिफल - विद्यार्थी अपनी आदर्श दुनिया के तत्वों को वास्तविक जीवन में लागू करने के तरीके सोचेंगे और उनका अभ्यास कर सकेंगे।

खुशी की पाठशाला

समूह - 1 अंकुर (कक्षा 1-2) एवं समूह - 2 प्रवेश (कक्षा 3-5)

गतिविधि का नाम - 'ध्यान से रंग भरें'

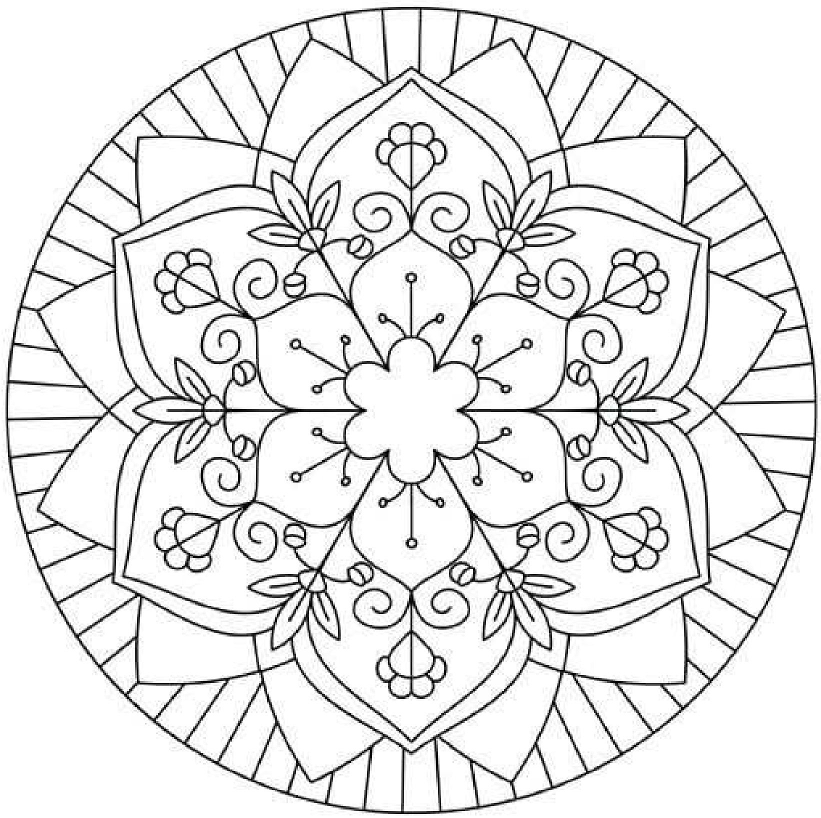

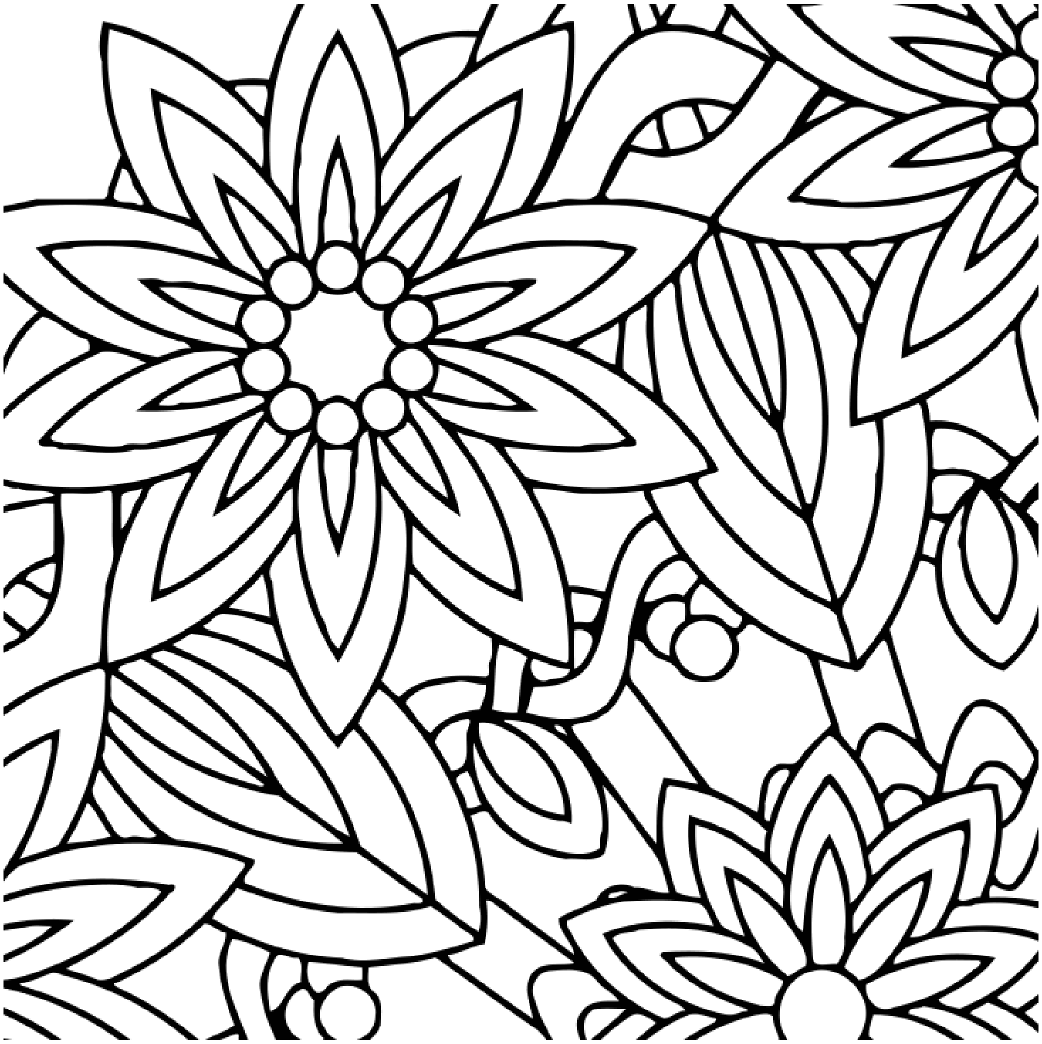

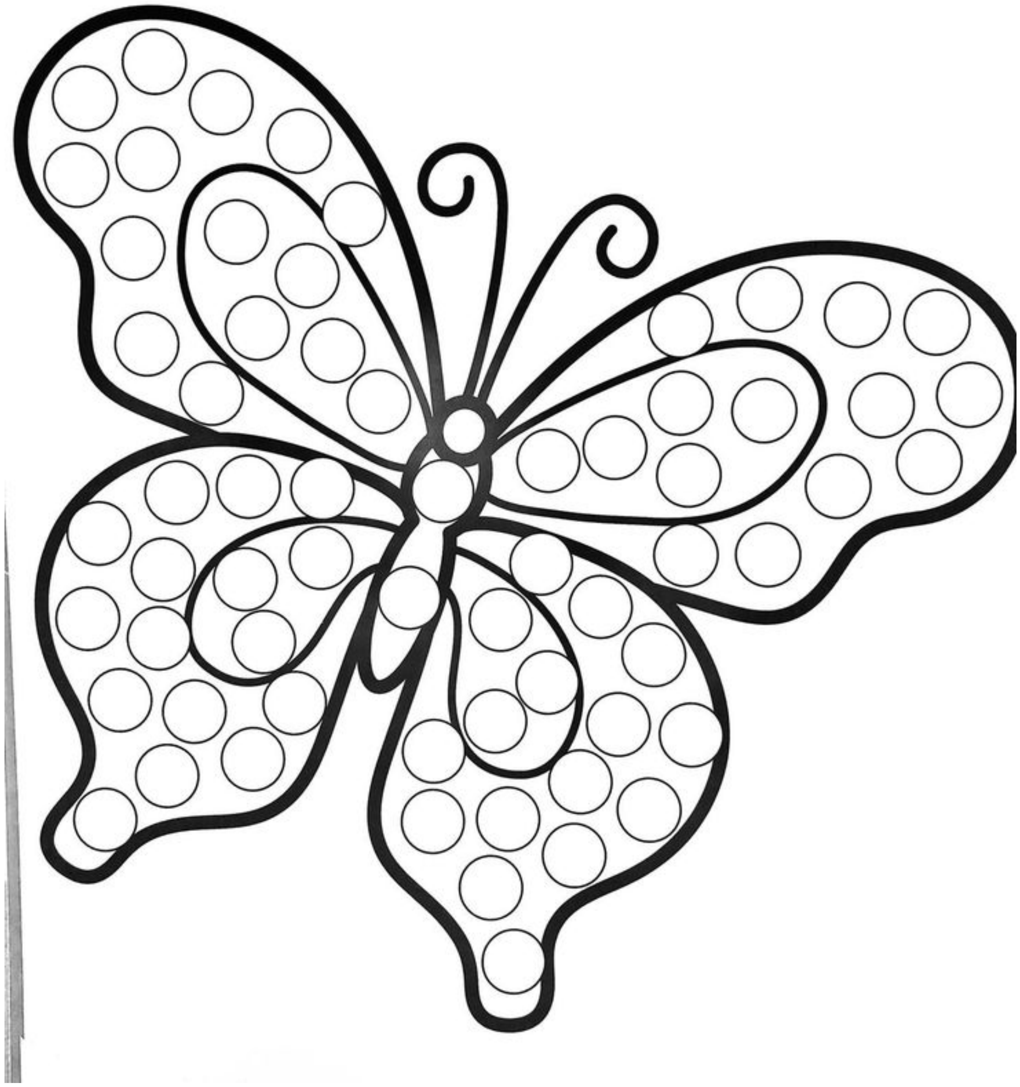

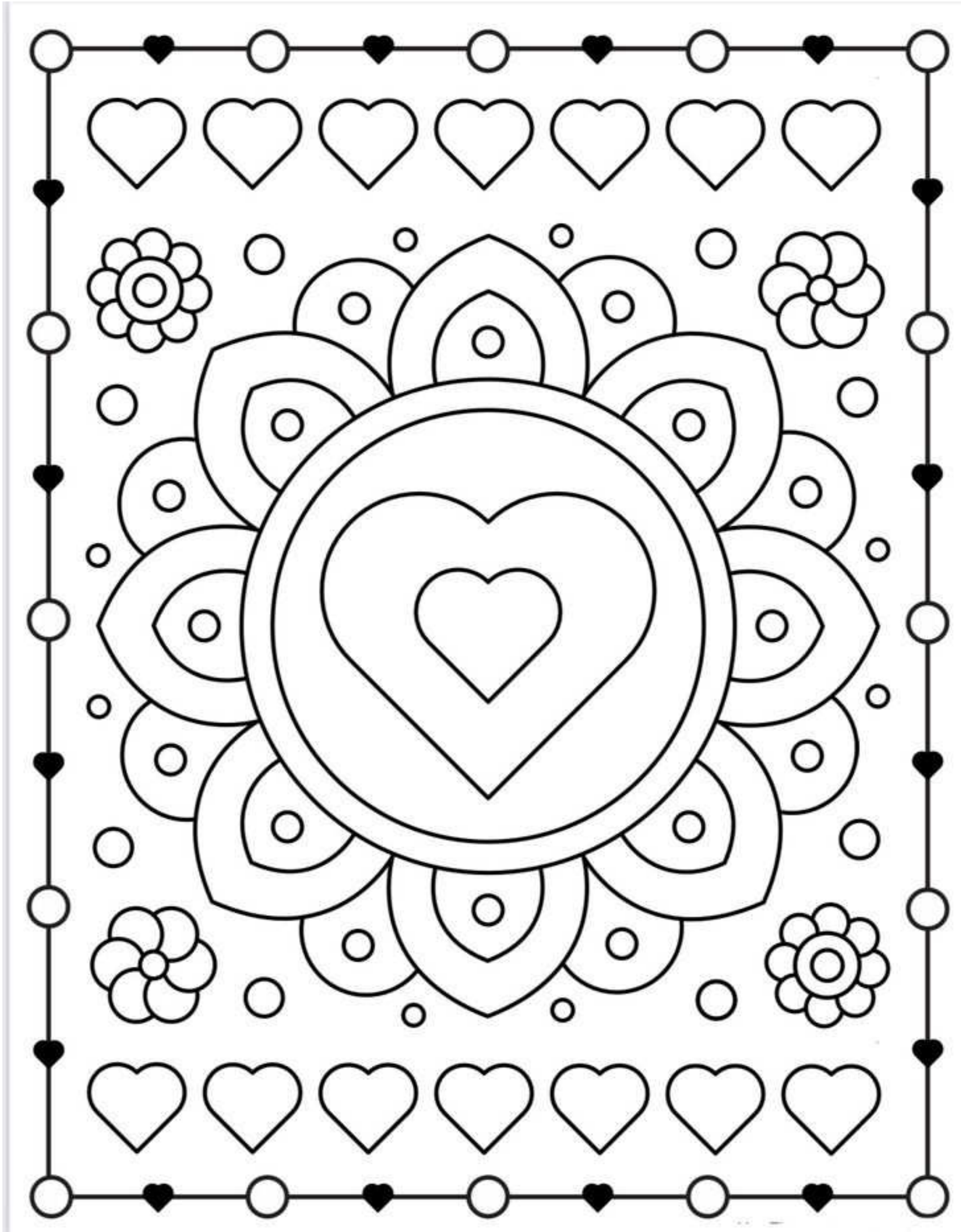

आउटडोर खेल गतिविधियाँ

- **स्किपिंग:** यह एक उत्तेजक खेल है जिसमें छोटे बच्चे एक छोटे रस्से को ऊपर-ऊपर उछालकर उसके नीचे से आपस में पार करते हैं।
- **खेल जोड़ी:** यह खेल दो टीमों के बीच खेला जाता है जहाँ एक टीम दौड़कर दूसरी टीम के सदस्यों को टच करके उन्हें खेल से बाहर करती है।
- **छुपाई:** यह खेल छोटे बच्चों के बीच खेला जाता है जहाँ एक बच्चा आँखें बंद करके बाकी बच्चों को ढूँढ़ता है, जो छुपने की कोशिश करते हैं।
- **जुड़वा खो-खो:** यह खेल भारतीय खेल परंपरा का हिस्सा है और बच्चों के बीच में प्रचलित है। इस खेल से बच्चों को गतिशीलता, तत्वचित्र और टीमवर्क की कला का अनुभव होता है।
- **मेंढक कूद:**–सबसे पहले, एक नियंत्रक खेल के लिए क्षेत्र को तैयार करता है। एक व्यक्ति मेंढक बनता है और क्षेत्र के एक कोने में खड़ा होता है। अन्य सभी खिलाड़ियों को भी मेंढक बनने की इजाज़त होती है। वे समूह के अन्य कोनों में तैनात होते हैं। खेल की शुरुआत में, सभी मेंढक एक साथ उछाल कर अगले कोने या स्थान पर पहुँचने की कोशिश करते हैं। इसके लिए उन्हें बारी-बारी से एक-एक करके आगे बढ़ना पड़ता है। मेंढक के रूप में पहले व्यक्ति के छू लेने वाला खिलाड़ी मेंढक बन जाता है और उसकी जगह अगले खिलाड़ी को मेंढक बनने के लिए मिलती है। खेल स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है क्योंकि इसमें कूदने से शारीरिक कसरत होती है। इसके अलावा इस खेल से लोगों के बीच टीमवर्क और प्रतिस्पर्धा की भावना भी विकसित होती है।
- **रूमाल झपट्टनी :** एक लोकप्रिय शारीरिक खेल है। इस खेल में दो टीमों को एक-दूसरे के साथ लगातार रूमाल को खींचकर आपसी प्रतिस्पर्धा करनी होती है। खेल के लिए एक समतल और चिकनी मिट्टी वाले मैदान की आवश्यकता होती है। दो बराबर टीमें होती हैं जो एक-दूसरे के सामने खड़ी होती हैं। रूमाल खेल मैदान के मध्यभाग में बिछाया जाता है। जिसे दोनों टीम के एक-एक खिलाड़ी बीच में आकर झपट कर पहले ले जाते हैं। जो पहले रुमाल लेता है वह दूसरी टीम को उसकी जगह से खींचकर अपनी दिशा में ले जाते हैं। जो टीम दूसरी टीम को अपनी ओर ज्यादा खींचती है, वह टीम विजेता घोषित की जाती है। खेल में ताक़त, संगठनशीलता, टीमवर्क, और योग्यता का ध्यान रखा जाता है। इससे टीमवर्क और सामर्थ्य की भावना को बढ़ावा मिलता है। इसके अलावा, यह शारीरिक सक्रियता को बढ़ाने में मदद करता है और एक सकारात्मक दिमाग के विकास में भी सहायक होता है। हालाँकि, इस खेल को खेलते समय सुरक्षा का ध्यान रखना भी बहुत महत्त्वपूर्ण है, खासकर रूमाल को खींचने और दौड़ाने के समय।
- **नेता पहचानो :** सभी विद्यार्थी गोल घेरे में खड़े होंगे तथा एक विद्यार्थी को बाहर जाने को कहा जाता है, उसकी अनुपस्थिति में शेष बचे खिलाडियों में से एक नेता चुन लिया जाता है जो अनुपस्थित खिलाडी के वापस आने पर चालाकी से हाव-भाव करता है जिसे गोल घेरे के अन्य सदस्य भी दोहराते है। आने वाले खिलाड़ी को चुने गए नेता को पहचानना होता है।
- विपरीत संख्या :– सभी विद्यार्थी गोल घेरे में खड़े होंगे तथा घड़ी की दिशा में एक के बाद एक उल्टी गिनती बोलना शुरू करेंगे। इस दौरान जो विद्यार्थी गिनती बोलने में चूक करेगा वह खेल से बाहर हो जाएगा तथा उसके अगले खिलाड़ी से पुनः 100 से उल्टी गिनती बोलना शुरू कर खेल जारी रखेंगे।
- **तीन टाँग दौड़ :** सभी विद्यार्थियों को दो-दो के जोड़े में खड़े कर पास के दोनों विद्यार्थियों के पैर बाँधकर सभी विद्यार्थी तीन टांग दौड़ दौड़ेंगे, जो जोड़ा सबसे पहले पहुँचेगा, वह विजेता रहेगा।
- **भाई-भाई कितना कितना पानी :** सभी विद्यार्थी एक ही दिशा की ओर मुख करके एक पंक्ति में खड़े होंगे। पकड़ने वाला उनके सामने 3 मीटर की दूरी पर होगा और उसकी पीठ सेवकों की ओर होगी। जब शुरू कहा जाएगा तो सभी विद्यार्थी चिल्लाएँगे "भाई-भाई कितना कितना पानी?" पकड़ने वाला उत्तर देगा "इतना इतना पानी" और पानी के स्तर को इंगित करने के लिए अपने हाथों को अपने शरीर के ऊपर ले जाएगा। यह प्रश्न और उत्तर तब तक जारी रहेगा जब तक कि पकड़ने वाला पानी का स्तर उसके सिर से ऊपर न बता दे जिसके बाद पकड़ने वाला मुड़ेगा

और विद्यार्थियों का पीछा करेगा। यदि वह किसी पूर्व निर्धारित बिंदु तक पहुँचने से पहले किसी विद्यार्थी को पकड़ लेता है तो वह विद्यार्थी पकड़ने वाला बन जाएगा अन्यथा पकड़ने वाला अपनी भूमिका बरकरार रखेगा।

- **हाथी की सूँड :** पकड़ने वाले सहित सभी विद्यार्थी क्षेत्र के अंदर रहेंगे। पकड़ने वाला एक हाथ से अपनी नाक पकड़कर हाथी की नकल करेगा। इस प्रकार एक लूप बनाया जाता है और लूप के माध्यम से अपना दूसरा हाथ डाला जाता है जिससे हाथी की सूँड की नकल की जाती है। जब शुरू कहा जाएगा तो पकड़ने वाला अपनी 'सूँड' का उपयोग करके सभी विद्यार्थियों को पकड़ने का प्रयास करेगा। जो विद्यार्थी पकड़े जाएँगे वे खेल से बाहर हो जाएँगे। अंत में सबसे पहले पकड़े जाने वाला विद्यार्थी हाथी की नकल कर खेल को पुनः खेलेंगे।
- **रिंग खेल :** रिंग को खिलाड़ी के हाथ में 3 सेकंड से अधिक समय तक नहीं रखा जा सकता है। यदि ऐसा किया गया तो फाउल दिया जाएगा। कोई खिलाड़ी रिंग के साथ नहीं दौड़ सकता। अधिकतम तीन चरणों की अनुमति होगी। रिंग के साथ पैर का संपर्क नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे फाउल हो जाएगा। गोलकीपर को दोनों पैर अपने स्थान पर रखने चाहिए। उसे अपनी जगह से हिलने की इजाजत नहीं है।
- **आँख पर पट्टी :** दो खिलाड़ियों की आँखों पर पट्टी बाँध दी जाती है और उन्हें एक निर्धारित सीमा के भीतर अन्य सभी खिलाड़ियों को पकड़ने के लिए दो अन्य खिलाड़ियों द्वारा निर्देशित किया जाता है।
- **रस्सा कस्सी :** दो टीमों को एक ही रस्सी के दोनों ओर पंक्तिबद्ध किया जाएगा जिसके बीच में एक रूमाल बँधा होगा। जब सीटी बजेगी तो टीमें रस्सी खींचेगी। जो टीम रूमाल को एक पूर्व निर्धारित बिंदु को पार करा देगी वह जीत जाएगी।
- **प्रश्नोत्तर से नेता पहचानो :** एक टीम एक महान नायक/नेता का चयन करेगी। दूसरी टीम का प्रत्येक सदस्य बारी-बारी से एक प्रश्न पूछेगा। दूसरी टीम हाँ या ना में उत्तर देगी। जवाबों से टीम नेता की पहचान करने की कोशिश करेगी।
- **लंगड़ी कबड्डी :** यह भी सामान्य कबड्डी की तरह ही होगा, अंतर सिर्फ यह है कि खिलाड़ी कम, मैदान छोटा तथा पकड़ने वाला खिलाडी लंगड़ी कबड्डी से आएगा।
- **कठघर:** खेल की शुरुआत में सभी बच्चे वृत्ताकार घेरे में खड़े होते हैं और दो बच्चे अपने हाथों को ऊपर उठाकर कठघर बनाते हैं। बाकी बच्चे क्रमशः कठघर के नीचे से गुजरते हैं। सीटी बजते ही कठघर के हाथ नीचे हो जाते हैं और जो बच्चा उसमें फंस जाता है, वह खेल से बाहर हो जाता है। यह खेल तब तक चलता है जब तक सभी बच्चे उत्साहित होकर भाग लेते हैं। इस खेल से विद्यार्थियों में तेजी से निर्णय लेने की क्षमता, ध्यान केंद्रित करने की योग्यता और आपसी समन्वय का विकास होता है। इस खेल को कुछ बदलाव के साथ बड़ा गोला बनाकर और गुप्त संख्या (कोड) से सभी बच्चों का हाथ नीचे कर अंदर रहे बच्चों को आउट कर भी खेला जा सकते है।
- **बैक्टीरिया हमला :** यह एक सामूहिक खेल है जिसमें विद्यार्थी चुस्ती-फुर्ती और सतर्कता का अभ्यास करते हैं। खेल की शुरुआत में एक बच्चा बैक्टीरिया बनता है और चारों हाथ-पैरों के बल चलकर बाकी विद्यार्थियों को घुटनों के नीचे छूकर पकड़ने की कोशिश करता है। जो पकड़ा जाता है, वह भी बैक्टीरिया बन जाता है और दूसरों को पकड़ने में मदद करता है। खेल तब तक चलता है जब तक सभी बच्चे बैक्टीरिया न बन जाएं। इस खेल से विद्यार्थियों में शरीर स्वास्थ्य शारीरिक फुर्ती, सतर्कता और टीम भावना का विकास होता है।
- **लंगड़ी टांग :** खेल की शुरुआत में एक बच्चा "पकड़ने वाला" बनता है और वह केवल एक पैर पर कूदकर बाकी बच्चों को पकड़ने का प्रयास करता है। पकड़ा गया बच्चा खेल से बाहर हो जाता है। खेल तब तक चलता है जब तक एक ही बच्चा शेष रह जाए, जो विजेता होता है। यह खेल विद्यार्थियों में शारीरिक संतुलन, चपलता, सहनशक्ति और टीम भावना को विकसित करता है।
- **एक टांग की प्रतियोगिता :** यह एक सामूहिक खेल है जिसमें विद्यार्थी चुस्ती-फुर्ती और संतुलन का अभ्यास करते हैं। खेल की शुरुआत में सभी विद्यार्थी एक वृत्त के किनारे एक पैर पर खड़े होते हैं। केंद्र में वस्तुएँ रखी जाती हैं। "खेल शुरू" होते ही विद्यार्थी एक पैर पर कूदते हुए केंद्र तक जाते हैं, एक-एक वस्तु उठाकर अपनी जगह पर वापस आते हैं। एक बार में केवल एक ही वस्तु लाई जा सकती है। सबसे अधिक वस्तुएँ लाने वाला विजेता होता है। इस खेल से विद्यार्थियों में संतुलन, सहनशक्ति, सजगता और प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास होता है।
- **विष-अमृत :** यह एक सामूहिक और मनोरंजक खेल है जिसमें बच्चे आपसी तालमेल, सतर्कता और निर्णय क्षमता का अभ्यास करते हैं। खेल की शुरुआत में एक बच्चा पकड़ने वाला होता है, जो अन्य बच्चों को "विष" देकर आउट करने का प्रयास करता है। बच्चे बचाव के लिए नीचे बैठकर हनुमान मुद्रा अपनाते हैं, जिससे पकड़ने वाला उन्हें "विष" नहीं दे सकता। पकड़ा गया बच्चा स्थिर हो जाता है, जिसे दूसरा बच्चा

"अमृत" कहकर मुक्त कर सकता है। यदि कोई बच्चा खड़ा पकड़ा जाए या क्षेत्र से बाहर जाए, तो वह आउट माना जाता है। इस खेल से बच्चों में त्वरित निर्णय, सतर्कता, टीम वर्क और सहयोग की भावना विकसित होती है।

- **नमस्ते :** खेल की शुरुआत में सभी विद्यार्थी वृत्त में बैठते हैं। एक बच्चा धावक बनता है और बाहर की दिशा में दौड़ता है। वह किसी एक बैठे हुए बच्चे को छूता है, और दोनों विपरीत दिशा में दौड़ते हैं। आमने-सामने मिलने पर वे "नमस्ते" कहते हैं और दौड़ जारी रखते हैं। जो बच्चा पीछे रह जाता है, वह अगला धावक बन जाता है। इस खेल से विद्यार्थियों में शरीर स्वास्थ्य, शारीरिक फुर्ती, सतर्कता और टीम भावना का विकास होता है।
- **मगरमच्छ :** खेल में शिक्षक जमीन पर दो समानांतर रेखाएं खींचकर नदी का क्षेत्र बनाते हैं। एक बच्चा मगरमच्छ बनता है और नदी के बीच खड़ा रहता है। बाकी बच्चे नदी को सुरक्षित पार करने की कोशिश करते हैं। मगरमच्छ बीच में खड़े होकर बच्चों को पकड़ने की कोशिश करता है। जो पकड़ा जाता है, वह बाहर हो जाता है। खेल तब तक चलता है जब तक सभी बच्चे सुरक्षित पार न कर लें। इस खेल से विद्यार्थियों में सतर्कता, निर्णय क्षमता, और जोखिम लेने की प्रवृत्ति का विकास होता है।

नोट: यह विद्यालय के विद्यार्थियों के खेलों की सामान्य सूची है परंतु अधिकांशतः खेल लोकप्रियता और स्थानीय प्राथमिकताओं पर निर्भर करेगा।

प्रारूप—अ

'नो बैग डे' कार्यक्रम उत्तरदायित्व —विद्यालय स्तर (जुलाई के प्रथम सप्ताह में करना है)

नो बैग डे की थीम	थीम प्रभारी	कक्षा समूह प्रभारी
1. पहला शनिवार— आओ राजस्थान को जानें।	थीम प्रभारी................................	**समूह— अंकुर** प्रभारी........................ सहप्रभारी..................
2. दूसरा शनिवार — भाषा : समझ से अभिव्यक्ति की ओर	थीम प्रभारी................................	**समूह— प्रवेश** प्रभारी........................ सहप्रभारी..................
3. तीसरा शनिवार— स्वस्थ राजस्थान—सशक्त राजस्थान	थीम प्रभारी................................	**समूह— दिशा** प्रभारी........................ सहप्रभारी..................
4. चौथा शनिवार— खेल खेल में विज्ञान	थीम प्रभारी................................	**समूह— क्षितिज** प्रभारी........................ सहप्रभारी..................
5. पाँचवा शनिवार— बालसभा — मेरे अपनों के संग (अगस्त,नवम्बर,जनवरी)	थीम प्रभारी................................	**समूह— उन्नति** प्रभारी........................ सहप्रभारी..................

हस्ताक्षर प्रभारी 'नो बैग डे' कार्यक्रम — हस्ताक्षर संस्थाप्रधान

नाम......................................

'नो बैग डे' कार्यक्रम मासिक योजना–प्रारूप–ब

(प्रत्येक माह के प्रथम सोमवार को तैयार करना)

माह का नाम.. वर्ष....................

दिनांक	थीम का प्रकार	समूह	गतिविधि का संक्षिप्त विवरण	गतिविधि का स्थल / कक्षा	विद्यार्थियों की कुल संख्या			भाग लेने वाले विद्यार्थियों की अनुमानित संख्या		
					छात्र	छात्रा	कुल	छात्र	छात्रा	कुल
	आओ राजस्थान को जानें।	अंकुर								
		प्रवेश								
		दिशा								
		क्षितिज								
		उन्नति								
	भाषा : समझ से अभिव्यक्ति की ओर	अंकुर								
		प्रवेश								
		दिशा								
		क्षितिज								
		उन्नति								
	स्वस्थ राजस्थान–सशक्त राजस्थान।	अंकुर								
		प्रवेश								
		दिशा								
		क्षितिज								
		उन्नति								
	खेल खेल में विज्ञान	अंकुर								
		प्रवेश								
		दिशा								
		क्षितिज								
		उन्नति								
	बालसभा मेरे अपनों के संग	अंकुर								
		प्रवेश								
		दिशा								
		क्षितिज								
		उन्नति								

नाम व हस्ताक्षर थीम प्रभारी

हस्ताक्षर 'नो बैग डे' कार्यक्रम प्रभारी

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....

'नो बैग डे' कार्यक्रम–प्रतिवेदन

(प्रत्येक शनिवार को तैयार करना)

माह का नाम....................................... दिनांक................... शनिवार का क्रम– प्रथम/द्वितीय/तृतीय/चतुर्थ/पंचम

थीम का नाम..

समूह का नाम... ....

समूह प्रभारी का नाम एवं पदनाम..

क्रसं	गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण (प्रतिफल/कौशल/दक्षता आदि)	विद्यार्थियों की कुल संख्या			भाग लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या		
		छात्र	छात्रा	कुल	छात्र	छात्रा	कुल

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि 1. 2. 3.

गतिविधि आयोजन को श्रेष्ठ बनाने हेतु सुझाव– ....

....

नोट– समूह की गतिविधियों से प्राप्त चार्ट/मॉडल/सर्वेक्षण प्रपत्र/वीडियो/फोटोग्राफ्स आदि जो गतिविधि के होने को प्रमाणित करे को सॉफ्ट या हार्ड कॉपी में 'नो बैग डे' कार्यक्रम प्रभारी को गतिविधि आयोजन के बाद देवें। 'नो बैग डे' कार्यक्रम प्रभारी इन्हें सत्र पर्यन्त संरक्षित रखें।

हस्ताक्षर थीम प्रभारी

हस्ताक्षर 'नो बैग डे' कार्यक्रम प्रभारी